Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 20 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-232

यह कैसा पापी मुल्क है इस्लामिक पाकिस्तान..!

जहां मेधावी बच्चियां मार डाली जाती हैं, क्योंकि वे हिंदू हैं!

इस्लामिक देश पाकिस्तान में हिंदू बच्चियों का उच्च शिक्षा ग्रहण कर कुछ बड़ा कर पाना बेहद कठिन है। परिस्थितियां कुछ ऐसी बना दी गई हैं कि उच्च शिक्षा तो छोड़िए प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करना भी इनके लिए दूर की कौड़ी लाने के समान है। कभी-कभार कुछ हिंदू बच्चियां अपने साहस के बूते कुछ कर दिखाना भी चाहें हैं तो षड़यंत्र रचकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया जाता है। बाद में उल्टे-सीधे तर्क देकर फाइलें बंद कर दी जाती हैं।

हाल के वर्षों में पाकिस्तान में ऐसी कई हिंदू बच्चियां षड़यंत्र का शिकार हुई हैं। वो मेडिकल की पढ़ाई कर अपने समाज और समुदाय की सेवा करना चाहती थीं, पर उन्हें इसका अवसर नहीं दिया गया। इससे पहले ही वो साजिश का शिकार हो गईं। ताजा मामला पाकिस्तान के सिंध प्रांत का है, जब खैरपुर मेडिकल कॉलेज की चौथे वर्ष की मेडिकल छात्रा स्नेहा केसरवानी अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई।

शुभ-लाभ चिंता

पाकिस्तानी एक्टिविस्ट डॉ. सोरथ सिंधु का कहना है कि स्नेहा के आसपास परिस्थितियां ऐसी बुनी गईं कि उसे किसी न किसी तरह मौत का निवाला बनना ही था। बताते हैं कि स्नेहा अपने कमरे में तीन अन्य दोस्तों के साथ पढ़ रही थी। तभी अचानक मुर्छित होकर गिर पड़ी। दोस्तों ने सीपीआर दिया, पर काम नहीं आया। हालांकि, इस मामले में अस्पताल और कॉलेज प्रशासन का विरोधाभासी बयान है। छात्रा की दोस्तों और अस्पताल ने मौत का कारण हृदयाघात बताया है, जबकि कॉलेज प्रशासन ने पुलिस को दिए गए बयान में कहा है कि स्नेहा का शव छात्रावास के कमरे में पाया गया था।

हालांकि, केएमसी, खैरपुर मीर के विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरीश मखीजा मेडिकल कॉलेज प्रशासन के बयान से सहमत नहीं। मेडिकल छात्र स्नेह सिंधु के दहारकी की रहने वाली थी। उसकी उत्कृष्ट बौद्धिक क्षमता, सम्मानजनक आचरण, नैतिकता और कुशल संचार कौशल के इलाके के लोग कायल थे। ▶10पर

188 पाकिस्तानी हिंदुओं को मिली भारतीय नागरिकता

अहमदाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में 188 पाकिस्तानी हिंदुओं को भारत की नागरिकता दी गई। केंद्रीय गृहमंत्री ने भारत को एकलौता देश बताया जिसे धर्म के आधार पर बांटा गया। उन्होंने बताया कि भारत आए शरणार्थी पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में अपने साथ हुए अत्याचार को कभी भूल नहीं सकते क्योंकि उनके परिवार तक उजड़ गए। अमित शाह के अनुसार तब दंगों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के हिंदुओं ने जो झेला उतनी ▶10पर

दो महत्वपूर्ण विदेश यात्राओं पर दुनिया की नजर

जब पीएम जाएंगे यूक्रेन आरएम जाएंगे यूएस

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जल्दी ही अमेरिका के दौरे पर रवाना होने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन और पोलैंड की होने वाली यात्रा के पहले राजनाथ की अमेरिका यात्रा के गहरे निहितार्थ समझे जा सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सितंबर महीने में संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में हिस्सा लेने अमेरिका जाएंगे। राजनाथ की अमेरिका यात्रा को लेकर सतही तौर पर यह समझा जा रहा है कि भारत को अपने स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके1ए को जल्द ही इंजन मिल सकता है। राजनाथ के पांच दिवसीय अमेरिकी दौरे में अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी का मुद्दा सुलटाया जा सकता है। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी

- सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जाएंगे अमेरिका
- युक्रेन के पड़ोसी देश पोलैंड भी जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी
- अमेरिका से कई अहम रक्षा डील करेंगे राजनाथ सिंह

इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायुसेना को 31 मार्च 2024 के पहले ही तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी, लेकिन इसमें देरी हो रही है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 अगस्त से अमेरिका की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। रक्षा मंत्री 23 अगस्त को पेंटागन में अपने अमेरिकी समकक्ष डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत करेंगे। राजनाथ सिंह 21 से 25 अगस्त तक अमेरिका में रहेंगे। रक्षा मंत्री की यह यात्रा इसलिए भी महत्व-पूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर में अमेरिका की यात्रा पर रवाना होने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र के भविष्य शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 22 सितंबर को न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइसलैंड पर भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे 26 सितंबर को उच्च स्तरीय संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र को संबोधित करेंगे। इस साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा 5 नवंबर को होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से कुछ समय पहले हो रही है।

रक्षा मंत्री के इस दौरे में महत्वपूर्ण रक्षा सौदों में हो रही देरी पर भी चर्चा होगी। ▶10पर

पश्चिम बंगाल की बिगड़ती हालत पर बोले राज्यपाल

महिलाओं के लिए बंगाल सुरक्षित जगह नहीं

कोलकाता, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की लगातार बिगड़ती जा रही कानून व्यवस्था से चिंतित राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि बंगाल महिलाओं के लिए सुरक्षित जगह नहीं है। बंगाल ने अपनी महिलाओं को बिल्कुल निराश कर दिया है। पश्चिम बंगाल का सम्पूर्ण समाज और यहां की महिलाएं अब निराश और हताश हो चुकी हैं। राज्यपाल ने कहा कि बंगाल को उसके प्राचीन गौरव की स्थिति में वापस लाया जाना चाहिए, जहां महिलाओं को समाज में सम्मानजक स्थान मिलता था। अब महिलाएं गुंडों से डरती हैं। यह स्थिति सरकार की संवेदनहीनता के कारण बनी है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के मामले पर राज्यपाल ने कहा, मैं (पीड़िता की) मां की भावनाओं का सम्मान करता हूं। कानून अपनी प्रक्रिया का पालन करेगा।

राज्यपाल ने रक्षाबंधन के मौके राजभवन में महिला नेताओं और डॉक्टरों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। यह नहीं चल सकता।

- मानव अंगों का धंधा छुपाने के लिए किया गया रेप और मर्डर
- डॉक्टर के शव के पोस्टमॉर्टम से मिला यह सनसनीखेज सुराग
- त्रासद मौत के पहले भीषण यातनाओं से गुजरी महिला डॉक्टर

आज हमें अपनी बेटियों-बहनों की रक्षा करने की शपथ लेनी होगी। समाज ऐसा होना चाहिए, जहां महिलाएं खुश और सुरक्षित महसूस करें। हम अपनी बहनों के प्रति अपने मिशन में विफल रहे हैं। अब भी पुरुषों के पास खुद को सुधारने का समय है।

भारतीय जनता पार्टी के नेता शहजाद पूनावाला ने भी मामले को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, आज सवाल उठता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कब इस्तीफा देंगी। इसके बजाय, हम देख रहे हैं कि जो भी इस मुद्दे पर आवाज उठा रहे हैं, ममता बनर्जी सरकार उन्हें नोटिस भेज रही है और धमका रही है। पुलिस डॉक्टरों को बुला रही है। जब उनके नेता आवाज उठाते हैं तो उन्हें भी तलब किया जा रहा है। जांच की मांग करने के लिए सांसद सुखेंदु शेखर राय को कोलकाता पुलिस ने तलब किया है। सरकार ने सबूतों को नष्ट करने के लिए संस्थागत और प्रणालीगत दृष्टिकोण अपनाया। कलकत्ता हाईकोर्ट पहले ही इस मामले पर बंगाल सरकार के प्रति असंतोष जता चुकी है। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी मामले का संज्ञान लिया है। ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। ▶10पर

भुवनेश्वर पर आतंकियों की नजर

बांग्लादेशी असदुर जमान की साजिश का खुलासा

भुवनेश्वर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कटक-भुवनेश्वर कमिश्नरेट पुलिस ने भुवनेश्वर के एक घर से सात सिम बॉक्स जब्त कर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ट्विन सिटी पुलिस कमिश्नर संजीव पंडा ने खुलासा किया कि इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड बांग्लादेशी नागरिक असदुर जमान है। जमान ही इस मामले के आरोपी राजू मंडल का संचालक था, जिसे इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को कमिश्नरेट पुलिस की विशेष टीम ने भुवनेश्वर के एक घर पर छापेमारी के दौरान भुवनेश्वर के लक्ष्मीसागर थाना क्षेत्र के महादेव नगर स्थित एक घर से सात सिम बॉक्स जब्त किए थे। छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल के लगभग 1000 प्री-एक्टिवेटेड सिम कार्ड, पुराने सिम कार्ड, राउटर और अन्य उपकरण जब्त किए गए थे। पुलिस कमिश्नर संजीव पंडा ने बताया कि, जांच में अवैध सिम कार्ड व्यापार के एक जटिल नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिसके तार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़े हुए हैं। ▶10पर

तमिलनाडु के कृष्णागिरी स्थित एक स्कूल में किया गया जघन्य कांड

फर्जी एनसीसी कैंप लगा कर 13 बच्चियों का यौन उत्पीड़न

मुख्य आरोपित सिवारामन (बाएँ) और वह स्कूल जहाँ घटना हुई

कृष्णागिरी, 19 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के एक स्कूल में 13 नाबालिग छात्राओं के साथ बलात्कार किए जाने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। छात्राओं के यौन उत्पीड़न के साथ-साथ एक छात्रा के साथ बलात्कार की आधिकारिक पुष्टि हो गई है। अन्य पीड़ित छात्राओं की मेडिकल जांच कराई जा रही है। स्कूल में एनसीसी का फर्जी कैंप लगा कर यह कारनामा किया गया। इसमें स्कूल का प्रिंसिपल, एलटीटीई की समर्थक पार्टी एनटीके का एक नेता और 11 अन्य लोग शामिल हैं। इन सबों को गिरफ्तार कर लिया गया है। तमिलनाडु के कृष्णागिरी स्थित किंग्सले गार्डन्स मैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल में यह घटना 9 अगस्त 2024 को हुई।

- स्कूल प्रिंसिपल और एक नेता समेत 11 लोग गिरफ्तार

▶10पर

उधमपुर के रामनगर में आतंकी हमला

सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर शहीद मुठभेड़ जारी

जम्मू, 19 अगस्त (ब्यूरो)। उधमपुर के रामनगर इलाके में पहली बार सुरक्षाबलों के संयुक्त गश्ती दल पर हुए आतंकी हमले में केरिपुब के इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह की मौत हो गई। कई अन्य जख्मी हो गए। शहीद इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह हरियाणा के रहने वाले थे।

जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में केरिपुब के गश्ती दल पर आतंकियों ने हमला किया, जिसमें केरिपुब के अधिकारी शहीद हो गए। उधमपुर के रामनगर के चील इलाके में केरिपुब की नियमित गश्त के दौरान आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और आतंकियों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

डीआईजी मोहम्मद भट ने बताया कि दोपहर करीब तीन बजे सुरक्षाबल गश्त लगाने का काम कर रहे थे और इसी दौरान सुरक्षाबलों का आतंकियों के साथ आमना-सामना हो गया। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 24^0

वायनाड आपदा पीड़ितों की सहायता के लिए सत्ताधारी बेच रहे सुअर का मांस

कासरगोड, 19 अगस्त (एजेंसियां)। वायनाड आपदा के बाद केरल के वामपंथी और कांग्रेसी सुअर का मांस बेचकर धन इकट्ठा कर रहे हैं। आपदा प्रभावित लोगों की सहायता के नाम पर यह धन इकट्ठा किया जा रहा है। केरल में वामपंथी और कांग्रेसी की मिलीजुली सरकार है और सत्ताधारी पार्टी के छात्र संगठन सुअर का मांस बेच कर धन कमा रहे हैं। सुअर बेचने में केरल के वामपंथी छात्र संगठन डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (डीवाईएफआई) का सीधा और सक्रिय हाथ पाया गया है। सुअर का मांस बेचने की सत्ताधारी गतिविधियों से केरल के मुस्लिम गंभीर रूप से नाराज हैं। मुस्लिम

मुस्लिम मौलाना दे रहे हैं मजहब की दुहाई

समुदाय के लोगों ने इसे उनके मजहब पर प्रहार और ईशनिंदा का मसला बताया है।

डीवाईएफआई ने कासरगोड के राजापुरम इलाके में 10 अगस्त को सुअर का मांस (पोर्क) बेचा

था। उसने यह मांस पोर्क चैलेंज के नाम से बेचा था। इसी तरह 18 अगस्त को भी सुअर का मांस कोठमंगलम में बेचा गया। डीवाईएफआई का कहना है कि

ईसाई पूछ रहे क्यों खाते ब्याज की कमाई?

वह इस मांस की बिक्री से जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल वायनाड भूस्खलन आपदा पीड़ितों के लिए करेगा। डीवाईएफआई का कहना है कि केरल भर में इसी तरह सुअर का मांस बेच कर पैसा जुटाएगा और उससे वायनाड में 25 घरों का निर्माण दुबारा करवाएगा। डीवाईएफआई का कहना है कि वह मात्र सुअर का मांस ही नहीं बल्कि और भी समान बेच कर यह धनराशि इकट्ठा करेगा। उसने 7000 लीटर दूध भी बेचा है।

डीवाईएफआई कोठमंगलम उत्तर स्थानीय समिति के सचिव रंजीत ने बताया कि यह चुनौती सफल रही और उन्होंने 375 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से 517 किलोग्राम सुअर का मांस बेचा है। ▶10पर

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

यूक्रेनी सैनिकों ने रूस के 2 महत्वपूर्ण पुलों पर हमला किया, जवाबी हमले में रूसी सेना ने कीव पर दागी मिसाइल, बेलारूस हुआ अलर्ट

कीव/मास्को, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पुल को नष्ट कर दिया है तथा पास में ही स्थित एक और पुल पर हमला किया है। वहीं रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना के लगातार हमला के बाद रूस के भी जवाबी हमले को कमजोर करने के लिए यूक्रेन ने एक अन्य पुल को निशाना बनाया है। इसके कारण रूसी सेनाओं की आपूर्ति पर असर पड़ा है। यह हमला सीमा पार से की गई घुसपैठ के दो सप्ताह से भी कम समय में हुआ है। इस हमले से रूसी आपूर्ति मार्ग बाधित हो गया है।

वहीं रूस के रोस्तोव में यूक्रेनी ड्रोन के मलबे की चपेट में आकर एक गोदाम में आग लग गई। वहां डीजल का भंडारण किया गया था। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने रविवार को कहा कि यूक्रेन ने बेलारूस के साथ अपनी सीमा पर 120,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है और मिन्स्क ने पूरी सीमा पर अपने लगभग एक तिहाई सशस्त्र बलों को तैनात किया है।

हालांकि, मास्को यहां तक पहुंचने के लिए पोंटून और अन्य माध्यमों का उपयोग कर सकता है। यूक्रेनी वायु सेना की ओर से शुक्रवार को एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें क्षतिग्रस्त पुल नजर आ रहा है। दो दिन पहले ही सियाम नदी पर बने एक अन्य पुल को ध्वस्त कर दिया गया था। आधिकारिक रूप से साफ नहीं हो पाया कि दूसरा पुल कहां है, लेकिन एक रूसी टेलीग्राम चैनल की ओर से कहा गया है कि यह सियाम पर जवान्नो के पास स्थित है। रूस की मैश समाचार साइट के अनुसार, हमलों के कारण क्षेत्र में अब केवल एक ही पुल बचा है। इसके कारण रूसी सेना तक पहुंचने वाली मदद और क्षेत्र से आम नागरिकों को निकालने के मॉस्को के प्रयासों की चुनौती बढ़ गई है। इस बीच, रूस ने रविवार को कीव पर मिसाइलों से हमला बोला है। हमले में क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रयोग किया गया है। इस महीने रूस की ओर से कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से तीसरा हमला है। रूस हर छह दिनों के बाद यहां मिसाइलें दाग रहा है। हालांकि, यूक्रेनी वायु सुरक्षा प्रणाली की ओर से इन्हें मार गिराया गया। यूक्रेन की वायुसेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट मायकोला ओलेशचुक ने शुक्रवार को यूक्रेनी हवाई हमले का एक वीडियो जारी किया, जिसमें पुल दो हिस्सों में बंट गया।

न्यूज ब्रीफ

टेक्सास में सड़क हादसे में एक ही परिवार के भारतीय मूल के तीन सदस्यों समेत पांच की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास में कार से हुए सड़क हादसे में भारतीय मूल के दंपति और उनकी बेटी की मौत हो गयी। इस हादसे में दूसरी कार में बैठे दो अन्य लोगों की भी मौत हो गयी। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गयी है। जानकारी के अनुसार, अरविंद मणि (45), उनकी पत्नी प्रदीपा अरविंद (40) और उनकी 17 वर्षीय बेटी एंड्रिल अरविंद की कार दुर्घटना में मौत हो गयी। इसमें कहा गया है कि ये लोग लिएंडर के रहने वाले थे। रिपोर्ट के मुताबिक दुर्घटना टेक्सास के लैम्पासस काउंटी के निकट हुयी। इस परिवार का एकमात्र सदस्य बच गया है, दंपति का 14 साल का बेटा आदियान है। वह दुर्घटना के समय उनके साथ वाहन में नहीं था। टेक्सास लोक सुरक्षा विभाग के अनुसार मणि की कार जिस अन्य वाहन से टकरायी उसे जैसिंटो गुडिनो दुरान (31) चला रहा था और दोनों वाहनों की आमने सामने की टक्कर हो गयी।

शेख हसीना के खिलाफ एक्शन के लिए छटपटा रही है यूनुस सरकार

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट और उनके देश छोड़कर भागने की घटना को दो हफ्ते हो चुके हैं। हिंसा की आग में झुलस रहे बांग्लादेश में अब हालात सामान्य होने लगे हैं लेकिन, अभी भी मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार हसीना के खिलाफ ऐक्शन को छटपटा रही है। बांग्लादेश की एक अदालत में रविवार को अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना और 33 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक आवेदन दायर किया गया। हसीना और अन्य पर 2013 में एक रैली पर अंधाधुंध गोलीबारी करके नरसंहार का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश पीपुल्स पार्टी (बीपीपी) के अध्यक्ष बाबुल सरदार चखारी ने ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जकी-अल-फराबी की अदालत में आवेदन किया है। शेख हसीना और अन्य पर 2013 में एक रैली पर अंधाधुंध गोलीबारी करके नरसंहार का आरोप है। बांग्लादेश की एक अदालत में रविवार को हसीना और 33 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक आवेदन दायर किया गया। बांग्लादेश की अदालत में बाबुल सरदार चखारी ने आवेदन में उन पर 5 मई 2013 को मोतीझील के शपला छत्तर में रैली के दौरान सामूहिक हत्या का आरोप लगाया गया है। अदालत ने बयान दर्ज किया और कहा कि वह इस मुद्दे पर बाद में आदेश सुनाएगी।बता दें कि 76 वर्षीय हसीना 5 अगस्त को प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा देकर भारत भाग गईं थी। बांग्लादेश में उनके खिलाफ 11 मामले चल रहे हैं। जिनमें हत्या के आठ, अपहरण का एक और नरसंहार के लिए दो मामले शामिल हैं।

मंकीपॉक्स आने वाले दिनों में ले सकती है कोविड-19 जैसा रुप, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जताई महामारी की आशंका

जोहान्सबर्ग। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तेजी से फैल रही मंकीपॉक्स बीमारी को चिंताजनक बताया है। संगठन को आशंका है कि आगामी दिनों में मंकीपॉक्स आने वाले दिनों में कोविड-19 जैसी बड़ी महामारी का रूप ले सकता है। उधर वैज्ञानिकों ने बताया है कि एंटीवायरल दवा टेकोविरिमैट का असर मंकीपॉक्स के क्लेड-1 स्ट्रेन पर नहीं हो रहा है। वर्तमान में क्लेड-1 स्ट्रेन ही सबसे तेजी से फैल रहा है। इस एकमात्र स्ट्रेन के कारण अफ्रीका में मंकीपॉक्स के मामले बढ़कर 18,700 से अधिक हो गए हैं। इस खबर ने चिकित्सा जगत में खलबली मचा दी है। टेकोविरिमैट का इस्तेमाल 2022-23 में मंकीपॉक्स की पिछली लहर को रोकने के लिए किया गया था। वैज्ञानिकों ने कहा, नए शोध से पता चला है कि एंटीवायरल दवा टेकोविरिमैट का असर मंकीपॉक्स के क्लेड-1 स्ट्रेन से संक्रमित लोगों के घावों पर नहीं पड़ रहा है। टेकोविरिमैट एक एंटीवायरल दवा है, जिसे टीपीओएक्सएक्स के नाम से भी जाना जाता है। वैज्ञानिक इस दवा का परीक्षण यह देखने के लिए कर रहे थे कि क्या यह यह कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में बच्चों और वयस्कों में मंकीपॉक्स के लक्षणों की अवधि को कम करने में मदद कर सकती है। वायरस का क्लेड-1 स्ट्रेन पिछले साल सितंबर से कांगो में फैल रहा है। टेकोविरिमैट को मूल रूप से चेचक के लिए इलाज के लिए विकसित किया गया था।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन संघर्ष विराम के लिए पश्चिम एशिया रवाना

इज़राइल ने गाजा पर फिर बरसाए बम 28 लोगों की मौत, दर्जनों घायल

दीर अल-बलाह (गाजापट्टी), 19 अगस्त।

हमास और इजराइल के बीच जारी युद्ध की ताजा कड़ी में इजराइली हमलों में 28 लोगों की मौत हो गई, दर्जनों घायल हो गए हैं। इजराइल ने यह हमला गाजा में रविवार रात को किया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन संघर्ष विराम समझौता कराने के लिए रविवार को पश्चिम एशिया के लिए रवाना हुए।

अमेरिका और उसके सहयोगी मध्यस्थ देश मिस्र और कतर समझौता कराने की दिशा में दोहा में दो दिन की वार्ता के बाद करीब पहुंचते दिख रहे हैं। अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों ने समझौते को लेकर आशा व्यक्त की है लेकिन हमास ने लड़ाई जारी रखने के संकेत दिए हैं।

संघर्षविराम प्रस्ताव में तीन चरण वाली प्रक्रिया की बात कही गई है, जिसके तहत हमास सात अक्टूबर को हुए हमले के दौरान बंधक बनाए गए सभी लोगों को रिहा करेगा। बदले में, इजराइल गाजा से अपनी सेना वापस बुलाएगा और फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा।

स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मध्यस्थों को इस युद्ध के समाप्त होने की उम्मीद है, जिसमें 40,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। गाजा के 23 लाख से अधिक निवासियों में से अधिकतर विस्थापित हो चुके हैं और मानवीय तबाही हुई है। विशेषज्ञों ने अकाल और वैक्सीन की कमी से पोलियो जैसी बीमारियों के फैलने के प्रति आगाह किया है।

सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के चरमपंथियों के हमलों में लगभग 1,200 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे जबकि लगभग 250 लोगों को अगवा कर लिया गया था। माना जाता है कि उनमें से लगभग 110 लोग अब भी गाजा में हैं, जबकि इजराइली अधिकारियों का कहना है कि उनमें से लगभग एक तिहाई की मौत हो चुकी है। नवंबर में एक हफ्ते के संघर्षविराम के दौरान 100 से ज्यादा बंधकों को रिहा किया गया था।

अल अक्सा अस्पताल के अनुसार, इजराइल ने नए सिरे से बमबारी करते हुए रविवार तड़के दीर अल-बलाह में एक मकान पर हमला किया जिसमें एक महिला और उसके छह बच्चों की मौत हो गई।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी शहर जबालिया में दो अपार्टमेंटों पर हमला हुआ, जिसमें दो पुरुषों, एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई। अल-अवदा अस्पताल के अनुसार, मध्य गाजा में दो अन्य हमलों में नौ लोग मारे गए। नासेर अस्पताल के अनुसार, शनिवार देर रात दक्षिणी शहर खान यूनिस के पास हुए हमले में एक ही परिवार के चार लोग मारे गए, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल थीं।

युद्ध रोकने के लिए महीनों से जारी प्रयासों को पिछले महीने दो शीर्ष चरमपंथियों की निशाना बनाकर हत्या किए जाने के बाद अधिक बल मिला है। दोनों चरमपंथियों की हत्या का आरोप इजराइल पर लगा है। दूसरी ओर, ईरान तथा हिज्बुल्ला ने दोनों चरमपंथियों की मौत का बदला लेने का संकल्प लिया है, जिससे पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है। इस बीच, इजराइल का एक प्रतिनिधिमंडल वार्ताओं के लिए रविवार को मिस्र की राजधानी काहिरा जाएगा, जबकि सोमवार को ब्लिंकन के इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करने की संभावना है। हमास ने निकट भविष्य में समझौता होने को लेकर संदेह जताया है। इसने कहा है कि नवीनतम प्रस्ताव पिछले प्रस्ताव से काफी अलग है, जिसे उसने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया था।

बांग्लादेश हिंसा पर यूएन की रिपोर्ट

27 दिनों में हुईं 650 मौतें हिंदुओं पर जानलेवा हमला

जिनेवा, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (यूएनएचसीआर) ने एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा है कि 16 जुलाई से 11 अगस्त के बीच बांग्लादेश में अशांति के दौरान हिंसक घटनाओं में लगभग 650 लोग मारे गए। इस रिपोर्ट में न्यायेतर हत्याओं, मनमानी गिरफ्तारियों और लोगों को हिरासत में लिये जाने की गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का सुझाव दिया गया है। 'बांग्लादेश में हालिया विरोध प्रदर्शन और अशांति का प्रारंभिक विश्लेषण' शीर्षक वाली 10-पृष्ठ की रिपोर्ट के अनुसार, 16 जुलाई से चार अगस्त के बीच करीब 400 मौतें हुईं, वहीं पांच और छह अगस्त के बीच विरोध प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद लगभग 250 लोगों की मौत हो गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वालों में प्रदर्शनकारी, राहगीर, पत्रकार और सुरक्षा बल के कई जवान शामिल थे। इसमें कहा गया है कि हजारों प्रदर्शनकारी और राहगीर घायल हुए तथा अस्पताल अत्यधिक मरीजों से भरे हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौतों की संख्या संभवत: कम आंकी गई है, क्योंकि कर्फ्यू और इंटरनेट बंद होने के कारण आवाजाही पर प्रतिबंधों के कारण सूचना संग्रह में बाधा आ रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अधिकारियों ने अस्पतालों को मारे गए और घायल हुए लोगों का विवरण देने से रोका। रिपोर्ट में कहा गया है, ऐसे मजबूत संकेत हैं कि सुरक्षा बलों ने हालात से निपटने के लिए अनावश्यक और अत्यधिक बल का प्रयोग किया। इसलिए इन सबकी स्वतंत्र जांच की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, कथित उल्लंघनों की गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की आवश्यकता है, जिनमें न्यायेतर हत्याएं, मनमाने ढंग से गिरफ्तारियां और हिरासत, जबरन गायब कर दिया जाना, यातना और दुर्व्यवहार तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर प्रतिबंध शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क के कार्यालय ने प्रारंभिक रिपोर्ट जारी करते हुए बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हिंसा सहित मानवाधिकार उल्लंघनों और हिंसा के लिए जिम्मेदार सभी लोगों की जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया। सभी मानवाधिकार उल्लंघनों की व्यापक, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का आह्वान करते हुए तुर्क ने यह भी कहा कि दक्षिण एशियाई देश में परिवर्तन एक ऐतिहासिक अवसर है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि शासन मानवाधिकारों, समावेशिता और कानून के शासन पर आधारित हो।

खैबर पख्तूनख्वा में थाने पर आतंकी हमला, टीआई समेत दो की मौत

करांची, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में एक पुलिस थाने पर आतंकी हमले में टीआई समेत दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए। पुलिस ने बताया कि हथियारों से लैस आतंकवादियों ने खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के आतंकवाद प्रभावित लक्की मरवत जिले में बरगई पुलिस थाने पर रविवार देर रात हमला किया।

पुलिस के मुताबिक हमले में एक पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल टीआई ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उसने बताया कि मुठभेड़ के दौरान टीआई को कई गोलियां लगी थीं। हमले से पहले आतंकवादी पुलिस थाने के पास ही एक घर में छिपे हुए थे। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में रविवार को एक अन्य हमले में आतंकवादियों ने 'फ्रंटियर कॉन्स्टेब्युलरी' के वाहनों को निशाना बनाया, जिससे उसमें सवार दो जवान शहीद हो गए और तीन घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ट्रंप के खिलाफ कमला हैरिस का बड़ा दांव- अमेरिका के मिडिल क्लास को रिझाने के लिए बनाया बड़ा प्लान

वाशिंगटन, 19 अगस्त। (एजेंसियां)।

अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति पद के चुनाव में उतरी कमला हैरिस अपने प्रतिद्वंदी डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी चुनौती दे रही हैं। वे ट्रंप के हर एक दांव को फेल करने की कोशिश करते हुए आमजनता को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहीं हैं। अबकी बार कमला ने मिडिल क्लास की सहानुभूति बटोरने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका के मिडिल क्लास खासकर सैलरी वालों को राहत देने के लिए कई कदम उठाने का ऐलान किया है। उन्होंने अपने विरोधी और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर भी निशाना साधा और कहा कि उनका एजेंडा आज भी पुराने ढर्रे पर चल रहा है। बता दें कि अमेरिका की करीब 50 फीसदी जनसंख्या मिडिल क्लास में आती है। जाहिर है कि कमला हैरिस ने अपने मुद्दे में मिडिल क्लास को शामिल कर बड़े वोटर वर्ग को रिझाने की कोशिश की है।

कमला हैरिस ने अपनी इकनॉमिक पॉलिसी पेश करते हुए कहा कि लाखों लोग पहली बार अपना घर खरीदने का सपना देख रहे हैं। ऐसे लोगों की मदद की जाएगी और टैक्स को भी कम करने पर जोर रहेगा। इसके साथ ही ग्रॉसरी व अन्य जरूरी चीजों के दाम घटाने पर भी हमारी सरकार का फोकस रहेगा। हेल्थकेयर और चाइल्ड टैक्स क्रेडिट जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि मिडिल क्लास को इसका पूरा फायदा मिल सके।अमेरिका में पिछले दिनों जारी महंगाई के आंकड़ों ने करीब साढ़े तीन साल बाद राहत दी है, जब उपभोक्ता से जुड़ी महंगाई दर 3 फीसदी से नीचे चली गई। टहालांकि, ग्रॉसरी सहित अन्य खाद्य उत्पादों की महंगाई दर आज भी बढ़ी हुई है और इनकी कीमतें कोरोना महमारी से पूर्व की स्थिति से भी ऊपर हैं। यही कमला हैरिस की सबसे बड़ी चिंता है, क्योंकि इसका सीधा और सबसे ज्यादा असर मिडिल क्लास पर पड़ रहा है।

कमला हैरिस ने अपने इकनॉमिक विजन में मिडिल क्लास के लिए अपने घर का सपना पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि इस देश में अपना घर बनाना काफी मुश्किल काम है। हम हाउसिंग और दवाओं की कीमतों पर नजर रखेंगे और उसे आम आदमी के काबिल बनाएंगे। ग्रॉसरी की कीमतों पर नजर रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं और उल्लंघन करने वालों पर पेनाल्टी लगाने का भी आदेश दिया गया है।

आपको बताते चलें कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस को कड़ी टक्कर दे रहे ट्रंप कई स्रोतों से मोटी कमाई करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लेटेस्ट फाइनेंशियल डिस्क्लोजर से पता चला है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हर साल केवल बाइबल बेचकर ही करोड़ों रुपए कमाते हैं। ट्रंप की गिनती अमीर नेताओं में होती है। फोर्ब्स के मुताबिक ट्रंप की नेटवर्थ 4.5 बिलियन डॉलर है। वह सिंगर ली ग्रीनवुड के साथ मिलकर बाइबिल के एक विशेष संस्करण जिसे ग्रीनवुड बाइबिल कहा जाता है, बेचते हैं।

फिलीपींस ने चीन की दादागिरी का मुंहतोड़ जवाब दिया

सबीना शोल के पास जहाज को टक्कर मारकर किया डैमेज

ताइपेई, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

चीन अपनी सभी सीमाओं से लगे देशों को आए दिन परेशान करता है। उसकी विस्तारवादी नीति के चलते उसने तमाम देशों से पंगा ले रखा है। यही वजह है कि साउथ चाइना में चीन की दादागिरी की कोशिशों के खिलाफ अब कई देशों ने कमर कस ली है। अब उसको मुंहतोड़ जवाब मिलना शुरू भी हो गया है। चीन के कोस्टगार्ड ने आरोप लगाया कि फिलीपींस के एक जहाज ने सोमवार तड़के सबीना शोल के पास जानबूझकर एक चीनी जहाज टक्कर मार दी है। यह इलाका दक्षिण चीन सागर में कई देशों के बीच बढ़ते क्षेत्रीय विवादों में एक नया मुद्दा बन गया है।

चीन के कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता गान यू ने कहा कि 'फिलीपीन पक्ष टक्कर के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। हम फिलीपीन पक्ष को चेतावनी देते हैं कि वह तुरंत अपनी उल्लंघन और उकसावे को रोके, अन्यथा उसे इससे पैदा होने वाले सभी नतीजे भुगतने होंगे।' गान यू ने कहा कि चीन ने स्प्रैटली द्वीप समूह पर निर्विवाद संप्रभुता का दावा किया है, जिसे चीनी भाषा में नांशा द्वीप समूह के रूप में जाना जाता है। जिसमें सबीना शोल और उसके आस-पास के समुद्र के इलाके शामिल हैं। सबीना शोल का चीनी नाम जियानबिन रीफ है।

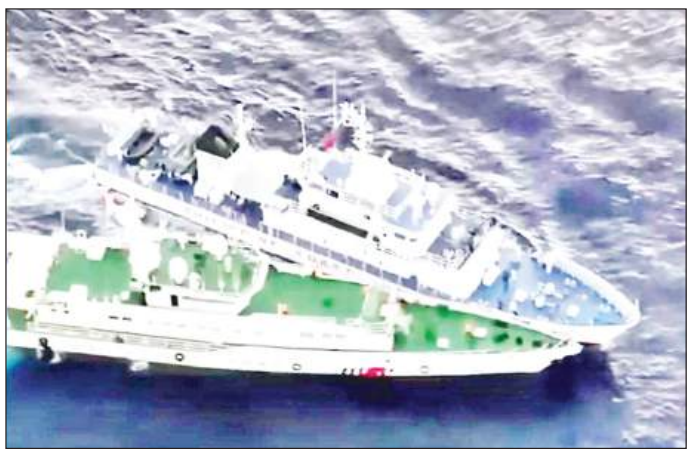

गौरतलब है कि सबीना शोल फिलीपींस के पश्चिमी द्वीप प्रांत पलावन से लगभग 140 किलोमीटर (87 मील) पश्चिम में स्थित है। यह चीन और फिलीपींस के बीच इलाकों को लेकर विवादों में एक नया मुद्दा बन गया है। अप्रैल में फिलीपींस के कोस्टगार्ड ने अपने एक प्रमुख गश्ती जहाज, बीआरपी टेरेसा मैगबानुआ को सबीना में तैनात किया था। उस वक्त फिलिपींस के वैज्ञानिकों ने इसके उथले पानी में कुचले हुए कोरल के डूबे हुए ढेर की खोज की थी। जिससे संदेह पैदा हुआ कि चीन यहां पर कुछ बनाने की तैयारी कर रहा है। चीनी कोस्टगार्ड ने भी बाद में सबीना में एक जहाज तैनात किया।

दोनों देशों ने एक महीने का समझौता किया था

सबीना फिलीपींस के कब्जे वाले दूसरे थॉमस शोल के पास स्थित है। जो पिछले साल से चीनी और फिलीपींस के तट रक्षक जहाजों और उनके साथ आने वाले जहाजों के बीच बढ़ते हुए खतरनाक टकराव का गवाह रहा है। चीन और फिलीपींस ने पिछले महीने एक समझौता किया था, ताकि आगे के टकराव को रोका जा सके। फिलीपींस की नौसेना ने समझौते पर पहुंचने के एक हफ्ते बाद वहां खाना और सैनिकों को पहुंचाया।

मुडा मामले में सिद्धारमैया को राहत, हाईकोर्ट का निर्देश

29 अगस्त तक कार्रवाई न करे विशेष अदालत

बेंगलुरु, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने एमपी/एमएलए कोर्ट को निर्देश दिया कि वह कथित मैसूरू शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) स्थल आवंटन घोटाले में सिद्धारमैया के खिलाफ 29 अगस्त तक कोई कार्यवाही न करे। इसी दिन सीएम के खिलाफ शिकायतों के मामले की सुनवाई होनी है।

सीएम सिद्धारमैया की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा कि मैंने प्रथमदृष्टया प्रस्तुतीकरण पर विचार किया। यह तर्क दिया गया कि निचली अदालत के समक्ष कार्यवाही इस बात पर आदेश के लिए लंबित है कि मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी दी जानी चाहिए या नहीं। मुख्यमंत्री के खिलाफ आगे की कार्रवाई की अनुमति देने वाला कोई भी आदेश इस अदालत के समक्ष कार्यवाही को विफल कर देगा। चूंकि कार्यवाही इस अदालत के समक्ष लंबित है और दलीलें अभी पूरी नहीं हुई हैं। इसलिए मामले की अगली सुनवाई तक संबंधित अदालत अपनी कार्यवाही स्थगित रखेगी। इन शिकायतों के संबंध में कोई प्रारंभिक कार्रवाई नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और केंद्र के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता राज्यपाल थावरचंद गहलोत की ओर से पेश हुए।

सिंघवी ने कहा कि राज्यपाल ऐसे मामलों में कैबिनेट के फैसले से बंधे होते हैं लेकिन इसके बजाय उन्होंने मामले की योग्यता पर विचार किए बिना दो पेज के छोटे आदेश में मंजूरी जारी कर दी। यह तर्क दिया गया कि राज्यपाल ने बिना किसी विशेष कारण के कई लंबित शिकायतों में से वर्तमान शिकायत को चुना। यदि इस तरह की मंजूरी दी जाती है तो आपको सरकार के मालिकों को अस्थिर करने के लिए संविधान के किसी प्रावधान की आवश्यकता नहीं है। साथ ही कहा कि सिद्धारमैया की कथित घोटाले में कोई भूमिका नहीं है क्योंकि यह पिछली सरकार में हुआ था। उन्होंने तर्क दिया कि मंजूरी बिना सोचे समझे दी गई और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

सिद्धारमैया ने रिट याचिका दायर कर मुडा में अनियमितताओं के संबंध में उनके खिलाफ जांच की मंजूरी देने वाले राज्यपाल के आदेश को रद्द करने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि मंजूरी आदेश बिना सोचे-समझे जारी किया गया और यह वैधानिक आदेशों का उल्लंघन है। साथ ही कहा कि यह सांविधानिक सिद्धांतों के विपरीत है, जिसमें मंत्रिपरिषद की सलाह भी शामिल है और संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत बाध्यकारी है। उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत पूर्व अनुमोदन और मंजूरी देने वाले 16 अगस्त के आदेश को चुनौती दी थी। उन्होंने याचिका में कहा था कि राज्यपाल का आदेश कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। यह प्रक्रियात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण है और बाहरी कारकों से प्रेरित है। गहलोत ने मुडा भूमि आवंटन घोटाले के संबंध में सिद्धारमैया के खिलाफ जांच करने को मंजूरी दे दी थी। आरोप है कि सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को मैसूरू में प्रतिपूरक भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी उस भूमि की तुलना में अधिक था, जिसे मुडा ने अधिगृहीत किया था। राज्यपाल ने प्रदीप कुमार एसपी, टीजे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा के आवेदन पर आदेश दिया था। इसके बाद अब्राहम और कृष्णा ने एमपी/एमएलए कोर्ट का रुख किया और मामले की सुनवाई मंगलवार और बुधवार को होनी है।

रिट याचिका दायर करने के कुछ घंटों बाद सिद्धारमैया ने कहा कि मेरी अंतरात्मा साफ है। मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है। मुझे कोर्ट से राहत मिलने का पूरा विश्वास है, क्योंकि मैंने कोई गलत काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि वह पहली बार 40 साल पहले 17 अगस्त, 1984 को मंत्री बने थे और उनके राजनीतिक जीवन में एक भी दाग नहीं है। मेरा राजनीतिक जीवन एक खुली किताब है। मैंने कोई गलत काम नहीं किया है, कोई गलत काम नहीं करूंगा। राजभवन का इस्तेमाल कर भाजपा और जद(एस) ने मेरी छवि खराब करने की साजिश रची है। आदेश को राजनीति से प्रेरित बताते हुए उन्होंने कहा कि वह इसका राजनीतिक और कानूनी तरीके से मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि हम कानूनी लड़ाई भी लड़ेंगे, हम राजनीतिक लड़ाई भी लड़ेंगे। राजनीतिक लड़ाई के दौरान मुझे और अधिक जोश आता है। मैं लगातार ऐसा करता रहा हूं। मैंने पहले भी ऐसा किया है, अभी भी कर रहा हूं और भविष्य में भी करूंगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस भ्रम में है कि अगर वह राजनीतिक रूप से खत्म हो गए तो पूरी कांग्रेस भी खत्म हो जाएगी। उनकी यह योजना साकार नहीं होगी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जांच के आदेश को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने बंगलूरू, उडुपी, मंगलूरू, हुबली-धारवाड़, विजयपुरा, कलबुर्गी, रायचूर, तुमकुरु और मैसूरू सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन किए और राज्यपाल के खिलाफ नारेबाजी की। उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहाकि राज्यपाल बिना मतलब का मामला बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की हत्या है और हम इसका विरोध करेंगे।

वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक के नेतृत्व में पार्टी ने विधान सौध परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास धरना दिया और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। भाजपा नेताओं ने कहा कि सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है और पारदर्शी तथा निष्पक्ष जांच के लिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा भी शामिल हुए।

मोदी ने पेरिस पैरालंपिक खिलाड़ियो से बातचीत कर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेरिस पैरालंपिक 2024 में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों से बातचीत कर उन्हें आगमी स्पर्धा के लिए शुभकामनाएं दीं।

आज हुए एक वुर्चअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए उन्हें विजयी भव का आर्शीवाद दिया तथा केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पेरिस पैरालंपिक खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे भी उपस्थित थी। इस दौरान श्री मोदी ने तीरंदाज शीतल देवी, निशानेबाज अवनी लेखरा और अन्य खिलाड़ियों के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री ने शीतल से पूछा, शीतल, आप भारतीय दल की सबसे कम उम्र की एथलीट हैं। यह आपका पहला पैरालिंपिक्स है, मन में बहुत कुछ चलता होगा। आप बता सकती हैं, क्या चल रहा है, कुछ स्ट्रेस तो नहीं लग रहा।

शीतल ने कहा, नहीं सर, स्ट्रेस नहीं है। बहुत ही खुशी है कि इतनी छोटी उम्र और इतने कम समय में मैं पैरालिंपिक गेम्स खेलूंगी। सभी का बहुत सपोर्ट मिला, जिससे मैं आज यहां तक पहुंच सकी।

प्रधानमंत्री ने पूछा उनका लक्ष्य क्या है तो शीतल देवी ने कहा पेरिस में तिरंगा लहराना ही एकमात्र लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हार जीत के दबाव के बिना आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। श्री मोदी ने निशानेबाज अवनी लेखरा से पूछा, अवनी, पिछले पैरालिंपिक्स में आपने एक स्वर्ण समेत दो पदक जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया था। इस बार क्या लक्ष्य सेट किया है। अवनी ने कहा, सर पिछली बार मेरा पहला ही पैरालिंपिक था, मैंने चार स्पधाओं में हिस्सा लिया था, अनुभव ले रही थी। इतने समय में खेल और तकनीकी को लेकर बहुत कुछ सीखा है। कोशिश यही रहेगी कि इस बार जिस भी स्पर्धा में हिस्सा लूं उनमें अपना सर्वश्रेष्ठ दूं। पिछले पैरालिंपिक्स के बाद पूरे इंडिया का जो साथ मिला है, आपका इतना साथ मिला, उससे मोटिवेशन मिलती है कि वहां जाकर अपना सर्वश्रेष्ठ देना है।

प्रधानमंत्री ने पूछा, अवनी, टोक्यो के बाद जब आप स्वर्ण जीतकर लौटीं तो खुद को कैसे तैयार किया। अवनी ने कहा, सर, मैंने पिछली बार पार्टिसिपेट किया था, तब मन में सवाल था कि मैं कर पाऊंगी या नहीं। लेकिन 2 मेडल जब जीते तो बैरियर टूट गया। मुझे लगा, अगर मैं एक बार कर सकती हूं तो मेहनत के साथ मैं और भी मेडल जीत सकती हूं। जब मैं व्हीलचेयर पर देश का प्रतिनिधित्व करती हूं, तब इतना अच्छ लगता है कि वही बार-बार करने का मन करता है। श्री मोदी ने कहा, अवनी, आपको खुद से और देश को आपसे बहुत उम्मीदें हैं, लेकिन मेरा बस इतना कहना है कि इन उम्मीदों को बोझ मत बनने दीजिएगा। उम्मीद को अपनी शक्ति बनाइएगा। आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आप सभी पेरिस में भारत का झंडा लेकर चलेंगे। यह आपके जीवन का बहुत अहम सफर होगा, देश के लिए भी यह सफर बहुत महत्त्व-पूर्ण है। पेरिस में आपके खेल से देश का गौरव जुड़ा है। 140 करोड़ देशवासियों का आशीर्वाद आपके साथ हैं, विजयी भव। उन्होंने कहा कि देश का गौरव आप सभी से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि आपके लिये पेरिस पैरालंपिक की यात्रा आप सब के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आप पूरे आत्मविश्वास के मैदान में उतरेंगे तो आपको को भी जीत से रोक नहीं पायेगा।

उल्लेखनीय है कि 28 अगस्त से शुरु हो रहे पेरिस पैरालिंपिक्स में भारत ने इस बार अपना सबसे बड़ा दल भेजा है। इस बार भारतीय दल में 84 एथलीट्स हिस्सा लेंगे। टोक्यो पैरालिंपिक में यह संख्या 54 था। टोक्यों पैरालंपिक में भारत को पांच स्वर्ण सहित 19 पदक मिले थे।

देशभर में रही रक्षाबंधन की धूम, रेवंत, चंद्रबाबू धामी समेत कई मुख्यमंत्रियों ने बंधवाई राखी

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर में रक्षाबंधन का त्यौहार सोमवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, गुजरात मुख्यमंत्रियों ने अपनी बहनों से राखी बंधवाई। भाजपा सांसद विनोद चावड़ा ने कच्छ में बीएसएफ महिला जवानों से राखी बंधवाई। गुजरात की राजकोट जेल में भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भाई-बहन के असीम स्नेह व प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर खटीमा स्थित आवास पर बहनों ने रक्षा सूत्र बांधकर अपना आशीष प्रदान किया। इस रिश्ते की गहराई और मिठास को शब्दों में नहीं बांध सकते। रक्षाबंधन के अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपनी बहनों से राखी बंधवाई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, बहन सीताक्का के साथ मेरा रिश्ता... राखी के पूर्णिमा के चांद जैसा शीतल है। इस पावन अवसर पर मैं पूरे दिल से कामना करता हूं कि राज्य की हर बेटी को तमाम खुशियां मिलें। आंध्र प्रदेश में भी रक्षाबंधन के अवसर पर टीडीपी पार्टी की महिला नेताओं ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के उंडावल्ली स्थित आवास पर उनसे मुलाकात की। महिला नेताओं और ब्रह्मकुमारियों ने चंद्रबाबू नायडू को राखी बांधी।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी रक्षाबंधन पर सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं से राखी भी बंधवाई। रक्षाबंधन के अवसर पर गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित सभी बहनों से राखी बंधवाई। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा, भाई-बहन के निस्वार्थ प्रेम के पवित्र पर्व रक्षाबंधन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे त्योहार हमारी संस्कृति का प्रतिबिंब हैं। एक राखी में सारी भावनाएं समाहित हैं। राखी का बंधन आपसी वादों का बंधन है। राखी का बंधन कभी न मिटने वाले स्नेह का बंधन है। मैं सभी बहनों के सुखी और मंगलमय जीवन के लिए प्रार्थना कर रहा हूं।

भाजपा सांसद विनोद चावड़ा ने कच्छ में बीएसएफ जवानों द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में रक्षाबंधन मनाया। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद सभी बीएसएफ महिला जवानों से राखी बंधवाई। उन्होंने वहां की स्थानीय छात्राओं और बहनों से भी राखी बंधवाई। उन्होंने मातृभूमि से दूर रह रहे जवानों की सेवा और सुरक्षा की प्रशंसा करते हुए रक्षा सूत्र बंधवाकर त्योहार मनाया। रक्षाबंधन के मौके पर गुजरात की राजकोट जेल में भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कैदी भाइयों को अपनी बहनों से राखी बंधवाने के लिए मिलने की व्यवस्था की गई। सभी बहनों ने भगवान से प्रार्थना की कि उनके भाई जल्द घर लौट आएं।

सावन के अंतिम सोमवार को भगवान महाकाल की सवारी में उमड़ा जन-सैलाब

उज्जैन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के उज्जैन में आज सावन माह के अंतिम सोमवार भगवान महाकाल की सवारी धूमधाम से निकाली गई।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस सवारी में शामिल हुए। उन्होंने श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में सपरिवार भगवान की विधिवत पूजा-अर्चना की। पुजारी घनश्याम शर्मा और आशीष पुजारी द्वारा पूजन कराया गया। मुख्यमंत्री संपूर्ण सवारी मार्ग पर भगवान महाकाल की आराधना और भजन-कीर्तन करते हुए नंगे पाँव चले।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार और उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक सतीश मालवीय, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव सहित जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी भी भगवान महाकाल की पूजा-अर्चना कर सवारी में शामिल हुए।

डॉ. यादव की पहल पर पहली बार महाकाल की सवारी में सीआरपीएफ बैंड द्वारा प्रस्तुति दी गई। भगवान महाकाल की सवारी में सीआरपीएफ एवं पुलिस बैंड द्वारा प्रस्तुत धार्मिक धुनों ने सवारी की भव्यता को और बढ़ा दिया। शिप्रा तट के पावन रामघाट पर भी बाबा महाकाल की सवारी के पूजन के दौरान सीआरपीएफ एवं पुलिस बैंड द्वारा संयुक्त प्रस्तुति दी गई। बैंड द्वारा प्रस्तुत शिव भजनों और आरती की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

भगवान महाकाल की सवारी में डिंडोरी जिले के जनजातीय दलों ने कला संस्कृति की अनुपम छठा बिखेरी। दल ने मादल, टिमकी, बांसुरी, मंजीरा, चटकोला आदि पारंपरिक वाद्य यंत्रों पर आकर्षक प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप बाबा महाकाल की सवारी में प्रदेश के विभिन्न जनजातीय जिलों के कलाकार अपनी प्रस्तुति देकर सवारी को शोभायमान कर दिया।

भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी महाकाल मन्दिर से प्रस्थान कर जैसे ही रामघाट पर पहुंची, वैसे ही चहुँओर आस्था और श्रद्धा का जन-सैलाब उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री ने शिप्रा के तट पर बाबा महाकाल का जल अभिषेक किया।

भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन और जलाभिषेक पं. आशीष पुजारी द्वारा विधिवत संपन्न कराया गया। मुख्यमंत्री ने गोपाल मंदिर पर भी सवारी का पूजन किया। भगवान श्री महाकाल की पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मन्दिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में विराजमान श्री चंद्रमौलेश्वर को सलामी दी गई। सवारी मार्ग में जगह-जगह खड़े श्रद्धालुओं ने भोलेशंभु-भोलेनाथ और दाता अवंतिकानाथ की जय के घोष के साथ भगवान श्री महाकालेश्वर पर पुष्प-वर्षा की। सवारी में विभिन्न भजन मंडलियों द्वारा आकर्षक नृत्य और भजनों की प्रस्तुति दी गई। सवारी में हजारों की संख्या में भक्त झांझ, मंजीरे, ढोल और भगवान का प्रिय वाद्य डमरू बजाते हुए पालकी के साथ उत्साहपूर्वक आराधना करते हुए चले। श्रद्धालुओं ने सुगमतापूर्वक भगवान के दर्शन लाभ लिए। श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी परंपरागत मार्ग महाकाल चौराहा, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाडी से होती हुई रामघाट पहुंची, जहाँ शिप्रा नदी के जल से भगवान का अभिषेक और पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद सवारी रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार से होती हुई पुन: श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची।

इस वर्ष सावन के माह में अब तक निकली भगवान महाकालेश्वर की सवारी का आकर्षण कुछ अलग ही रहा है। हर सवारी अपने आप में अनूठी रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सवारी की वैभवता को बढ़ाने में अनूठे प्रयोग किये, जिससे न केवल प्रदेश के अपितु देश-विदेश से आये श्रद्धालुओं की संख्या में बढोत्तरी हुई है। सावन माह के अंतिम सवारी की प्रमुख बात यह है, इसमें पहली बार सीआरपीएफ का बैण्ड शामिल हुआ। मुख्यमंत्री के आग्रह पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी सोमवार को भगवान महाकालेश्वर के दर्शन करने आए।

डॉ. यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद भगवान महाकालेश्वर की सवारी का वैभव और बढ़ा है। पहले भव्य पुलिस बैंड की आकर्षक प्रस्तुति और उसके बाद एक साथ डमरू वादन का विश्व रिकॉर्ड बनना अपने आप में अनूठी पहल है। सवारी की भव्यता को बढ़ाने के लिये पहली बार जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आये जनजातीय समूहों के नृत्य भी इस बार सावन की सवारियों का हिस्सा बने हैं, जिससे न केवल सवारी की भव्यता बल्कि उसका आकर्षण भी बढ़ा है। इनकी प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। सवारी में भगवान महाकाल के सुगम दर्शन के लिये पहली बार चलित रथ भी निकले, जिन पर लगी बड़ी स्क्रीन से श्रद्धालुओं ने दर्शन किये।

सीबीआई ने एनसीएल कर्मचारियों को गिरफ्तार कर बरामद किए चार करोड़

भोपाल/सिंगरौली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के सीएमडी के निजी सचिव के आवास से लगभग चार करोड़ रुपए की नकद राशि बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्यूरो ने शनिवार को की कार्रवाई के दौरान सूबेदार ओझा, प्रबंधक (सचिवालय) एवं नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के सीएमडी के निजी सचिव के आवास से 3.85 करोड़ रु. की नकद राशि बरामद होने के पश्चात उन्हें गिरफ्तार किया। ये धन राशि कथित तौर पर एनसीएल, सिंगरौली (मध्यप्रदेश) में संचालन करने वाले कई ठेकेदारों एवं कर्मियों के साथ पक्षपात करने के लिए एकत्र की गई थी।

सीबीआई ने सिंगरौली स्थित मैसर्स संगम इंजीनियरिंग के मालिक एवं मध्यस्थ व्यक्ति रविशंकर सिंह को भी गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर विभिन्न ठेकेदारों/व्यापारियों व एनसीएलकर्मियों के बीच मध्यस्थ के रूप में काम कर रहा था। आरोप है कि ये व्यक्ति इन कर्मियों को रिश्वत पहुंचाने में सहायता कर रहा था। साथ ही

सीबीआई ने रविशंकर सिंह के एक सहयोगी दिवेश सिंह को भी रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोप है कि ये व्यक्ति जबलपुर सीबीआई के पुलिस उपाधीक्षक एसीबी जॉय जोसेफ दामले को पांच लाख रुपए की रिश्वत दे रहा था। जॉय जोसेफ दामले ये रिश्वत सीबीआई में आरोपियों के विरुद्ध लंबित शिकायतों/जांच के मामलों में अनुकूल रिपोर्ट देने के एवज में ले रहे थे। इसके बाद जॉय जोसेफ दामले को भी गिरफ्तार किया गया।

आरोप है कि रविशंकर सिंह के निर्देश पर, उसके कर्मचारी अजय वर्मा ने प्रबंधक (प्रशासन), एनसीएल, लेफ्टिनेंट कर्नल बसंत कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) से 16 अगस्त को पांच लाख रुपए का अनुचित लाभ प्राप्त किया था।

कथित तौर पर रिश्वत की राशि सूबेदार ओझा द्वारा भेजी गई थी एवं 17 अगस्त को रविशंकर सिंह ने दिवेश सिंह को यह राशि एसीबी जबलपुर, सीबीआई के पुलिस उपाधीक्षक जेजे दामले तक पहुंचाने का निर्देश दिया था।

इस संबंध में इन सभी पांचों आरोपियों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है, जिसके बाद सिंगरौली, जबलपुर एवं नोएडा में कई स्थानों पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान, भारी मात्रा में नकद धनराशि, डिजिटल डिवाइस व कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। मामले में जाँच जारी है।

उदयपुर में चाकू हमले में घायल छात्र ने तोड़ा दम

उदयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)।
राजस्थान में उदयपुर शहर में शुक्रवार को स्कूली बच्चों में हुए विवाद में चाकू से हमला करने से गंभीर रुप से घायल छात्र ने सोमवार को दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस घटना में गंभीर रुप से घायल एवं अस्पताल में भर्ती देवराज की दोपहर बाद में हालत बिगड़ने लगी और उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद छात्र का शव अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया हैं। अस्पताल में मौजूद छात्र के परिजनों से प्रशासन की बातचीत चल रही हैं वहीं अस्पताल में जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित आला अधिकारी मौजूद हैं और शहर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस ने पुख्ता

इंतजाम किया हैं और इसके लिए भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया हैं।हालांकि देवराज की मौत की खबर सुनकर बड़ी संख्या में लोग अस्पताल आये लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया और हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शहर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। रक्षा बंधन के पर्व के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की गई हैं और शांति बनी हुई हैं तथा कहीं से कोई गड़बड़ की सूचना नहीं हैं।उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को स्कूल में दो छात्रों के बीच विवाद में चाकू से हमला करने से गंभीर रुप से घायल देवराज को अस्पताल में भर्ती कराया गया और देवराज को बचाने के लिए भरसक प्रयास किए गए और इसके तहत राज्य सरकार ने जयपुर से तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों का दल विशेष विमान से उदयपुर भेजा गया। अस्पताल में हनुमान चालीसा का पाठ करके भी उसे बचाने के लिए प्रार्थना की गई लेकिन आखिर में उसे बचाया नहीं जा सका।घटना के बाद स्थिति तनावपूर्ण होने के बाद आगजनी की घटना आदि भी हुई लेकिन समय रहते प्रशासन एवं पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया था। इस मामले में आरोपी जहां रह रहा था उस मकान को भी ध्वस्त कर दिया गया। उदयपुर में इस घटना के बाद आज चौथे दिन भी शहर में इंटरनेट सेवायें बंद रही।

अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई होगी : अविनाश गहलोत

अजमेर, 19 अगस्त (एजेंसियां)।
राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। श्री गहलोत ने ब्यावर में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य एवं ब्यावर के विकास

में कोई कमी नहीं रखी जायेगी, लेकिन अनधिकृत तरीके से आधार कार्ड बनाकर रह रहे घुसपैठियों को खदेड़ने का काम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शान्ति भंग नहीं हो, इसके लिये प्रशासन और पुलिस मिलकर आधार कार्ड की जांच का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास का मतलब यह नहीं है कि घुसपैठियों को संरक्षण दे दिया जाये। उन्होंने कहा कि अनधिकृत तौर पर रोहिंग्या और बंगलादेशी यहां रहकर गलत आधार कार्ड के जरिये अपना अधिकार जताना चाहते हैं। पहले उनके आधार कार्ड की जांच का काम होगा। उन्होंने कहा कि सरकार अपने क्षेत्र की सुरक्षा के लिये मुस्तैद है और सुरक्षा के नाम पर कोई समझौता नहीं किया जायेगा। ऐसे लोगों से सख्ती से निपटा जायेगा, जो क्षेत्र में शान्ति के लिये खतरा बन सकते हैं।

केवलादेव नेशनल पार्क में दिखा तेंदुआ, अलर्ट जारी

भरतपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)।
राजस्थान में भरतपुर के विश्व प्रसिद्ध केवलादेव नेशनल पार्क में एक बार फिर तेंदुए के दिखाई देने के बाद पार्क में सुबह वॉक पर आने वाले लोगों के साथ अंदर मंदिर पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलर्ट जारी किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तेंदुए की दो दिन पहले सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई फ़ोटो के सामने आने के बाद घना प्रशासन ने लैपर्ड की मॉनिटरिंग शुरू कर दी है। सूत्रों की माने तो लेपर्ड के मूवमेंट को देखते पैदल चलने वाले लोगों पर लेपर्ड के हमले की आशंका को देखते घना प्रशासन कुछ दिन के लिए घना में लोगों के प्रवेश पर भी रोक लगा सकता है।

सूत्रों का कहना है कि करौली के पाँचना बाँध से छोड़े गए पानी के केवला देव में आने से पार्क के ज्यादातर हिस्से में पानी भर गया है जिसके कारण अब लैपर्ड सूखी जगह की तलाश कर रहा है। बताया गया कि गत वर्ष नवम्बर के महीने में नजर आया लैपर्ड सम्भवतः इतने समय से केवलादेव के अंदर की साइड में रह था लेकिन अब केवलादेव के फारेस्ट लॉज का इलाका सूखा होने के कारण उसका मूवमेंट इस तरफ हुआ है।

राजस्थान में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)।
राजस्थान में भाई-बहन के अटूट एवं असीम स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व सोमवार को हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया और इससे राज्य में सभी ओर उत्साह का माहौल नजर आया।

राखी के पर्व पर बाजारों में राखियों और मिठाईयों की दुकानों पर सुबह से ही रौनक रही और इस दौरन बहनों ने अपने भाई के राखी एवं रक्षा सूत्र बांधकर उसके लंबी उम्र की कामना की। इससे आज दिन भर राजधानी जयपुर सहित विभिन्न शहरों में छुट्टी के बावजूद सड़कों एवं बाजारों में रौनक रही। राजस्थान में हर बार की तरह इस बार भी बहन बेटियों के लिए राज्य सरकार की ओर से राज्य की सीमा में रोडवेज बस में निशुल्क यात्रा करने की सुविधा

दी गई।

इस मौके प्रदेश में रविवार को वीरांगनाओं ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को आज अजमेर में सैंकड़ों महिलाओं ने राखी बांधी। इस दौरान श्री देवनानी ने बहनों को मिठाई और उपहार के साथ रक्षा एवं सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का वादा किया। इसी तरह उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा के हरियाणा प्रभारी डा सतीश पूनियां के जयपुर आवास पर पहुंचकर उन्हें राखी बांधी।

जयपुर केंद्रीय कारागृह में बड़ी संख्या में बहनें अपने भाईयों को राखी बांधने पहुंची। जेल प्रशासन ने पूरी जांच के बाद महिलाओं को वहां राखी और मिठाई लेकर अंदर जाने दिया।

इस अवसर पर महिलायें भावुक हो गयीं। एक महिला ने बताया कि उसने राखी बांधने के बाद अपने भाई से ऐसा वचन लिया है कि वे ऐसा काम न करें जिससे उन्हें राखी बांधने जेल में आना पड़े। इसी तरह अलवर के केंद्रीय कारागृह में बंदियों को बहनों ने राखी बांधकर उनका मुंह मीठा कराया। इस दौरान बंदी भाइयों के राखी बांधते समय बहिनें भावुक हो गई और उनके आंखों में आंसू आ गए। यही पर्व ऐसा है जिसमे बहनें जेल में भी आकर अपने भाई के राखी बांधती हैं।

इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेमचंद बैरवा, विपक्ष के नेता टीकाराम जूली, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं वसुंधरा राजे सहित कई नेताओं ने रक्षाबंधन की प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने जारी की घोषणापत्र समिति सूची, ओपी धनखड़ बने प्रमुख

चंडीगढ़,19 अगस्त (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को प्रदेश घोषणापत्र समिति की सूची जारी की है। यह कमेटी इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर जारी की गई है। भाजपा प्रदे-शाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की ओर से ये नियुक्तियां की गई हैं। इसमें ओमप्रकाश धनखड़ को समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 14 सदस्य नियुक्त किए हैं। इनमें कृष्ण लाल पंवार, रणबीर गंगवा, वेदपाल एडवोकेट, विपुल गोयल, किरण चौधरी, भव्य बिश्नोई, सुनीता दुग्गल, भूपेश्वर दयाल, सत्यप्रकाश जरावता, अभय सिंह यादव, संजय शर्मा,

मदन गोयल और रोजी मलिक आनंद को सदस्य बनाया गया है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। राज्य में 1 अक्तूबर को वोटिंग होगी, वहीं 4 अक्तूबर को मतों की गिनती होगी। वहीं, निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव तारीखों के एलान के साथ ही प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। वोटर सूची 27 अगस्त को जारी होगी। इस बार हरियाणा में स्लम और मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में अलग से पोलिंग बूथ लगाए जाएंगे। गुरुग्राम, फरीदाबाद और सोनीपत में सोसाइटी में पोलिंग स्टेशन बनेंगे। हरियाणा में 20,629 पोलिंग स्टेशन होंगे। सभी पोलिंग स्टेशन सीसीटीवी की निगरानी में रहेंगे और वोटर हेल्पलाइन की वेबसाइट जारी रहेगी।हरियाणा विधानसभा में 90 सीटें हैं। बहुमत के लिए 46 का आंकड़ा चाहिए। पिछली बार भाजपा 40 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। इसके बाद भाजपा ने दस सीटें जीतने वाली जजपा के साथ मिलकर सरकार का गठन किया था। कांग्रेस को 31 सीटें मिली थीं। एक-एक सीट इनेलो और हलोपा के खाते में आई थी। सात सीटें निर्दलीयों ने जीती थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल की ओर से आयोग की टीम को बताया गया कि दो अगस्त को प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची के अनुसार राज्य में कुल 2.01 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें लगभग 1.06 करोड़ पुरुष और 95 लाख महिला मतदाता हैं। राज्य में 4.52 लाख से अधिक मतदाता (18-19 वर्ष) पहली बार मतदान करेंगे। 85 वर्ष से अधिक आयु के 2.55 लाख मतदाता और 1.5 लाख दिव्यांग मतदाता पंजीकृत हैं। 100 साल की आयु के 10 हजार से अधिक मतदाता हैं। अंतिम मतदाता सूची 27 अगस्त को प्रकाशित की जाएगी।

कैप्टन अजय यादव के बेटे चिरंजीव ने डिप्टी सीएम के पद के लिए पेश की दावेदारी

रेवाड़ी, 19 अगस्त (एजेंसियां)।
हरियााणा में रेवाड़ी शहर से विधायक चिरंजीव राव ने हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने पर डिप्टी सीएम के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। उन्होंने टिकट फाइनल होने से पहले ही नामांकन की तिथि भी 9 तारीख तय कर दी। दरअसल, शहर स्थित कोठी पर चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं की

बैठक हुई। इस दौरान विधायक चिरंजीव राव ने कार्यकर्ताओं के बीच अपने 5 साल का रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया। कार्यकर्ता बैठक के दौरान चिरंजीव राव ने कहा कि अगर रेवाड़ी की जनता उन्हें इस बार विधायक चुनती है तो सरकार बनने पर वे डिप्टी सीएम के दावेदार होंगे।उन्होंने कहा कि महत्वाकांक्षा हर किसी की होती है और महत्वाकांक्षा रखना गलत नहीं है, वैसे ही मेरी भी है। क्योंकि 2019 के चुनाव में भाजपा की लहर के बावजूद रेवाड़ी की जनता ने उन्हें जिताया था। उस समय भाजपा का 75 प्लस का नारा चल रहा था, लेकिन इस बार जनता खुद कांग्रेस के पक्ष में 75 प्लस का नारा दे रही है। लालू यादव के दामाद चिरंजीव राव की रेवाड़ी सीट पर दावेदारी के दो अहम कारण हैं। पहला, उनके पिता कैप्टन अजय सिंह यादव 1989 से 2014 तक लगातार 6 बार इस सीट से विधायक चुने गए। उन्होंने पूर्व सीएम भजन लाल और भूपेंद्र सिंह हुड्डा दोनों के कार्यकाल में अहम मंत्रालय संभाले, जिसके चलते इलाके में उनकी अपनी पकड़ है। दूसरा कारण चिरंजीव राव का 2019 में पहली बार चुनाव लड़ना और फिर पहले ही चुनाव में जीत दर्ज करना है।

तिरंगे से बाइक साफ करते देखा तो भड़के ग्रामीण, झंडा लेकर पूरे गांव में घुमाया

बारां, 19 अगस्त (एजेंसियां)।
राजस्थान में बारां जिले की किशनगंज तहसील के ग्राम रेलावन में एक दुकान मालिक पर ग्रामीणों ने तिरंगा के अपमान करने का आरोप लगाते हुये उसे तिरंगे झंडे के साथ गांव में घुमाने का मामला सामने आया है।

गांव के लोगों ने बताया कि गत स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ग्राम रेलावन में तिरंगा रैली निकालने के बाद व्यापारी सियाराम मीणा मोहम्मद अशफाक की दुकान पर तिरंगा लगाकर चला गया। बता दें कि मोहम्मद अशफाक बाल काटने की दुकान करता है। जिले के मांगरोल निवासी अशफाक ने 17 अगस्त को दुकान से तिरंगा झंडा हटा दिया।

लोगों ने उसे तिरंगे से अपनी बाइक साफ करते हुये देखा, जिसके बाद विवाद ने रूप ले लिया। ग्रामवासियों ने इस घटना का विरोध करते हुये रोष व्यक्त किया, जिस पर सोमवार को मोहम्मद अशफाक को तिरंगे के सम्मान में तिरंगा हाथ में लेकर पूरे गांव में घुमाया गया।

सीएम सैनी का हुड्डा पर जुबानी हमला, बोले– पहले मिर्चपुर और गोहाना कांड का हिसाब दें हुड्डा

रोहतक, 19 अगस्त (एजेंसियां)।
हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश में सियासी गरमा-गर्मी बढ़ गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर सियासी हमला बोला है। उनका कहना है कि हुड्डा भाजपा से हिसाब मांगने से पहले मिर्चपुर कांड व गोहाना कांड का हिसाब दें। सड़कों के गड्ढे तो भाजपा सरकार भर देगी, हुड्डा पहले कांग्रेस कार्यकाल में खोदे गए गड्ढों को भरें। मुख्यमंत्री रविवार देर रात भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे रहे, अब ईमानदारी का चोला ओढ़कर लोगों के बीच जा रहे हैं, लेकिन प्रदेश की जनता को पता है कि कांग्रेस के 10 साल के कार्यकाल में किस तरह भ्रष्टाचार हुआ। युवाओं को नौकरी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि एक तरफ हुड्डा किसान हितेषी होने का दावा करते हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस राज में 2 से 5 रुपये तक के मुआवजे के चेक दिए जाते थे, जबकि 500 रुपये बैंक में खाता खुलवाने में लग जाते थे। उन्होंने हुड्डा से 14 सवाल पूछ थे, बताएं कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश क्यों लागू नहीं की। किसानों की कितने फसलें किस दाम पर खरीदी, लेकिन अभी तक जवाब नहीं मिला है। बुढ़ापा पेंशन को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस राज में 500 रुपये के लिए बुजुर्ग परेशान रहते थे, जबकि अब हुड्डा 6 हजार रुपये पेंशन करने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि खाली घोषणाओं से कुछ नहीं होगा। भाजपा सरकार बुजुर्गों को 3 हजार रुपये बुढ़ापा पेंशन दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव के समय ही उन्होंने कहा था कि वे चुनाव परिणाम आने से विधानसभा चुनाव की घोषणा होने तक 100 दिन लगातार काम करेंगे। इसमें गरीबों को गांव व शहरों में प्लॉट दिए गए। जबकि कांग्रेस ने केवल घोषणा की थी। गरीबों के पास कागज था न कब्जा। प्रदेश की जनता का मूड साफ है कि डबल इंजन की सरकार संपूर्ण विकास करवाएगी। 4 अक्तूबर को तीसरी बार भाजपा सरकार बनने जा रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ
आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आप अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। दाम्पत्य जीवन मे नयापन होगा चहरे पर मुस्कुराहट होगी । बच्चों के साथ गौशाला मे जाकर सेवा करें और दान करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए शाकाहारी भोजन की आदत अपनाए । अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आज न सिर्फ़ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की ज़रूरत भी है। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। किसी साझीदारी वाले व्यवसाय में जाने से बचें – क्योंकि मुमकिन है कि भागीदार आपका फ़ायदा उठाने की कोशिश करें। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह
आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं । अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
आज परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएं। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। परिवार के सदस्यों की बातों को नजरअंदाज करना आप को नुकसानदेह साबित हो सकती हैं पहली प्राथमिकता परिवार को देनी चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
आज धन का आगमन आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। उदास न हों, कभी-कभी विफल होना कोई ख़राब बात नहीं है। वक्त के साथ चलना आपके लिए अच्छा है लेकिन साथ ही आपको यह समझना भी जरुरी है कि जब कभी आपके पास खाली समय हो अपने करीबियों के साथ वक्त बिताएं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। जिससे शाम का वक्त बहुत ही खुशनुमा बितेगा आप एकदम रिलेक्स फील करेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। शाम ढलते-ढलते कोई आकस्मिक प्यारभरा झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। बच्चों की पढाई पर आप को बहुत महनत करनी पडेगी , अन्यथा बच्चों को भविष्य मे अधिक परिश्रम करना पडेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। आपकी क़ामयाबी में महिलाएँ अहम किरदार अदा करेंगी, चाहे आप किसी भी क्षेत्र में क्यों न हों। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। भागीदार आपकी योजनाओं और व्या-वसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत आपको चिंता में डाल सकती है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। कार्यक्षेत्र में समझ-बूझ के उठाए गए आपके क़दम फलदायी होंगे। इससे आपको समय पर योजनाएँ पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही नई परियोजनाएँ शुरू करने के लिए सही समय है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 20 अगस्त 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 08:35 तक
नक्षत्र : शतभिषा उत्तर रात्रि 03:10 तक
योग : अतिगंड रात्रि 08:55 तक
करण : बालव प्रातः 10:17 तक
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:33 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , चातुर्मास व्रती को भाद्रपद में दही खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाद्रपद माह आज से

इस महीने भगवान श्रीकृष्ण, भगवान विष्णु, भगवान गणेश, भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की पूजा अवश्य करें

हिन्दी पंचांग का भाद्रपद महीना 20 अगस्त से शुरू होगा। भाद्रपद महीना18 सितम्बर को समाप्त होगा। इसी दिन भाद्रपद पूर्णिमा है और इस दिन से पितृ पक्ष की शुरुआत हो जाएगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू कैलेंडर का छठा महीना भाद्रपद है।इसे आम बोलचाल की भाषा में भादो कहते भाद्रपद माह में भगवान श्रीकृष्ण, भगवान विष्णु, भगवान गणेश, भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की पूजा अवश्य करनी चाहिए। भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को जन्माष्टमी मनाते हैं, उस दिन भगवान विष्णु ने कृष्णावतार लिया था, वहीं भाद्रपद शुक्ल तृतीया को अखंड सौभाग्य की हरतालिका तीज मनाते हैं, उस दिन माता पार्वती और शिव जी की पूजा करते हैं। गणपति बप्पा के लिए 10 दिनों का उत्सव गणेश चतुर्थी भी भाद्रपद माह में ही होता है। इसके अलावा राधा अष्टमी, हल षष्ठी, ऋषि पंचमी जैसे व्रत और पर्व भी इस माह में पड़ते हैं। भाद्रपद पूर्णिमा को पितृ पक्ष का प्रारंभ होता है, उस दिन पितरों के लिए पूर्णिमा का श्राद्ध किया जाता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस महीने में धर्म-कर्म के साथ ही सेहत पर भी खास ध्यान देना चाहिए। क्योंकि इस हिंदी महीने में ऋतु परिवर्तन भी होता है। भाद्रपद महीने में कजरी तीज, बहुला चौथ, हलछठ, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, अजा एकादशी और अमावस्या, वराह जयंती, कन्या संक्रांति, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, ऋषि पंचमी, ललिता सप्तमी, दूर्वाष्टमी, परिवर्तिनी एकादशी, वामन जयंती, बुध प्रदोष, अनंत चतुर्दशी और भाद्रपद पूर्णिमा रहेगी। इस महीने में ही दस दिनों का गणेश उत्सव रहेगा।

कब से शुरू हो रहा है भाद्रपद महीना

इस वर्ष भाद्रपद महीना 20 अगस्त से शुरू होगा। 19 अगस्त को रक्षा बंधन है और यही सावन के महीने का आखिरी दिन भी है। भादो का महीना 18 सितम्बर को समाप्त होगा। इसी दिन भाद्रपद पूर्णिमा है और इस दिन से पितृ पक्ष की शुरुआत हो जाएगी। वैदिक ज्योतिष में भादो सूर्य के सिंह राशि में प्रवेश के साथ शुरू होता है। धार्मिक दृष्टिकोण से इस महीने को महत्वपूर्ण माना जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार भाद्रपद अगस्त और सितंबर के महीने में पड़ता है। भाद्रपद मास पूजा-पाठ और व्रत के लिए खास माना जाता है। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि भाद्रपद के महीने में पवित्र नदियों में स्नान करने, गरीबों को दान करने और व्रत रखने से बहुत लाभ होता है। इस पूरे महीने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

भाद्रपद मास में कई बड़े त्योहार

इस महीने को इतना शुभ इसलिए माना जाता है क्योंकि इस महीने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के साथ राधा जन्मोत्सव, कजरी तीज, श्री गणेश चतुर्थी, अनंत चतुर्दशी, कुश की अमावस्या, विश्वकर्मा पूजा जैसे महत्वपूर्ण त्योहार भी पड़ते हैं। भाद्रपद में घर पर लड्डू गोपाल की स्थापना करने, शंख की स्थापना करने और श्रीमद्भागवत गीता का पाठ करने से धन, यश और वैभव की प्राप्ति होती है। साथ ही भाद्रपद में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर संतान गोपाल मंत्र का जाप करने और हरिवंश पुराण का पाठ करने या सुनने से संतान सुख की प्राप्ति होती है।

भगवान गणेश, श्रीकृष्ण और विष्णु जी की पूजा का महीना

इस महीने में गणेश चतुर्थी पर दस दिनों का गणेश-ोत्सव शुरू होगा। जो कि 10 दिन बाद अनंत चतुर्दशी पर खत्म होगा। इन दिनों में भगवान गणेश की विशेष आराधना करने की परंपरा है। भाद्रपद में श्रीकृष्ण की पूजा से पाप खत्म होते हैं और परेशानियां दूर होती हैं। इन दिनों शंख में दूध और जल भरकर श्रीकृष्ण का अभिषेक करना चाहिए। फिर भगवान को नैवेद्य लगाएं। भगवान विष्णु की भी पूजाा करनी चाहिए। इस पवित्र महीने में भगवान विष्णु और उनके अवतारों की विशेष पूजा करने की बात ग्रंथों में बताई गई है। इस महीन रोज सुबह जल्दी उठकर उगते हुए सूरज को जल चढ़ाने का विधान ग्रंथों में बताया है। सूर्य को जल चढ़ाने में तांबे के लोटे का इस्तेमाल करें। आयुर्वेद के जानकारों का कहना है कि भाद्रपद, चातुर्मास के चार महीनों में दूसरा है। इस महीने में ऋतु परिवर्तन होता है। जिससे शरीर में बदलाव भी होते हैं और डायजेशन गड़बड़ा जाता है। इस महीने में ज्यादा तला हुआ और मसालेदार खाना खाने से बचना चाहिए। ऐसे चीजे न खाएं जिनको पचने में ज्यादा समय लगता हो। सेहतमंद चीजों को खाने में शामिल करें। भाद्रपद में जानकार योग, प्राणायाम और कसरत करने की सलाह भी देते हैं।

भाद्रपद का महत्व

शास्त्र में भाद्रपद महीने का बहुत महत्व बताया गया है। ये पूजा-पाठ के लिए उत्तम होता है। इस महीने में श्री कृष्ण की भक्ति कटने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। जो भी साधक इस महीने में श्री कृष्ण की सच्चे मन से भक्ति करता है उसकी सारी मनोकामना पूरी होती है। इस महीने में पवित्र नदियों में स्नान या गंगा नदी में स्नान का अत्यधिक महत्व है। इस महीने में दान पुण्य करने से भी साधक को शुभ फल प्राप्त होता है। भाद्रपद महीने में भगवान कृष्ण को हर रोज तुलसी दल और माखन का भोग लगाएं। ऐसा करना बेहद ही शुभ माना जाता है।

क्या करें

शास्त्र के अनुसार भाद्रपद महीने में भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना करनी चाहिए। इस महीने में गंगा स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। अगर गंगा स्नान ना कर सकते हो तो इस महीने में किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान कर सकते हैं। जिसका बहुत ही ज्यादा फल मिलता है। भाद्रपद महीने में मनुष्य को सात्विक भोजन ही करना चाहिए। भाद्रपद माह शुरू होते भगवान श्री कृष्ण को तुलसी अर्पित करनी चाहिए और साथ ही साधक को खुद भी तुलसी के जल का सेवन करना चाहिए।

ना करें ये काम

शास्त्रों में बताया गया है कि भाद्रपद के महीने में कुछ काम करने की मनाही होती है। भाद्रपद में कच्ची चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। इस महीने में मनुष्य को भूलकर भी दही और गुड़ का सेवन नहीं करना चाहिए। सावन महीने की तरह भाद्रपद महीने में भी मांस, मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। शास्त्रों में कहा गया है कि जो भी मनुष्य इस महीने में मांस और मदिरा का सेवन करता है। उसे सभी देवता रुष्ट हो जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि भाद्रपद के महीने में रविवार के दिन बाल नहीं कटवाने चाहिए, ना ही रविवार के दिन इस महीने में नमक का प्रयोग करना चाहिए।

भाद्रपद मास में पड़ने वाले त्योहारों की लिस्ट

भाद्रपद माह में कई विशेष तीज-त्योहार, व्रत, दिन, शुभ तिथियां आती हैं। विशेष त्योहारों में हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, जन्माष्टमी, जैन पयुर्षण त्योहार और अनंत चतुर्दशी शामिल हैं। इसी माह अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र और वृषभ लग्न में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। इसलिए इस महीने का महत्व और भी बढ़ गया है। इसके साथ ही हरतालिका तीज, जैन पयुर्षण पर्व, अजा एकादशी, श्री गणेश चतुर्थी आदि भी इसी महीने मनाया जाएगा।

20 अगस्त 2024 मंगलवार – इष्टी

22 अगस्त 2024 गुरुवार – कजरी तीज, बहुला चतुर्थी, हेरंब संकष्टी चतुर्थी

24 अगस्त 2024 शनिवार– बलराम जयंती

25 अगस्त 2024 रविवार – भानु सप्तमी

26 अगस्त 2024 सोमवार– कृष्ण जन्माष्टमी

27 अगस्त 2024 मंगलवार– दही हांडी

29 अगस्त 2024 गुरुवार – अजा एकादशी

31 अगस्त 2024 शनिवार– प्रदोष व्रत

2 सितंबर 2024 सोमवार – पिठोरी अमावस्या, दर्श अमावस्या, अनवधान, भाद्रपद अमावस्या

6 सितंबर 2024 शुक्रवार– वराह जयंती, हरतालिका तीज

7 सितंबर 2024 शनिवार– गणेश चतुर्थी

8 सितंबर 2024 रविवार– ऋषि पंचमी

10 सितंबर 2024 मंगलवार– ललिता सप्तमी

11 सितंबर 2024 बुधवार– महालक्ष्मी व्रत आरंभ, दूर्वा अष्टमी, राधा अष्टमी

14 सितंबर 2024 शनिवार– परिवर्तिनी एकादशी

15 सितंबर 2024 रविवार– वामन जयंती, प्रदोष व्रत

16 सितंबर 2024 सोमवार–विश्वकर्मा पूजा, कन्या संक्रांति

17 सितंबर 2024 मंगलवार – गणेश विसर्जन, अनंत चतुर्दशी, पूर्णिमा श्राद्ध, अनवधान

18 सितंबर 2024 बुधवार – पितृ पक्ष प्रारंभ, आंशिक चंद्र ग्रहण, भाद्रपद पूर्णिमा, इष्टी

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

विवाहित महिलाओं के साथ कुंवारी लड़कियां रखती हैं कजरी तीज व्रत

जानें डेट, पूजा मुहूर्त, सामग्री

शिव को पति रूप में पाने के संकल्प के साथ मां पार्वती ने 108 साल तक तपस्या कर भोलेनाथ को प्रसन्न किया था। विवाहित महिलाएं के साथ कुंवारी लड़कियां भी इस व्रत को रखती हैं।

कजरी तीज का व्रत राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश बिहार और उत्तरी राज्यों में मनाया जाता है। सावन के बाद भाद्रपद माह में कजरी तीज मनाई जाती है। कजरी तीज 2024 में कब है, यहां जान लें सुहागिनों के लिए क्यों खास है ये व्रत, नोट करें डेट, मुहूर्त।

कजरी तीज – 22 अगस्त 2024
पूजा मुहूर्त – सुबह 05.54 – सुबह 07.32
शाम का मुहूर्त – शाम 06.53 – रात 08.16

पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 21 अगस्त 2024 को शाम 05.06 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 22 अगस्त 2024 को दोपहर 01 बजकर 46 मिनट पर समाप्त होगी।

शादीशुदा महिलाएं हर साल अपने पति की लंबी उम्र और खुशहाली के लिए करवा चौथ, हरतालिका तीज, हरियाली तीज, वट सावित्री आदि जैसे कई व्रत रखती हैं। इनमें पति की लम्बी उम्र, बेहतर स्वास्थ और तरक्की के लिए किए जाने वाला कजरी तीज एक प्रमुख व्रत हैं। कजली तीज, बूढ़ी तीज, बड़ी तीज, और सातूड़ी तीज आदि जैसे नामों से भी जाना जाता है।

इस दिन महिलाओं गौरी-शंकर रुद्राक्ष धारण करना चाहिए, इसके लिए जानकार की सलाह लें, इससे दांपत्य जीवन में सुख की कमी नहीं होती। मनवांछित इच्छाएं पूर्ण हो सकती है।

कजरी तीज के दिन व्रती महिलाओं को पूजा करने के बाद कन्याओं को भोजन अवश्य कराना चाहिए। इससे घर की शांति बनी रहती है और धन आगमन भी बढ़ता है।

कजरी तीज के दिन पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करें। इससे जीवन में कभी किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं आती है।कजरी तीज की कथा का पाठ करें। रात्रि में चंद्र देव की पूजा करें और उन्हें जल का अर्घ्य दें।

मूर्ति या देवी नहीं, इस मंदिर में चट्टान की होती है पूजा

है ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर

रंकिनी मंदिर, जिसे कपड़गढ़ी घाट रंकिनी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। झारखंड के जामशेदपुर जिले के पोटका ब्लॉक के रोहिनिबेरा गांव में स्थित है। यह मंदिर हाता-जादूगोड़ा राज्य राजमार्ग के पास स्थित है।

यहां देवी काली के भौतिक रूप के रूप में पूजा जाता है। प्राचीन समय में यात्रा करते समय लोग घने जंगलों में सुरक्षा और भलाई के लिए इस मंदिर में पूजा किया करते थे।

रंकिनी मंदिर की स्थापना 1947-50 के बीच की गई थी। मंदिर की विशेषता यह है कि देवी रंकिनी एक पत्थर के रूप में विराजमान हैं, जिसे स्थानीय लोग जीवित पत्थर मानते हैं। यह पत्थर कपड़गढ़ी घाटी में स्थित है, जो मुख्य मंदिर के नीचे बहते नाले के पास है।

इस मंदिर की कहानी दिलचस्प है। कहा जाता है कि देवी रंकिनी ने स्थान्य आदमी दिनबंधु सिंह को एक सपने में दर्शन दिए। उन्हें बताया कि वह पत्थर के रूप में पूजी जा रही हैं। देवी ने दिनबंधु से कहा कि वह इस पत्थर की पूजा करें। एक ऐसा स्थान स्थापित करें। जहां लोग आसानी से आ सकें और उनकी पूजा कर सकें। दिनबंधु ने देवी के आदेश पर इस पत्थर को पूजा के लिए स्थापित किया। इसके बाद से इस स्थान पर पूजा-अर्चना की परंपरा शुरू हुई।

दिनबंधु के बाद, उनके बेटे मनसिंह और फिर मनसिंह के बेटे बैद्यनाथ सिंह ने मंदिर का संचालन संभाला। आज भी उनका परिवार और उनकी बनाई गई ट्रस्ट मंदिर की देखभाल कर रही है। पूजा की जाने वाली पत्थर का आकार समय के साथ बढ़ता जा रहा है। जिसे लोग मां की दिव्य उपस्थिति का प्रमाण मानते हैं। रंकिनी मंदिर न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर भी है। यह स्थल श्रद्धालुओं के लिए आस्था और विश्वास का प्रतीक है। उनके लिए एक प्रेरणादायक स्थल बना हुआ है।

बहुला चौथ 22 को

जानें पूजा मुहूर्त

भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को बहुला चौथ के नाम से जाना जाता है । संतान की सुरक्षा के लिए ये पर्व मनाया जाता है, स्त्रियां इस दिन गायों की पूजा करती हैं। साथ ही मिट्टी से बने शिव-पार्वती, कार्तिकेय और गणेश जी की प्रतिमा बनाकर उनकी उपासना की जाती है। श्रीकृष्ण ने इस दिन का महत्व स्वंय बताया है। मान्यता है इसके प्रताप से संतान को जीवन में हर सुख प्राप्त होता है।

बहुला चौथ 22 अगस्त 2024 को मनाई जाएगी। इस दिन को बोल चौथ भी कहते हैं। बहुला चौथ का व्रत करने से संतान को खुशहाली, सफलता, संकटों से मुक्ति, समृद्धि प्राप्त होती है।

पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 22 अगस्त 2024, दोपहर 01.46 से होगी और अगले दिन 23 अगस्त 2024 को सुबह 10.38 पर इसका समापन होगा.

बहुला चौथ की पूजा – शाम 06.40 – शाम 07.05 (बहुला चौथ की पूजा शाम के समय की जाती है)

चंद्रोदय समय – रात 08.51

शास्त्रों में गाय को विशेष महत्व दिया गया है। गाय को मां का दर्जा प्राप्त है। गाय की पूजा करने वाली स्त्रियों को संतान सुख के मिलता है साथी ही संतान पर आने वाले संकटों का भी नाश होता है। पौराणिक कथा के अनुसार एक बार श्रीकृष्ण शेर के रूप में बहुला गाय के सामने आ गए, वह खुद के प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार हो गई, उसने शेर से कहा कि वह अपने बच्चे को दूध पिलाने के बाद उसके भोजन का निवाला बन जाएगी। बछड़े के प्रति गाय का स्नेह देखकर शेर ने उसे जाने दिया, वचन अनुसार गाय अपना काम कर शेर के सामने आ गई।

भगवान कृष्ण बहुला की धर्मपरायणता और वचनबद्धता को देखकर प्रसन्न हुए, और उन्होंने बहुला को आशीर्वाद दिया, कि कलियुग में तुम्हारी जो पूजा करेगा उसकी संतान हमेशा सुखी और सुरक्षित रहेगी।

बहुला चौथ व्रत कैसे किया जाता है ?

बहुला चतुर्थी के दिन गाय के दूध से बनी हुई कोई भी सामग्री नहीं खानी चाहिए। गाय के दूध पर उसके बछड़े का अधिकार समझना चाहिए, दिन भर व्रत करके संध्या के समय गौ की पूजा की जाती है। कुल्हड़ पर पपड़ी आदि रखकर भोग लगाया जाता है और पूजन के बाद उसी का भोजन किया जाता है। इस दिन दूध से बनी चीजों का सेवन करने पर पाप के भागी बनते हैं।

बहुला चौथ पूजा मंत्र

या: पालयन्त्यनाथांश्च परपुत्रान् स्वपुत्रवत्।
ता धन्यास्ता: कृतार्थाश्च तास्त्रियो लोकमातर:।।

ऋषभ शेट्टी को बेस्ट एक्टर का मिला नेशनल अवॉर्ड

पत्नी ने एक्टर पर लुटाया प्यार, घर में हुआ जश्न

कांतारा के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद ऋषभ शेट्टी का उनकी पत्नी संग एक बहुत ही खूबसूरत वीडियो सामने आया है, जिसमें वह उनका वेलकम करते दिख रही हैं। कांतारा फेम ऋषभ शेट्टी अपनी फिल्मों के लिए दुनिया भर में चर्चा में बने रहते हैं।ऋषभ शेट्टी को कांतारा के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है, जिसके बाद से ही वह चर्चा में बने हुए हैं। 16 अगस्त को 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के विनर्स का ऐलान हुआ था। कांतारा के लिए ऋषभ की जीत पर यश और जूनियर एनटीआर ने उन्हें बधाई दी हैं। कांतारा की इस शानदार सफलता से मेकर्स और स्टार कास्ट के बीच भी खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। इसी बीच अब सोशल मीडिया पर ऋषभ शेट्टी की पत्नी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें एक्टर की जीत का जश्न बहुत ही खास अंदाज में मनाते हुए देख सकते हैं।ऋषभ शेट्टी को उनकी पहली पैन इंडिया फिल्म कांतारा के लिए उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीत लिया। ऋषभ शेट्टी की इस खुशी को पत्नी और बच्चों ने बेहद सिंपल और खास तरीके से सेलिब्रेट किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखने को मिलता है कि ऋषभ शेट्टी जैसे ही घर पहुंचते हैं तो उनकी पत्नी उनका स्वागत करती है। आरती की थाल लिए बेटी के साथ दरवाजे पर एक्टर की आरती उतारती हैं और फिर उन्हें प्यार से गले लगा लेती हैं।ऋषभ की पत्नी प्रगति ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा है, मुझे पर गर्व है। चांद पर पहुंच गई हूं। मैं गर्व से फूले नहीं समा रही हूं!सिनेमा के प्रति उनके समर्पण और जुनून को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। आप की कड़ी मेहनत आज सफल हो गई है। इस के अलावा साउथ स्टार यश और जूनियर एनटीआर ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी है। ऋषभ शेट्टी की निर्देशित और अभिनीत कांतारा आज भी लोगों के दिलों में खास जगह बनाए हुए है। ऋषभ शेट्टी इन दिनों अपनी हिट फिल्म कांतारा 2 की कहानी पर काम कर रहे हैं।

विजय राज का खुलासा

अजय देवगन को नहीं बोला हैलो सन ऑफ सरदार-2 से निकाले गए

अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 से एक्टर विजय राज को हटा दिया गया है। फिल्म में विजय की जगह संजय मिश्रा ने ले ली है। इसकी शूटिंग यूके में चल रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार अजय के साथ फिल्म को को-प्रोड्यूस कर रहे कुमार मंगत पाठक ने कहा कि विजय को उनके व्यवहार और अनुचित मांगों के कारण हटाया गया है। दूसरी ओर, विजय ने कहा कि ये कदम इसलिए उठाया गया, क्योंकि उन्होंने सेट पर अजय को तवज्जो नहीं दी।पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक पाठक ने कहा कि हमने फिल्म से विजय को उनके व्यवहार के कारण हटा दिया है। विजय ने बड़े कमरे और वैनिटी वैन की मांग की। इसके साथ ही स्पॉट बॉय के लिए भी हमसे ज्यादा रुपए की मांग की। विजय के स्पॉट बॉय को हर रात 20 हजार का भुगतान किया गया था, जो किसी बड़े एक्टर से भी ज्यादा है। अब विजय ने इन आरोपों पर जवाब दिया है। विजय ने कहा कि जब मैं शूटिंग के सेट पर पहुंचा तो रवि किशन, निर्देशक विजय अरोड़ा और पाठक समेत अन्य लोगों ने मुझसे मुलाकात की।मैं वैन से बाहर निकला और देखा कि अजय करीब 25 मीटर दूर खड़े हैं, क्योंकि वे बिजी थे तो मैंने उन्हें हैलो नहीं बोला और मैं दोस्तों से बात करता रहा। इस घटना के 25 मिनट बाद पाठक मेरे पास आए और बोले कि आपको हम फिल्म से निकाल रहे हैं। बता दें सन ऑफ सरदार 2ळ साल 2012 में रिलीज हुई एक्शन कॉमेडी फिल्म सन ऑफ सरदारका सीच्ल है।

शीजान खान ने फलक और शफक के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर की बात

अभिनेता शीजान खान ने कहा है कि वह रक्षाबंधन के दिन अपनी बहनों - अभिनेत्री फलक और शफक नाज - के साथ चलिटी टाइम बिताना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारा सबसे सुंदर और पवित्र त्यौहार है। भाई-बहन के इस खूबसूरत रिश्ते को मनाना एक उपहार है। हर समय एक-दूसरे का साथ देना भाई-बहन होने का सबसे अच्छा हिस्सा है।अभिनेता ने कहा कि भले ही आप अपनी बहन या भाई से रोजाना बात न करें, लेकिन आपके बीच के बंधन को कोई नहीं रोक सकता।उन्होंने कहा, भाई और बहन रोजाना बात नहीं कर सकते क्योंकि हर कोई अपनी-अपनी जिंदगी में व्यस्त रहता है। लेकिन जब जरूरत होती है तो यह एक ऐसा बंधन हैं जिस पर भरोसा किया जा सकता है। मुझे व्यक्तिगत रूप से उपहारों का भौतिकवादी विचार पसंद नहीं है।

कनेक्शन और बंधन होना चाहिए। हमें इस बंधन का जश्न मनाने के लिए सिर्फ एक दिन की जरूरत नहीं है।शीजान को जोधा अकबर में युवा अकबर और सुल्तान मुराद मिर्जा के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अली बाबा: दास्तान-ए-काबुल में अली बाबा की भूमिका भी निभाई है।शीजान ने सिलसिला प्यार का में शीन दास के साथ विनय सक्सेना की भूमिका निभाई। वह ऐतिहासिक नाटक चंद्र नंदिनी में राजकुमार कार्तिकेय और पृथ्वी वल्लभ - इतिहास भी, रहस्य भी में युवराज भोज के रूप में दिखाई दिए हैं।वह एक थी रानी एक था रावण, नजर 2, तारा फ्रॉम सतारा और पवित्रा: भरोसे का सफर जैसे शो का हिस्सा रहे हैं।

29 वर्षीय एक्टर ने फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 13 में भी हिस्सा लिया था।वह आखिरी बार टीवी ओपेरा चांद जलने लगा में नजर आए थे।वहीं, फलक को तारक मेहता का उल्टा चश्मा, गुनाहों का देवता, अदालत, देखा एक ख्वाब, मुझसे कुछ कहती..ये खामोशियां, ससुराल सिमर का, शंकर जयकिशन 3 इन 1, रूप - मर्द का नया स्वरूप, लाल इश्क, विष या अमृत: सितारा, शौर्य और अनोखी की कहानी, और पांड्या स्टोर में उनके काम के लिए जाना जाता है।वह फिलहाल जुबली टॉकीज: शोहरत. शिद्दत. मोहब्बत. में नजर आ रही हैं।शफक सपना बाबुल का..बिदाई, संस्कार लक्ष्मी, शुभ विवाह, तेरी मेरी लव स्टोरीज, लव मैरिज या अरेंज्ड मैरिज, चिडिय़ा घर, महाकाली- अंत ही आरंभ है, लाल इश्क, देवी आदि पराशक्ति और डांसिंग ऑन द ग्रेव जैसे टीवी शोज का हिस्सा रह चुकी हैं।

क्या इससे कोई समस्या है?

अमिताभ बच्चन ने बताया कि 81 साल की उम्र में भी वे क्यों काम करते रहते हैं

सुपरस्टार अमिताभ बच्चन ने अपने करिअर की शुरुआत साल 1969 में आई ख्वाजा अहमद अब्बास की फिल्म सात हिंदुस्तानी से की थी। अमिताभ को इंडस्ट्री में करीब 55 साल हो चुके हैं। अमिताभ आज 81 साल की उम्र में भी जबरदस्त एक्टिव हैं। उनकी पिछली फिल्म कल्कि 2898 एडी 27 जून को रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया। लोग अमिताभ की एक्टिंग के दीवाने हो गए। अमिताभ फिलहाल कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीजन को होस्ट कर रहे हैं, जो हाल ही शुरू हुआ था।हर कोई जानना चाहता है कि अमिताभ इस उम्र में भी काम क्यों कर रहे हैं। अब अमिताभ ने इसका खुलासा किया है। अमिताभ ने अपने ब्लॉग में लिखा, वे काम के सेट पर मुझसे पूछते रहते हैं..मेरे काम करने का कारण..और मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है, सिवाय इसके कि ये मेरे लिए एक और नौकरी का अवसर है..और क्या कारण हो सकता है..दूसरों के पास अवसरों और स्थितियों का अपना आकलन होता है, और अक्सर वे अपने मॉडल को सर्वोपरि मानते हैं..मेरे जूते पहनें और पता करें..हो सकता है कि आप सही हों..और हो सकता है कि नहीं..आपको अपने निष्कर्ष निकालने की स्वतंत्रता है और मुझे अपने काम की स्वतंत्रता है।मेरा काम मुझे दिया गया था..जब ये आपको दिया जाता है, तो उस सवाल का जवाब दें..मेरे कारण आपसे सहमत नहीं हो सकते हैं..लेकिन क्योंकि अभिव्यक्ति के अधिकार को उपस्थिति की कई सुरंगें दी गई हैं, आपको सुना जाता है..आपने कहा, मैंने सुना, मैंने काम करने का कारण दिया..वो मैं हूं..मेरे पास जो कारण है वो मेरा है..बंद शटर और ताला लगा हुआ है..और सामग्री की नपुंसकता आपको अपने रेत के महल बनाने और इसके निर्माण का आनंद लेने के लिए मजबूर करती है..समय के साथ रेत के महल गिर जाते हैं। आप जो इन्हें बनाते हैं, मजबूती का एक माप पाएं..अगर ये आपके और आपके बिजनेस के लिए बनाया गया है..मेरा बन गया है और ये अभी भी खड़ा है। मैं काम करता हूं..बस..इसमें कोई समस्या है? तो फिर..काम पर लग जाओ और पता लगाओ। साथ ही अमिताभ ने बताया कि उन्होंने हाल ही में ूयक्चष्ट में गणपति फेस्टिवल एपिसोड की शूटिंग की है।

ब्रह्मास्त्र को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर नमित मल्होत्रा ने कहा - यह एक बड़ी छलांग

70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में तीन अवॉर्ड अपने नाम करने वाली ब्रह्मास्त्र : पार्ट वन-शिवा को लेकर निर्माता नमित मल्होत्रा ने अपना आभार व्यक्त किया है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अभिनीत इस फिल्म ने बेस्ट फिल्म इन एवीजीसी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक) का पुरस्कार जीता है। संगीतकार प्रीतम ने बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का पुरस्कार जीता है, जबकि अरिजीत सिंह ने केसरिया गाने के लिए बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार अपने नाम किया है।इस बड़ी जीत के बारे में बात करते हुए प्राइम फोकस लिमिटेड के संस्थापक नमित ने कहा, ब्रह्मास्त्र के लिए बेस्ट वीएफएक्स फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, जो भारतीय वीएफएक्स उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाता है। मुझे अयान मुखर्जी के विजन को जीवंत करने में हमारी टीम के अभूतपूर्व काम पर बेहद गर्व है, जिसके परिणामस्वरूप इसे यह अविश्वसनीय मान्यता मिली है।उन्होंने कहा, ब्रह्मास्त्र विजुअल स्टोरीटेलिंग में एक बड़ी छलांग का प्रतिनिधित्व करता है, और यह पुरस्कार डीएनईजी और रीडिफाइन की टीमों द्वारा किए गए प्रयासों का प्रमाण है।फिल्म में अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय और नागार्जुन जैसे कलाकारों ने भी काम किया है। यह फिल्म हिंदू पौराणिक कथाओं से प्रेरित है, जो शिवा (रणबीर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पायरोकाइनेटिक शक्तियों वाला एक अनाथ संगीतकार है, जिसे पता चलता है कि वह एक अस्त्र है, जो बहुत बड़ी ऊर्जा का हथियार है।रणबीर को पिछली बार संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित और टी-सीरीज फिल्म्स, भद्रकाली पिक्चर्स और सिने 1 स्टूडियो द्वारा निर्मित एक्शन ड्रामा एनिमल में देखा गया था। इस फिल्म में अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और त्रिप्ति डिमरी हैं।

अंकिता लोखंडे ने बताया कि पति विक्की इन दिनों किस पर हैं फिदा

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपने पति और बिजनेसमैन विक्की जैन के नवीनतम जुनून के बारे में बात की, और यह कुछ और नहीं बल्कि उनका नया मोबाइल फोन है। पवित्र रिश्ता फेम अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर 5.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इस प्लेटफॉर्म के स्टोरीज सेक्शन में उन्होंने अपने पति विक्की का एक वीडियो पोस्ट किया है।

वीडियो में विक्की बिस्तर पर बैठे हैं और गंभीरता से अपने फोन को देख रहे हैं। वीडियो रिकॉर्ड कर रही अंकिता कहती हैं, यह आदमी हमेशा फोन पर रहता है.. इसका एक नया फोन आया है, बस उसी से चिपका रहता है पूरे टाइम..फिर वह चिल्लाती हैं: विक्कू.. छोड़ दे फोन बेबी।वीडियो का कैप्शन है: इसकी गुड मॉर्निंग हो गई है।अंकिता और विक्की ने 14 दिसंबर, 2021 को मुंबई में एक पारंपरिक समारोह में शादी की थी। काम की बात करें तो इस जोड़े ने विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 17 में हिस्सा लिया था। वे फिलहाल लाफ्टर शेफ्स-अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आ रहे हैं।

इस शो में कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, निया शर्मा, जन्नत जुबैर रहमानी, रीम शेख, सुदेश लहरी और कश्मीरा शाह भी हैं।इसकी मेजबानी भारती सिंह करती हैं और इसके जज शेफ हरपाल सिंह सोखी हैं और यह कलर्स पर प्रसारित होता है।अंकिता ने 2009 में पवित्र रिश्ता में अर्चना की भूमिका से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इस शो में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने मानव की भूमिका निभाई थी। अंकिता और सुशांत एक रोमांटिक रिश्ते में थे, हालांकि, 2016 में वे अलग हो गए थे।वह एक थी नायिका, झलक दिखला जा 4 और कॉमेडी सर्कस का नया दौर का भी हिस्सा रही हैं।अंकिता ने झांसी की रानी लक्ष्मी बाई के जीवन पर आधारित 2019 की ऐतिहासिक जीवनी पर आधारित एक्शन ड्रामा मणिकर्णिका: द चीन ऑफ झांसी से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की।

कृष जगरलामुदी और कंगना रनौत द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कंगना ने मुख्य भूमिका निभाई है।वह बागी 3 और द लास्ट कॉफी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।39 वर्षीय अंकिता को आखिरी बार विनायक दामोदर सावरकर के जीवन पर आधारित फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में देखा गया था। इसका निर्देशन फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभाने वाले सह-लेखन और सह-निर्माण रणदीप हुड्डा ने किया है।

आगामी सप्ताह अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होगी धनुष की रायन

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार धनुष की हालिया रिलीज फिल्म रायन सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। ये एक एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें धनुष के लुक और अंदाज की खूब चर्चा रही। 26 जुलाई को रिलीज हुई रायन के डायरेक्टर भी खुद धनुष ही हैं और बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 150 करोड़ के करीब कलेक्शन किया था।रायन में धनुष मुख्य भूमिका में हैं। प्राइम वीडियो ने अनाउंस किया है कि तमिल एक्शन ड्रामा रायन का ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर 23 अगस्त को किया जाएगा। सन पिक्चर्स के बैनर तले कलानिधि मारन के अंदर बनी इस फिल्म को धनुष ने डायरेक्ट करने के साथ लीड रोल निभाया है। रायन में एसजे सूर्या, सेल्वा राघवन, सरवनन, संदीप किशन, कालिदास जयराम, दुशारा विजयन, प्रकाश राज और अपर्णा बालमुरली जैसे टैलेंटेड एक्टर्स अहम रोल्स में हैं।रायन धनुष की 50वीं फिल्म है और यह प्राइम वीडियो पर तमिल में स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी, साथ ही तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में डब किए गए वर्जन भी उपलब्ध होंगे। यह 23 अगस्त से भारत और 240 अन्य देशों और क्षेत्रों में देखा जा सकेगा।रायन की कहानी चार भाई- बहनों को है, को खुद की सुरक्षा के लिए गांव छोड़ कर शहर आ जाते हैं। बड़े होते ही, मनिकम (कालिदास जयराम) एक इमानदार कॉलेज स्टूडेंट होता है, मुथु (सुदीप किशन) आवेगी करता है, और रायन (धनुष) जिम्मेदार पिता जैसी भूमिका निभाते हैं। उनका रिश्ता उनकी बहन दुर्गा (दुशारा विजयन) के इर्द-गिर्द घूमता है।

दुर्गा की शादी करने की रायन की कोशिश उसे दो गैंगस्टर्स, सेथु (एसजे सूर्या) और दुरई (सरवनन) के बीच सत्ता संघर्ष में ले जाती है। शहर में एक नया पुलिस अधिकारी (प्रकाश राज) शहर को साफ करने की कोशिश करने के लिए स्थिति का फायदा उठाता है। कहानी रायन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बढ़ती चुनौतियों के बीच अपने परिवार की रक्षा करने के लिए लड़ता है।

आरएसएस ने मनाया समाज को एकजुट करने का रक्षाबंधन उत्सव

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से रक्षाबंधन पर्व पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संघ के छह पर्वों में से एक राखी का यह त्यौहार समाज को एक सूत्र में पिरोने का एक माध्यम है। इस पर्व को समाज के उन लोगों के साथ मिलकर मनाना चाहिये जो पिछड़े हुए हैं। ऐसा करके ही हम अपने देश में राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करते हुए समाज को एकजुट कर सकते हैं। यह विचार आरएसएस के प्रांत प्रचारक कौशल जी ने सबके समक्ष रखा।

अलीगंज के सीतापुर रोड स्थित प्रियदर्शिनी नगर के सेंट जोसेफ कॉलेज में आयोजित रक्षाबंधन उत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रह्माकुमारी की राधा बहनजी ने की। उन्होंने कार्यक्रम का उद्बोधन करते हुए कहा कि रक्षाबंधन पर्व का अर्थ होता है बहन की सुरक्षा करने का दायित्व उठाना। यूं तो कोई भी किसी भी बंधन में बंधना नहीं चाहता लेकिन राखी का बंधन एक ऐसा बंधन है, जिसमें सभी सहर्ष बंध जाते हैं। बस, इस पर्व को यह जानते हुए मनाने की आवश्यकता है कि हमें देश की हर बहन की सुरक्षा का करने का संकल्प लेना चाहिये। अपने धर्म का अध्ययन करते हुए अपने स्व की रक्षा करते हुए ही हम आदर्श समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करके ही हम अपने धर्म, संस्कृति और पवित्रता की रक्षा कर सकते हैं। हमें गीता का पाठ करते हुए अपने विचारों को दूषित होने से बचाना होगा। यह भी रक्षाबंधन का एक संकल्प ही है। दूसरों की रक्षा करने के साथ ही हमें यह भी संकल्प लेने की आवश्यकता है कि हम अपने चरित्र की भी रक्षा करें।

रक्षाबंधन के व्यापक अर्थ को समझाते हुए एवं कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल जी ने कहा कि हमारे मनीषियों ने उत्सव एवं पर्वों के माध्यम से समाज को एकत्रित करने की संकल्पना की थी। हमारे ऋषियों ने इन पर्वों को मनाकर समाज को एकजुट करते हुए विचार-विमर्श की पद्धति बनायी थी। इसी का एक उदाहरण है कुम्भ का आयोजन। कुम्भ के आयोजन के माध्यम से पूरे देश और दुनिया के हिन्दू एकत्र होते हैं। वे एक स्थान पर एकत्र होकर ज्ञान का आदान-प्रदान करते थे। उन्होंने कहा कि देशवासियों को बताया गया है कि उत्तर से गंगा जल लाकर दक्षिण स्थित रामेश्वरम में जल चढ़ाना चाहिये। ऐसा करने से आमजन पूरे देश का भ्रमण करते हुए अपनी संस्कृति का विकास करता है। हमारे ऋषियों ने इसीलिये इन पर्वों का सृजन किया है। इसके आगे उन्होंने कहा कि संस्कृति को अक्षुण्ण रखना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यही जीवन पद्धति हमें विशेष बनाती है।

कौशल जी ने धर्मांतरण की समस्या पर विचार प्रकट करते हुए कहा कि धर्मांतरण की समस्या मात्र उपासना पद्धति को बदलने की नहीं है। इससे राष्ट्रांतरण होता है। इससे राष्ट्रीयता के प्रति सम्मान की भावना भी बदल जाती है। संस्कृति का संरक्षण करके ही हम राष्ट्रीयता का संरक्षण कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगणों से कहा कि अपने पर्व समाज के उन पिछड़े लोगों के बीच मनाना चाहिए जो विकास की मुख्यधारा से दूर होते हैं। ऐसे लोगों के बीच पर्व की खुशी मनाते हुए हम उन्हें अपनी संस्कृति और देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत कर सकते हैं।

गौरतलब है कि रक्षाबंधन उत्सव का यह कार्यक्रम दो दिवसीय था। इस दौरान पूरब भाग के कल्याण नगर में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुहाष रावजी ने समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में जोड़ने का संदेश दिया। वहीं, पश्चिम भाग के लक्ष्मण नगर में पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख मिथिलेश नारायण जी का उद्बोधन प्राप्त हुआ। वहीं, दक्षिण भाग के सुभाषनगर में प्रांत के सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख अविनाश जी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यार्थी कार्यकर्ताओं का प्रयास, सहयोग व सहभागिता उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बांधे। इन उत्सवों में बड़ी संख्या में बच्चे, माताएं बहनें और जनमानस उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य प्रमुख लोगों में क्षेत्र के सह संपर्क प्रमुख एवं राष्ट्रधर्म पत्रिका के निदेशक मनोजकांत जी, विभाग प्रचारक अनिल जी, विभाग कार्यवाह अमितेश जी, विभाग प्रचार प्रमुख दुष्यंत जी, भाग संघचालक डॉ. विश्वजीत जी, भाग प्रचारक सतीश जी, भाग कार्यवाह शुभम जी, सह भाग कार्यवाह सतीश जी एवं अभिषेक मोहन जी, भाग सह प्रचार प्रमुख चन्द्रभूषण, सहभाग व्यवस्था प्रमुख दीपक जी आदि उपस्थित रहे।

हाईटेक टेक्नोलॉजी से अभेद्य किला बनेगी अयोध्या नगरी

सीएम योगी के निर्देश पर अयोध्या में हो रही हाईटेक सिक्योरिटी

अयोध्या, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

त्रेतायुग में दुनिया की सबसे सुरक्षित अयोध्या को एक बार फिर उसके उसी वैभवशाली स्वरूप को प्रदान करने की कवायद जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या को हाईटेक टेक्नोलॉजी से अभेद्य किला में तब्दील किया जा रहा है। प्रतिदिन बड़ी तादाद में रामभक्तों का अयोध्या आना हो रहा है।

ऐसे में उनकी सुरक्षा योगी सरकार की पहली प्राथमिकता है। इसके साथ शहर की साफ-सफाई की व्यवस्था को भी हाईटेक तरीके से मॉनिटर किया जाए, इसके लिए अयोध्या शहर को पूरी तरह से सीसी कैमरों की रेंज में लाया जा रहा है। तीसरी आंख के जरिए सुरक्षा और स्वच्छता दोनों ही व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी। इसके जरिए कंट्रोल कमांड सेंटर में बैठकर न सिर्फ संदिग्धों पर नजर रखी जा सकेगी, बल्कि चौराहों व गली-मोहल्लों में नगर निगम की ओर से मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं की भी मॉनिटरिंग की जा सकेगी। योगी सरकार ने घरों, प्रतिष्ठानों, होटलों और कार्यालयों के बाहर लगे सीसी कैमरे को पहले ही अमानीगंज स्थित कंट्रोल रूम से इंटीग्रेट कर लिया है।

अयोध्या में नव्य, भव्य और दिव्य मंदिर में रामलला के प्रतिष्ठित होने के बाद से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कह चुके हैं कि अयोध्या को ऐसे सजाया और संवारा जाए, जिससे यहां आने वाला हर एक शख्स बार-बार अयोध्या आना चाहे। इसी के तहत नगर निगम ने सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत अयोध्या में बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम की टीम स्थानीय जनता और व्यापारियों से उनके कैमरे को कंट्रोल कमांड सेंटर के मॉनिटरिंग रूम से जुड़वाने की अपील कर रही है।

सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत नगर में काम का जिम्मा एलाइड डिजिटल सर्विसेज लिमिटेड को दिया गया है। यह 8.49 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट है। रोड के किनारे के कैमरे को जलकल स्थित आईटीएमएस कार्यालय के लगे सर्वर से जोड़ दिया गया है।

दलित नर्स से बलात्कार करने वाला डॉक्टर शाहनवाज गिरफ्तार

मुरादाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

मुरादाबाद जिले एक अस्पताल में दलित नर्स से डॉक्टर द्वारा रेप किए जाने का मामला सामने आया है। जाटव बिरादरी की महिला से बलात्कार करने का आरोप अस्पताल के डॉक्टर शाहनवाज पर लगा है। मस्जिद के सामने चलने वाले हॉस्पिटल के स्टाफ जुनैद और एक अन्य महिलाकर्मी मेहनाज पर दुष्कर्म में साथ देने का आरोप लगा है। घटना शनिवार 17 अगस्त की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र में यह घटना घटी। पीड़िता नर्स की मां ने 18 अगस्त पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई। एफआईआर में बताया कि उनकी 20 वर्षीया बेटी धोबियों वाली मस्जिद के सामने चलने वाले एबीएम हॉस्पिटल में पिछले 10 महीने से नर्स का काम कर रही है। 17 अगस्त को पीड़िता नाइट ड्यूटी पर शाम 7 बजे अस्पताल गई थी। अस्पताल में अक्सर बुर्के में दिखने वाली एक अन्य स्टाफ मेहनाज ने पीड़िता को कुछ जरूरी काम बताते हुए डॉक्टर शाहनवाज के पास जाने के लिए कहा।

पीड़िता ने मना कर दिया तो मेहनाज ने फिर से उसे डॉक्टर शाहनवाज के अस्पताल के ऊपर बने कमरे में जाने के लिए कहा। इस बार अस्पताल के एक अन्य स्टाफ जुनैद ने भी पीड़िता पर शाहनवाज के पास जाने का दबाव बनाया।

आरोप है कि मना करने के बाद मेहनाज जबरन पीड़िता को शाहनवाज के कमरे में ले गई। रात में लगभग 12:30 पर कमरा बंद कर दिया गया। इसके बाद शाहनवाज ने पीड़िता से बलात्कार किया। पीड़िता ने विरोध किया और चीखी-चिल्लाई लेकिन आरोपी पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। कोई उसकी मदद के लिए भी आगे नहीं आया।

बलात्कार के बाद शाहनवाज ने पीड़िता को धमकाते हुए कहा कि अगर कहीं मुंह खोला तो जान से हाथ धोना पड़ेगा। इसी के साथ उसने चुप रहने के लिए पैसों का भी लालच दिया। आरोपी डॉक्टर ने पीड़िता नर्स का मोबाइल भी अपने पास रख लिया। सुबह जब सीनियर नर्स अस्पताल आई तो पीड़िता ने अपने साथ हुआ पूरा घटनाक्रम बताया। इसके बाद सुबह 10 बजे पीड़िता अपने घर पहुंची। इस दौरान पीड़िता की तबीयत काफी खराब थी। उसने अपनी मां को डॉक्टर शाहनवाज की सारी करतूत बताई।

एफआईआर में कहा गया है कि डॉक्टर शाहनवाज ने पीड़िता नर्स को धमकी दी और उसकी जाति का नाम लेते हुए कहा, तुम लोगों की औकात ही क्या है। इस बारे में कहीं मुंह खोला जो जान से जाएगी। रात भर नर्स को बंधक बनाने और उसके साथ रेप करने की शिकायत करते हुए आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने डॉक्टर शाहनवाज, मेहनाज और जुनैद को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61 (2), 64, 351 (2) और 127 (2) के साथ एससी/एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच एवं अन्य जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

किसानों को जलवायु परिवर्तन के खतरों से बचाएगी योगी सरकार

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

जलवायु परिवर्तन खेतीबाड़ी के लिहाज से यही भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है। भारत के लिए तो और भी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित होने वाले देशों में से एक है। यह संकट तब और बड़ा हो जाता है जब यही रिपोर्ट यह कहती है कि दुनिया की सबसे उर्वर भूमि में शुमार इंडो गंगेटिक बेल्ट पर जलवायु परिवर्तन का व्यापक स्तर पर प्रभाव पड़ेगा। फिलहाल इस बेल्ट में अभी दुनिया का करीब 15 फीसद गेहूं पैदा होता है। वर्ष 2050 तक जलवायु परिवर्तन के कारण इसमें 50 फीसद तक कमी संभव है।

स्वाभाविक है कि उत्तर प्रदेश में बिजनौर से बलिया तक गंगा के विस्तार को देखते हुए उत्तर प्रदेश भी जलवायु परिवर्तन से इंडो गंगेटिक बेल्ट के प्रदेश में विस्तार के अनुसार प्रभावित होगा। चूंकि उत्तर प्रदेश दूध समेत खाद्यान्न, साग भाजी और कई फलों के उत्पादन में देश में अग्रणी है लिहाजा इस जलवायु परिवर्तन का असर सिर्फ उत्तर प्रदेश पर ही नहीं पूरे देश के खाद्यान्न और पोषण सुरक्षा पर पड़ेगा।

इसका असर देश और प्रदेश पर कम से कम हो, इसके लिए प्रदेश की योगी सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। केंद्र की मोदी सरकार का भी इसमें भरपूर योगदान है। एक्सपर्टस की मानें तो इस संकट से निबटने के लिए कुछ मूल मंत्र हैं। मसलन कृषि विविधिकरण, फसलों का आच्छादन बढ़ाना, कृषि जलवायु के अनुकूल प्रजातियों का विकास, कम लागत में अधिक उत्पादन, प्राकृतिक खेती और तैयार उत्पाद का समय से वाजिब दाम।

इन सबमें सिंचाई के संसाधनों के विस्तार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। संयोग से उत्तर प्रदेश पर इस मामले में प्रकृति और ईश्वर की बहुत कृपा रही है। रही सही कसर योगी सरकार ने दशकों से अधूरी पड़ी बाण सागर, अर्जुन सहायक नहर और सरयू नहर राष्ट्रीय योजनाओं को पूरा करके कर दिया। छोटी और मझोली परियोजनाओं को शामिल कर लें तो योगी सरकार के कार्यकाल में तीन दर्जन से अधिक सिंचाई परियोजनाएं पूरी हुईं। इनके पूरा होने से 23.23 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त भूमि सिंचित हुई। उत्तर प्रदेश में कृषि भूमि का 86 फीसद रकबा सिंचित है।

सिंचन क्षमता के विस्तार तथा अलग-अलग 9 एग्रो क्लाइमेट जोन के नाते फसलोच्छादन और कृषि विविधिकरण भी बढ़ा है। इससे एकल खेती से होने वाला जोखिम भी घटा है। सरकार लगातार इसे बढ़ावा भी दे रही है। किसानों के लिए फसल तैयार होने के बाद उसका वाजिब दाम मिलना सबसे बड़ी आवश्यकता होती है। केंद्र की मोदी सरकार के कार्यकाल में न केवल फसलों की एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को बढ़ाया गया, बल्कि इनके दायरे में कृषि विविधिकरण और क्लाइमेट चेंज की चुनौती से निबटने के लिए नई फसलों को भी लाया गया। हाल ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने तुअर, उड़द और मसूर को भी एमएसपी पर खरीदने की घोषणा की।

इसके बहुआयामी लाभ होंगे।

दलहन की खेती को प्रोत्साहन मिलने और इसका आयात घटने से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचेगी। उल्लेखनीय है कि भारत विश्व में दलहन का सबसे बड़ा आयातक देश है। दुनिया की सर्वाधिक आबादी होने के नाते जब भी यहां मांग अधिक निकलती है अंतर्राष्ट्रीय बाजार टाइट हो जाते हैं। इससे आयात का बजट बढ़ जाता है। दलहन का उत्पादन और उपलब्धता बढ़ने से गरीबों को जरूरी मात्रा में प्रोटीन मिल सकेगा। दलहन की सभी फसलें प्रकृति से नाइट्रोजन लेकर भूमि में फिक्स करती हैं, इसका लाभ अगली फसल के लिए बोनस होगा। यही नहीं दलहन की उड़द, मूंग,उड़द जैसी फसलें शॉर्ट ड्यूरेशन की होती हैं। इससे रबी और खरीफ के बीच एक और फसल लेने के लाभ के अलावा फसलोच्छादन भी बढ़ेगा।

किसान सम्मान निधि और फसल बीमा जैसी योजनाओं से मोदी-योगी सरकार किसानों को स्वावलंबी और सशक्त करते हुए उन्हें आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा भी दे रही है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा भी क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से मुकाबले की ही कड़ी है। हाल ही में केंद्र सरकार ने खेती और बागवानी की फसलों के लिए जिन 109 प्रजातियों को जारी किया है। वह भी खेतीबाड़ी के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। उत्तर प्रदेश में खेती करने वालों की संख्या और यहां के वैविध्यपूर्ण जलवायु के मद्देनजर तो और भी। ये सभी प्रजातियां अलग-अलग कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुकूल हैं। इनका उत्पादन तो अधिक है ही रोगों, कीटों और बदलते जलवायु के प्रति भी प्रतिरोधी हैं।

बाढ़ का कहर कम, पर जारी है योगी सरकार का राहत अभियान

11 जिलों में एक दिन में 15,523 लोगों को दी गई सहायता

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रदेश में बाढ़ का कहर भले ही कम हो गया हो, लेकिन योगी सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावितों की मदद की मुहिम लगातार जारी है। वर्तमान में प्रदेश के बाढ़ प्रभावित 11 जिलों में राहत कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। यहां पर रविवार को 2735 लोगों को खाद्यान्न पैकेट बांटे गये और 2 लंगर संचालित किये गये। इसके अलावा जिन इलाकों में बाढ़ के पानी का स्तर कम हुआ है, वहां पर मेडिकल टीम द्वारा संचारी रोगों की रोकथाम के लिए विभिन्न आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि जब तक एक भी गांव बाढ़ से प्रभावित रहेगा, तब तक वहां राहत कार्य चलता रहेगा।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 11 जिले बांदा, आजमगढ़, बलिया, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, बिजनौर, देवरिया, फर्रुखाबाद, गोरखपुर, गोंडा और सीतापुर बाढ़ से प्रभावित हैं। इन जिलों की 18 तहसीलों के 133 गांव और 12 कटान वाले गांव की 89,888 जनसंख्या बाढ़ से प्रभावित है। इनमें से 15,523 जनसंख्या को रविवार को राहत सहायता प्रदान की गयी। इन जिलों में बाढ़ से 4,909 मवेशी

प्रभावित हैं, जिन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। वहीं बाढ़ की चपेट में आने से एक मवेशी की मौत हो गयी। राहत टीम द्वारा मवेशी की मौत की सर्वे रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी गयी। उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटे में पशुपालकों के खाते में मुआवजे की धनराशि भेज दी जाएगी। बाढ़ से इन जिलों का 13,239 हेक्टेयर क्षेत्रफल प्रभावित हुआ है, जिसमें फसल की क्षतिग्रस्त के आकलन के लिए सर्वे किया जा रहा है। वहीं 341 नाव और मोटरबोट द्वारा बाढ़ प्रभावितों की मदद की जा रही है। वहीं इन इलाकों में रविवार को 2735 खाद्यान्न और 100 लंच पैकेट वितरित किये गये। इसके अलावा 2 लंगर के जरिये प्रभावितों को भोजन कराया गया।

राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से प्रभावित मवेशियों के लिए पशुपालकों को 165 कुंटल भूसा वितरित किया गया। वहीं मौसम में बीमारियों को देखते हुए प्रभावित इलाकों में 5,131 क्लोरीन टैबलेट, 2,396 ओआरएस के पैकेट बांटे गये जबकि 615 मेडिकल टीम द्वारा लोगों को हेल्थ चेकअप किया जा रहा है। इन इलाकों में 802 बाढ़ चौकियों के जरिये पल-पल की निगरानी की जा रही है। इसके अलावा आपात स्थिति से निपटने के लिए इन जिलों में 713 बाढ़ शरणालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 50 व्यक्ति रह रहे हैं। वहीं 287 व्यक्तियों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 171 रनों से हराया

मकाय, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रिया मिश्रा और मिन्नू मनी की अच्छी गेंदबाजी से इंडिया ए महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ हुए तीसरे मैच को 171 रनों से जीत लिया। भारतीय महिला टीम की ओर से प्रिया ने 5 और मिन्नू ने 2 विकेट लिए। भारतीय टीम की कसी हुई गेंदबाजी के कारण जीत के लिए मिले 244 रनों के लक्ष्य का पीछा ऑस्ट्रेलिया ए 22.1 ओवर में 72 रन ही बना पायी। उसकी ओर से मैडी डार्क ने सबसे अधिक 22 जबकि टेस फ्लिंटॉफ ने 20 और चार्ली नॉट ने 11 रन बनाए।

इसके अलावा अन्य बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। ऑस्ट्रेलिया ए टीम ने पहले दो मैच जीते थे। ऐसे में उसे सीरीज में 2-1 से जीत मिल गयी। भारतीय टीम की ओर से प्रिया और मिन्नू के अलावा साइका इशाक, सोप्पाधांडी यशश्री और मेघना सिंह ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम ने टॉस जीतकर इंडिया ए महिला टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंडिया ए टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ही ओवर में श्वेता सेहरावत खाता खोले बिना ही आउट हो गयीं। इसके बाद किरण नवगिरे और उमा छेत्री ने पारी को आगे बढ़ाया। नवगिरे ने 23 गेंद पर 25 रन जबकि उमा छेत्री ने 16 रन बनाए। इसके बाद तेजल और राघवी बिष्ट ने चौथे विकेट के लिए 103 रन बनाकर पारी को संभाला। तेजल ने 50 और राघवी ने 53 रन बनाये। वहीं सजीवन सजना ने 40 और कप्तान मिन्नू ने 34 रन बनाए। इस प्रकार इंडिया ए महिला टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट पर 243 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से मेटलन ब्राउन ने 3 जबकि निकोला हैनकॉक और चार्ली नॉट ने 2-2 विकेट लिए।

द हंड्रेड : दीप्ति ने अंतिम ओवर में छक्का लगाकर लंदन स्पिरिट को जीत दिलायी

लंदन। भारत की दीप्ति शर्मा की शानदार बल्लेबाजी से लंदन स्पिरिट ने महिलाओं के द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट को जीत लिया है। टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में स्पिरिट ने वेल्श फायर को हराया। इस मैच में लंदन स्पिरिट को जीत के लिए अंतिम तीन गेंदों पर चार रन चाहिये थे। ऐसे में दीप्ति ने छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। वेल्श फायर ने इस मैच में लंदन स्पिरिट को जीत के लिए 116 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे टीम ने दीप्ति के छक्के के बल पर 2 गेंदें और 4 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। दीप्ति ने इस मैच में 16 रनों की नाबाद पारी खेली।

न्यूज ब्रीफ

आईटीएफ जे100 टेनिस टूर्नामेंट : हितेश चौहान और अर्जुन पंडित बने उपविजेता

मोहाली। राउंडग्लास टेनिस अकादमी (आरजीटीए) की डबल्स जोड़ी हितेश चौहान और अर्जुन पंडित ने हाल ही में मिस्र के डकाहलिया में खेले गए आईटीएफ जे100 टेनिस टूर्नामेंट में उपविजेता बने। यह इस जोड़ी का लगातार दूसरा उपविजेता के तौर पर फिनिश है, इससे पहले उन्होंने पिछले हफ्ते काहिरा में हुए आईटीएफ जे100 टूर्नामेंट में भी दूसरा स्थान प्राप्त किया था। चौथी वरीयता प्राप्त हितेश और अर्जुन को फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त रूसी जोड़ी दिमित्री बर्टसेव और इलिया माटलसेव से सीधे सेटों में 6-2, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी ने मिस्र के करीम माब्रुक और आयद रेदा एज़्ज़त को टाई-ब्रेकर में 6-7, 6-4, 10-8 से हराया। क्वार्टरफाइनल में भी जोड़ी को टाई-ब्रेकर में संघर्ष करना पड़ा, जहां उन्होंने मोरक्को के अमीन जामजी और अली मिस्सौम को 6-4, 2-6, 10-2 से मात दी। दूसरे दौर में, उन्होंने यमन के हमूद ऐयाद और मिस्र के यासिन नसीम को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराया।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली ने बांग्लादेश में टी20 विश्व कप के आयोजन पर कहा- वहां खेलना मुश्किल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने कहा कि उन्हें बांग्लादेश में आईसीसी टी 20 विश्व कप खेलना

मुश्किल लग रहा है, क्योंकि देश हिंसा के बाद के परिणामों और संकटों के मुश्किल दौर से गुजर रहा है, जिसके कारण कई मौतें हुईं और सरकार का तख्ता पलट हो गया। इस साल यह टूर्नामेंट 3 से 20 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा टूर्नामेंट के लिए वैकल्पिक स्थल पर निर्णय लिए जाने की उम्मीद है, जिसमें यूएई को पसंदीदा माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में भारत में टूर्नामेंट आयोजित करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। विकल्पों में श्रीलंका और जिम्बाब्वे के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से हीली ने कहा, मुझे इस समय वहां क्रिकेट इवेंट होते हुए और एक ऐसे देश से संसाधन छीनते हुए देखना मुश्किल लगता है जो संघर्ष कर रहा है। उन्हें मरने वाले लोगों की मदद करने के लिए हर संभव व्यक्ति की आवश्यकता है। मुझे इस समय वहां खेलना मुश्किल लगता है, एक इंसान के तौर पर, मुझे लगता है कि ऐसा करना गलत हो सकता है। लेकिन मैं इसे आईसीसी पर छोड़ती हूं। ऑस्ट्रेलिया अगले सोमवार को विश्व कप के लिए अपनी टीम की घोषणा करेगा। उन्होंने पिछले संस्करण के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 19 रन से हराकर अपना छठा खिताब जीता था।

इस बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतकर टीम का सपना पूरा करेंगे : लियोन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन का कहना है कि उनकी टीम इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतकर पिछले एक दशक का सूखा समाप्त करेगी। लियोन के अनुसार टीम पिछले दस साल से ट्रॉफी को हासिल नहीं कर पायी है पर इस बार उसका ये सपना पूरा किया जाएगा। साथ ही कहा कि अपनी टीम की जीत में वह अहम भूमिका निभाना चाहेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने साल 2014-15 के बाद से ही अब तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है। इस दौरान उन्हें अपने घर में भी लगातार दो सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। 2020-21 में भारत 0-1 से पीछे था और एडिलेड में 36 रन पर ऑलआउट हो गया था लेकिन उसके बाद टीम ने मेलबर्न में जीती और ब्रिस्बेन में जीतकर ट्रॉफी आने नाम की। सिडनी में टेस्ट को बराबरी पर लाने में भारतीय टीम सफल रही। लियोन के अनुसार लगभग हर प्रारुप में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और सभी ट्रॉफी जीती पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाना उन्हें काफ़ी निराशाजनक लगता है। ऑस्ट्रेलिया को एकदिवसीय विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का ख़िताब जिताने वाले कप्तान पैट कमिंस अब तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतने वाली टीम में नहीं रहे हैं।

आगामी महिला बिग बैश लीग के विदेशी ड्राफ्ट के लिए प्लेयर नामांकित

हरमनप्रीत, सोफी एक्लेस्टोन, हीथर नाइट पहले बैच में हुई शामिल

मेलबर्न, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन और हीथर नाइट उन क्रिकेटरों में शामिल हैं जिन्हें आगामी महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के विदेशी ड्राफ्ट के लिए नामांकित खिलाड़ियों के पहले बैच में शामिल किया गया है।

लीग ने सोमवार को इस साल होने वाले विदेशी ड्राफ्ट के लिए पहले 10 पुरुष और महिला खिलाड़ियों की पुष्टि की। दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली वनडे और टी20ई गेंदबाज एक्लेस्टोन सबसे अधिक मांग वाले खिलाड़ियों में से एक होंगी, हालांकि वह अपनी फ्रेंचाइजी सिडनी सिक्सर्स द्वारा रिटेन की जा सकती हैं, लेकिन क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार, प्री-ड्राफ्ट साइनिंग के दौरान न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर की सेवाएं प्राप्त करने और एलिस पेरी, एलिसा हीली और एशले गार्डनर की ऑस्ट्रेलियाई तिकड़ी के होने से सिक्सर्स को पहले दौर के प्लेटिनम मूल्य पर एक्लेस्टोन को अपने वेतन स्लॉट में फिट करने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

शबनम इस्माइल (होबार्ट हरिकेंस), डैनी व्याट (पर्थ स्कॉर्चर्स), लॉरा वोल्वार्ड्ट (एडिलेड स्ट्राइकर्स), एलिस कैप्सी (मेलबर्न स्टार्स), हीथर नाइट (सिडनी थंडर), हरमनप्रीत कौर (मेलबर्न रेनेगेड्स) और सूजी बेट्स (सिडनी सिक्सर्स) भी उन टीमों द्वारा रिटेन किए जाने के पात्र हैं जिनके साथ उन्होंने अनुबंध किया है। ड्राफ्ट के लिए नामांकन अब बंद हो चुके हैं, 500 से अधिक पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने

इसके लिए अपने नाम दिए हैं।

बारह क्रिकेट सुपरस्टार्स ने नए बहु-वर्षीय, प्री-ड्राफ्ट अनुबंधों के माध्यम से महिला बिग बैश लीग सीजन 10 और बिग बैश लीग सीजन 14 के लिए अपनी क्लब प्रतिबद्धताओं की पुष्टि पहले ही कर दी है। ड्राफ्ट के दौरान, जिन खिलाड़ियों ने खुद को ड्राफ्ट के लिए उपलब्ध कराया है, उन्हें क्लब द्वारा उनके चार विदेशी खिलाड़ी वेतन बैंड में से एक में चुना जा सकता है, जो निम्न है: प्लैटिनम (राउंड 1 या 2), गोल्ड (राउंड 2 या 3), सिल्वर (राउंड 3 या 4) या ब्रॉन्ज़ (केवल राउंड 4)। टीमों के लिए पहले से साइन किए गए खिलाड़ियों के अलावा ड्राफ्ट के जरिए कम से कम दो खिलाड़ियों का चयन करना जरूरी है।

महिला बीबीएल का 10वां संस्करण टी20 विश्व कप फाइनल के एक सप्ताह बाद शुरू होगा, जो 20 अक्टूबर को होगा, और इसका समापन ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ पहले वनडे से ठीक चार दिन पहले होगा, जो 5 दिसंबर को होगा। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के लिए यह कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा। विश्व कप के बाद कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय सीरीज, जैसे भारत बनाम न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, इन देशों के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण बीबीएल से बाहर कर सकती हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले नई फ्लड लाइट में खेले जाएंगे : पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आजकल चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में लगी है। इस आईसीसी टूर्नामेंट की सफल मेजबानी करने में कोई समस्या न आये इसको देखते हुए पीसीबी स्टेडियम में सुविधाएं बढ़ाने के साथ ही कराची और लाहौर के

स्टेडियमों में नयी फ्लडलाइट लगाने जा रहा है। पीसीबी कराची और लाहौर में नए लाइट टावर लगाने के अलावा, व्यस्त घरेलू कार्यक्रम को देखते हुए क्वेटा, एबटाबाद, पेशावर जैसे छोटे स्थानों पर भी फ्लड लाइट लगायेगी। इसके अलावा पीसीबी ने कराची में पहले से लगी फ्लड लाइट को क्वेटा और लाहौर में लगी फ्लड लाइट को रावलपिंडी में लगाने का फैसला किया जिससे लागत कम होगी। वहीं कराची और लाहौर को नये लाइट टावर मिलेंगे। पीसीबी ने अगस्त 2024 और जुलाई 2025 तक के समय के लिए किराये के आधार पर लाइट टावर उपलब्ध कराने के लिए कंपनियों से निविदाएं मांगी हैं। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि इस सब में कितनी लागत आयेगी ये अभी से पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। साथ ही कहा, ''इस प्रक्रिया से हम यह तय करना चाहते है कि घरेलू क्रिकेट के लिए छोटे स्थान भी लाइट टावरों से लैस हों। इसके तहत ही कराची, लाहौर और रावलपिंडी जैसे स्टेडियम जहां अधिकांश अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाते है वहां अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार टावर लगाए जाएंगे।'' पीसीबी ने कहा कि देश में बिजली की कमी को देखते हुए कराची, लाहौर, रावलपिंडी, मुल्तान सहित कई अन्य स्थलों पर जेनरेटर भी लगाये जाएंगे।

टीम विस्मा के डेनिश साइकिलिस्ट जोनास विंगेगार्ड ने टूर डी पोलोन जीता

वारसों, 19 अगस्त (एजेंसियां)। टीम विस्मा के डेनिश साइकिलिस्ट जोनास विंगेगार्ड ने रविवार को पोलैंड के क्राको में 81वें टूर डी पोलोन जीत ली है।

विएलिक्ज़्का से क्राको तक 142 किलोमीटर तक फैला अंतिम चरण पेलोटन फ़िनिश के साथ समाप्त हुआ, जिसमें डचमैन ओलाव कूइज (विस्मा-लीज़ ए बाइक) ने स्टेज जीत हासिल की। कूइज ने बेल्जियम के टिम मेर्लियर (सौडल क्विक-स्टेप) और गेरबेन थिजसेन (इंटरमार्चे-वांटी) को पछाड़कर टूर डी पोलोन में अपनी चौथी स्टेज जीत हासिल की, और प्रूडनिक में अपनी पिछली सफलता के बाद इस साल के संस्करण में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। अंतिम दिन विंगेगार्ड ने सामान्य वर्गीकरण में इटली के डिएगो उलिसी पर 13 सेकंड की बढ़त हासिल की। रविवार की दौड़ बिना किसी बड़े आश्चर्य के हुई, क्योंकि चार साइकिल चालकों ने ब्रेकअवे की शुरुआत की, लेकिन फ़िनिश से तीन किलोमीटर पहले पेलोटन द्वारा उन्हें पीछे कर दिया गया। विंगगार्ड ने आराम से पेलोटन के भीतर फ़िनिश लाइन पार की, जिससे सामान्य वर्गीकरण में उनकी समग्र जीत सुनिश्चित हुई।

इटली के डिएगो उलिसी (यूएई टीम एमिरेट्स) और उनके डच साथी विल्को केल्डरमैन पोडियम पर विंगेगार्ड के साथ शामिल हुए।

विंगेगार्ड ने रेस के बाद मीडिया से कहा, मैं जीत से बहुत खुश हूं। मैंने पोलैंड में प्रतिस्पर्धा करने का फैसला किया क्योंकि यह वर्ल्ड टूर रेस थी। मेरा लक्ष्य सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेना है, इसलिए मैं यहां हूं। मुझे वास्तव में गर्व महसूस हो रहा है। अब थोड़ा ब्रेक लेने का समय है।

पाक सरकार से नाराज पूर्व हॉकी खिलाड़ी

कराची। पाकिस्तान के पूर्व ओलंपियन हॉकी खिलाड़ियों ने सरकार पर अपमान करने का आरोप लगाया है। इन हॉकी खिलाड़ियों ने कहा है कि ओलंपिक स्वर्ण विजेता अरशद नदीम के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज समारोह को लेकर उन्हें जो निमंत्रण दिया गया था। उसे अंतिम समय में वापस ले लिया गया। पूर्व हॉकी खिलाड़ी नदीम काजिम ने कहा कि अतिथि प्रबंधन के नाम पर निमंत्रण पत्र पास लिए जाने से सभी पूर्व खिलाड़ी नाराज हैं।

रिंकू ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल पूरा होने पर कहा, इंडिया में हर पल के लिए आभारी हूं

मुम्बई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल पूरा कर लिया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू ने गत वर्ष आयरलैंड के खिलाफ टी20 डेब्यू किया था और तब से राष्ट्रीय टीम के साथ उनका सफर शानदार रहा है। एक साल पूरा करने के अवसर पर रिंकू ने अपने इंस्टाग्राम चैनल पर एक खास संदेश लिखा। रिंकू ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, सपने को वास्तविकता में बदलने के एक साल बाद। टीम इंडिया में हर पल के लिए आभारी हूं। जय हिंद।

रिंकू को आईपीएल 2023 में अपने आक्रामक बल्लेबाजी के बाद पहचान मिली थी जिसके बाद उन्हें टीम इंडिया में भी जगह मिली।

रिंकू ने अपने घरेलू क्रिकेट करियर में अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 सहित विभिन्न स्तरों पर उत्तर प्रदेश की ओर से खेला। उन्होंने मार्च 2014 में उत्तर प्रदेश के लिए लिस्ट ए में पदार्पण किया और 2016-17 रणजी ट्रॉफी में अपना प्रथम श्रेणी पदार्पण किया। घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन से उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जगह दिलाई, जहां उन्हें 2017 में किंग्स इलेवन पंजाब और बाद में 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने खरीदा। आईपीएल में रिंकू को शुरुआत में अपनी जगह बनाने में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपना ज़्यादातर समय बाहर बैठकर बिताया। हालांकि 2022 के सीजन में उनकी किस्मत बदल गई, जहां उन्होंने सात मैचों में 34.80 की औसत और 148.72 की स्ट्राइक रेट से 174 रन बनाए। इस प्रदर्शन ने केकेआर के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का ध्यान खींचा जिन्होंने रिंकू की प्रशंसा की और युवा खिलाड़ी की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की।

2023 का सीजन रिंकू के लिए सबसे अच्छा साबित हुआ। उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और 14 मैचों में 59.25 की औसत और 149.52 की स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाकर केकेआर के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। उनके शानदार फॉर्म ने उन्हें पहचान दिलाई और आखिरकार उन्हें भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल कर लिया गया।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पाकिस्तान को झटका, तेज गेंदबाज आमिर जमाल चोटिल

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज आमिर जमाल को फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है, जिससे इस महत्वपूर्ण सीरीज के लिए पाकिस्तान की लाइनअप पर असर पड़ सकता है।

जमाल, जिन्हें इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते समय पीठ में चोट लगी थी, को शुरू में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला के लिए पाकिस्तान की टीम में फिटनेस मंजूरी मिलने तक शामिल किया गया था। हालांकि, 28 वर्षीय खिलाड़ी अपनी पीठ की समस्या से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और उन्हें पुनर्वास के लिए लाहौर में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी भेजा गया है।

जमाल के जाने के साथ, बुधवार से शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए पाकिस्तान की टीम अब सिर्फ 14 खिलाड़ियों की रह गई है। इससे पहले सप्ताहांत में स्पिनर अबरार अहमद और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज कामरान गुलाम को भी टीम से बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में पूरी तरह से तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगा, जिसका नेतृत्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और वापसी कर रहे

नसीम शाह करेंगे। तेज गेंदबाजी लाइनअप में खुर्रम शहजाद और मीर हमजा भी शामिल होंगे।

इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने प्रभावशाली पदार्पण के बाद जमाल से अंतिम एकादश में जगह बनाने की उम्मीद थी। उनकी चोट अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के उनके अवसर में देरी करेगी।

वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में छठे स्थान पर काबिज पाकिस्तान का लक्ष्य बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज जीत हासिल करना है ताकि अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में पहुंचने की उनकी संभावना बढ़ सके।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट रावलपिंडी में होगा

लाहौर। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट के लिए मैच स्थल में बदलाव किया गया है और अब ये कराची की जगह पर रावलपिंडी में होगा। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि कराची के नेशनल स्टेडियम में चल रहे नवीनीकरण कार्य के कारण ये बदलाव किया गया है। साथ ही कहा कि इस मामले में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से बात की गयी थी। पहला टेस्ट 21 अगस्त से रावलपिंडी में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट मैच 30 अगस्त से तीन सितंबर के बीच कराची में खाली स्टेडियम में होगा। पाकिस्तान अगले साल आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा और इसी को देखते हुए कराची स्थित नेशनल स्टेडियम का नवीनीकरण किया जा रहा है। पीसीबी की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'हमारे निर्माण विशेषज्ञों ने हमें आयोजन स्थल की तैयारी के लिए समय-सीमा के बारे में बताया है। उन्होंने सलाह दी कि मैच के दौरान निर्माण जारी रह सकता है और इसके शोर से खिलाड़ियों को परेशानी हो सकती है।

द. अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए रसेल, होल्डर व जोसेफ को आराम

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी तीन मैचों की घरेलू टी-20 श्रृंखला के लिए टीम घोषित कर दी है। हरफनमौला खिलाड़ी आंद्रे रसेल सीरीज से बाहर रहेंगे, क्योंकि उन्होंने आराम और रिकवरी के लिए कुछ समय मांगा है।

36 वर्षीय रसेल जून में अपने घरेलू विश्व कप के दौरान वेस्टइंडीज की सुपर आठ तक की दौड़ का हिस्सा थे और हाल ही में द हंड्रेड टीम लंदन स्पिरिट के लिए खेले थे।

रसेल और जेसन होल्डर, जिन्हें टी20आई के लिए भी आराम दिया गया है, सीडब्ल्यूआई विज्ञान और चिकित्सा टीम के साथ मिलकर काम करेंगे। अल्जारी जोसेफ, जो टी20 विश्व कप के दौरान वेस्टइंडीज के उप-कप्तान थे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, वे भी आराम करना जारी रखेंगे।

सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग भी इस सीरीज में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि वह जून में इंग्लैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज के सुपर आठ मैच के दौरान लगी साइड स्ट्रेन से उबर रहे हैं। किंग ने तब से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। उनकी अनुपस्थिति में, शाई होप जॉनसन चार्ल्स के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत कर सकते हैं, जबकि रूकी एलिक अथानाज़े भी शीर्ष पर काम कर सकते हैं।

वेस्टइंडीज के व्हाइट-बॉल कोच डैरेन सैमी ने सीडब्ल्यूआई के एक बयान में कहा, दक्षिण अफ्रीका की मजबूत टीम का सामना करना हमारी टीम के लिए अपने खेल की योजना को फिर से बनाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने का एक शानदार अवसर है। हमने हाल ही में उनके साथ खेला है और मिश्रित परिणाम मिले हैं, इसलिए यह एक रोमांचक और महत्वपूर्ण श्रृंखला होनी चाहिए। मुझे हमारे द्वारा चुनी

गई टीम पर भरोसा है, और 2026 में अगले टी20 विश्व कप पर नज़र रखने के साथ, मुझे पता है कि खिलाड़ी सफलता के लिए अपनी भूख दिखाने के लिए उत्सुक होंगे।

शिमरोन हेटमायर, जिन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में एक भी मैच नहीं खेला था, ने टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। हेटमायर ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में वेस्टइंडीज के लिए टी20 मैच खेला था।

अथानाज़े के साथ, ऑलराउंडर मैथ्यू फ़ोर्ड को 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए चुना गया है। फ़ोर्ड नई गेंद को स्विंग कर सकते हैं और निचले क्रम में छक्के लगा सकता है और सीपीएल में सेंट लूसिया किंग्स में सैमी के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर फ़ेबियन एलन टीम में वापस आ गए हैं, जो टी20 विश्व कप के लिए कट से चूक गए थे। वह स्पिन आक्रमण को मजबूत करेंगे जिसमें पहले से ही अकील होसेन, गुडाकेश मोती और रोस्टन चेज शामिल हैं। एलन ने जुलाई में जाफना किंग्स के साथ लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) जीती थी। तरौबा ब्रायन लारा स्टेडियम तीनों टी20 की मेज़बानी करेगा। श्रृंखला का पहला मैच 24 अगस्त, दूसरा 26 अगस्त और तीसरा 28 अगस्त को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए वेस्टइंडीज की टीम

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेस (उप-कप्तान), एलिक अथानाज़े, फैबियन एलन, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ओबेद मैककॉय, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

संपादकीय

फिर बहेगी चुनावी बयार

चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनावों की दिनांकों की घोषणा कर दी है। अब फिर देश में चुनावी बयार बहेगी। चूँकि हम डिजिटल दुनिया में रह रहे हैं इसलिए चुनाव भले ही जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में होंगे लेकिन उसकी गूँज एवं चर्चा समूचे देश में होगी। लोकसभा चुनावों की खुमारी अभी उतरी भी नहीं थी कि एक बार फिर प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता एवं कार्यकर्ता एक-दूसरे के विरुद्ध नकारात्मक बयान देते समय मर्यादाओं का उल्लंघन करेंगे। जिसका प्रतिकूल असर सामाजिक एवं सांप्रदायिक सद्भाव पर पड़ेगा। कितना अच्छा हो कि बार-बार चुनाव से निजात मिल जाए। देश में सभी चुनाव एक साथ सम्पन्न हो जाएं तो बार-बार की चुनावी हाय-तौबा से भी बचा जा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार-बार 'एक देश-एक चुनाव' का आह्वान कर रहे हैं लेकिन प्रत्येक मुद्दे एवं कार्य का विरोध करने का अभ्यासी विपक्ष देश और समाज हित के इस मुद्दे का भी विरोध करता है। विरोध की यह राजनीति सार्थक सुधारों में बाधक बन रही है। देश की जनता को ही यह विचार करना चाहिए कि आएदिन की चुनावी चकल्लस से बचने के लिए वह किस प्रकार 'एक देश-एक चुनाव' के लिए वातावरण बना सकती है। बहरहाल, दोनों ही राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग ने इस बात का ध्यान रखा है कि चुनावी प्रक्रिया अनावश्यक रूप से लंबी न हो। माना जा सकता है कि आयोग ने लोकसभा चुनाव से सबक लिया है। इस बार लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया अत्यधिक लंबी होने के कारण से उबाऊ हो गई थी। जिसके कारण चुनावों में नीरसता आ गई थी। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में भी सरकार ने अपने वादे के अनुसार चुनाव सम्पन्न करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। दरअसल, प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण पिछले पांच वर्ष से जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार नहीं थी। इसलिए जम्मू-कश्मीर में चुनावों की बेसब्री से प्रतिक्षा की जा रही थी। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे लेकर अधिकतम 30 सितंबर की समयसीमा तय कर दी थी। यह अच्छा है कि उसका सम्मान करते हुए चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया समयसीमा खत्म होने से काफी पहले शुरू कर दी। जम्मू-कश्मीर के लिए चुनाव इसलिए भी खास हैं क्योंकि अनुच्छेद-370 के तहत मिला विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव होगा। इससे पहले लोकसभा चुनावों में मतदाताओं का जो उत्साह देखने को मिला, उसको देखते हुए इन चुनाव से एक नए दौर की शुरुआत की उम्मीद अस्वाभाविक नहीं कही जाएगी। हालांकि आतंक की छिटपुट घटनाएं वहां अब भी हो रही हैं, लेकिन इसके पीछे आतंकी तत्वों की मंशा इन चुनावों को बाधित करने की ही लगती है। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव ही उन तत्वों की साजिशों का सबसे अच्छा जवाब हो सकता है। वहीं, हरियाणा के चुनाव इस लिहाज से दिलचस्प हो गए हैं कि लगातार दो बार सरकार बनाने वाली भाजपा के लिए लोकसभा चुनावों के परिणाम मनमाफिक नहीं आए। इसके बाद वहां कांग्रेस को अपने लिए ज्यादा उम्मीद नजर आ रही है। हालांकि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के परिणाम एक-दूसरे को प्रभावित नहीं करते हैं। कई बार देखने में आया है कि राज्यों में लोकसभा की कम सीटें पानेवाली पार्टी विधानसभा चुनावों में बहुमत पा जाती है। पिछली बार राजस्थान, मध्यमप्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पक्ष में इसी प्रकार का परिणाम आया। इसलिए हरियाणा में लोकसभा के निराशाजनक परिणाम से भाजपा हतोत्साहित नहीं है। यदि उसकी तैयारी अच्छी रही तो भाजपा तीसरी बार सरकार बना सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार-बार 'एक देश-एक चुनाव' का आह्वान कर रहे हैं लेकिन प्रत्येक मुद्दे एवं कार्य का विरोध करने का अभ्यासी विपक्ष देश और समाज हित के इस मुद्दे का भी विरोध करता है। विरोध की यह राजनीति सार्थक सुधारों में बाधक बन रही है। देश की जनता को ही यह विचार करना चाहिए कि आएदिन की चुनावी चकल्लस से बचने के लिए वह किस प्रकार 'एक देश-एक चुनाव' के लिए वातावरण बना सकती है। बहरहाल, दोनों ही राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग ने इस बात का ध्यान रखा है कि चुनावी प्रक्रिया अनावश्यक रूप से लंबी न हो। माना जा सकता है कि आयोग ने लोकसभा चुनाव से सबक लिया है। इस बार लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया अत्यधिक लंबी होने के कारण से उबाऊ हो गई थी। जिसके कारण चुनावों में नीरसता आ गई थी। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में भी सरकार ने अपने वादे के अनुसार चुनाव सम्पन्न करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। दरअसल, प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण पिछले पांच वर्ष से जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार नहीं थी। इसलिए जम्मू-कश्मीर में चुनावों की बेसब्री से प्रतिक्षा की जा रही थी।

हमें रहना होगा अत्यंत सावधान

पूर्वोत्तर पर नजर गड़ाए बैठी हैं भारत विरोधी ताकतें

लेफ्टिनेंट जनरल (रि.)
एमके दास

5 अगस्त 24 को बांग्लादेश में तख्तापलट और सत्ता परिवर्तन के बाद, पड़ोसी देश में घटनाएं तेज गति से सामने आई हैं। शेख हसीना सरकार को हटाने और 8 अगस्त 24 को नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के तहत एक अंतरिम सरकार द्वारा सत्ता संभालने के कई कारण सामने आए हैं और कुछ अभी भी सामने नहीं आए हैं। पूरी सच्चाई भले ही सामने न आए लेकिन तख्तापलट ने बांग्लादेश को फिलहाल अस्थिर कर दिया है। बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति में सामान्य रूप से भारत की सुरक्षा और विशेष रूप से भारत के उत्तर पूर्व के लिए स्पष्ट सुरक्षा के खतरे इंगित हैं।

नवीनतम मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश में 1.3 करोड़ हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में कमी के संकेत मिले हैं। यूनुस ने 16 अगस्त 24 को पीएम मोदी से बात की थी और उन्होंने आश्वासन दिया था कि हिंदुओं की रक्षा की जाएगी। बांग्लादेश पुलिस जिसने 31 जुलाई 24 को अपने 14 पुलिसकर्मियों की हत्या के बाद ड्यूटी से अनुपस्थित हो गई थी, कम से कम ढाका में फिर से दिखी है। सेना हिंदुओं के निवास क्षेत्रों में गश्त कर रही है। अंतरिम सरकार ने खेद व्यक्त किया है कि वे हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सके, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच गहरी खाई स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। अवामी लीग (एएल) के नेताओं को अभी भी निशाना बनाया जा रहा है और प्रमुख नेता छिप गए हैं। छात्र नेता ब्लॉक एक अन्य शक्ति केंद्र के रूप में उभरा है और वे बांग्लादेश में न्यायपालिका से इस्तीफा दिलाने में सक्षम हैं। पिछली अवामी लीग सरकार के अनुकूल अधिकारियों को हटाया जा रहा है। संक्षेप में, बांग्लादेश में कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व में एक नया शक्ति समीकरण अच्छी तरह से स्थापित हो गया है। बांग्लादेश के साथ संबंधों के पुनर्निर्माण के लिए भारत को नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ सकती है।

अब हम भारत के उत्तर पूर्व पर एक नजर डालते हैं। भारत के पूर्वोत्तर में सात राज्य हैं, अर्थात् असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, मणिपुर और त्रिपुरा। इन सात राज्यों को सेवन सिस्टर्स कहा जाता है। इसके अलावा, सिक्किम रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य है, जो 1975 में भारत के साथ एकीकृत हुआ था। सिक्किम को पूर्वोत्तर का भाई राज्य कहा जाता है। इस प्रकार, कुल आठ राज्यों में भारत का पूर्वोत्तर (अष्टलक्ष्मी) शामिल है और पूरे क्षेत्र में भारत के लिए रणनीतिक और सुरक्षा निहितार्थ हैं। भारत का पूर्वोत्तर कई पड़ोसी देशों के साथ 5185 किलोमीटर की अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। यह उत्तर में चीन के साथ 1395 किमी, पूर्व में म्यांमार के साथ 1643 किमी, दक्षिण पश्चिम में बांग्लादेश के साथ 1596 किमी, पश्चिम में नेपाल के साथ 97 किमी और उत्तर पश्चिम में भूटान के साथ 455 किमी सीमा साझा करता है।

उत्तर बंगाल में स्थित सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत के पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ता है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे चिकन नेक भी कहा जाता है, भूमि का एक संकीर्ण गलियारा है, जो लगभग 170 किमी लंबा और 60 किलोमीटर चौड़ा है। इसके सबसे संकरे खंड सिर्फ 20 किमी चौड़े हैं। यह गलियारा दक्षिण पश्चिम में बांग्लादेश, उत्तर पश्चिम में नेपाल और सिलीगुड़ी शहर द्वारा भूटान से जुड़ता है। भूटान की ओर से, डोकलाम पठार के माध्यम से सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लिए खतरा बनता है। इसी स्थान पर जून 2017 के मध्य से दो महीने से अधिक समय तक प्रसिद्ध भारत-चीन गतिरोध चला था और यह अभी भी हमारे दिमाग में ताजा है। भारतीय सेना की वीरतापूर्ण कार्रवाई के कारण चीन पीछे हट गया, लेकिन इस घटना ने सिलीगुड़ी गलियारे के लिए संभावित खतरे के महत्व को रेखांकित किया। एक अस्थिर बांग्लादेश के साथ, चीन और उसके प्रॉक्सी को सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लिए खतरा पैदा करने के लिए एक और अवसर मिलता है।

भारत के पूर्वोत्तर के लिए मुख्य खतरा इस क्षेत्र में आतंकवाद के फिर से पनपने से है। दशकों के सैन्य अभियानों और शांति निर्माण की पहल के बाद, इस क्षेत्र में अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण देखा गया है। राज्य और केंद्र सरकार की मशीनरी क्षेत्र की प्रगति और विकास के लिए मिलकर काम कर रही है। सामान्य स्थिति का एक स्पष्ट संकेत सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) को राज्यों में फैले क्षेत्र के बड़ी संख्या में अनेक जिलों से हटा दिया गया है। बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) जैसे क्षेत्रीय समूहों के माध्यम से मोदी सरकार की एक्ट ईस्ट पॉलिसी सफल हुई थी। बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल (बीबीआईएन) मोटर वाहन समझौता जैसी कुछ कनेक्टिविटी पहल इस नीति के कारण काफी हद तक सफल रही हैं।

भारत के पूर्वोत्तर के लिए मुख्य खतरा इस क्षेत्र में आतंकवाद के फिर से पनपने से है। दशकों के सैन्य अभियानों और शांति निर्माण की पहल के बाद, इस क्षेत्र में अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण देखा गया है। राज्य और केंद्र सरकार की मशीनरी क्षेत्र की प्रगति और विकास के लिए मिलकर काम कर रही है। सामान्य स्थिति का एक स्पष्ट संकेत सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) को राज्यों में फैले क्षेत्र के बड़ी संख्या में अनेक जिलों से हटा दिया गया है। बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) जैसे क्षेत्रीय समूहों के माध्यम से मोदी सरकार की एक्ट ईस्ट पॉलिसी सफल हुई थी। बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल (बीबीआईएन) मोटर वाहन समझौता जैसी कुछ कनेक्टिविटी पहल इस नीति के कारण काफी हद तक सफल रही हैं।

म्यांमार में स्थिति में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। म्यांमार चार पूर्वोत्तर राज्यों, अरुणाचल प्रदेश (520 किमी), नागालैंड (215 किमी), मणिपुर (398 किमी) और मिजोरम (510 किमी) के साथ सीमा साझा करता है। म्यांमार में बड़ी संख्या में सताए गए रोहिंग्या पहले ही भारत में घुसपैठ कर चुके हैं। अराकान सेना, म्यांमार में सैन्य शासन का विरोध करने वाला एक प्रमुख उग्रवादी बल है, जो पश्चिमी राज्य रखाइन के नियंत्रण में है और माना जाता है कि इसे चीन से हथियार और गोला-बारूद प्राप्त हुआ है। अतीत में, म्यांमार के इस क्षेत्र ने उग्रवादी समूहों को शरण दी है जो मणिपुर, नागालैंड और मिजोरम में सक्रिय थे। मणिपुर में खतरा मैतेई और कुकी-ज़ो समुदायों के बीच जातीय संघर्ष के कारण अधिक स्पष्ट है।

मणिपुर में दोनों समूहों के साथ भारी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद के साथ बड़ी हिंसा की प्रवृत्ति ने सुरक्षा एजेंसियों को आश्चर्यचकित कर दिया है। बांग्लादेश की स्थिति मणिपुर को अस्थिर करने के लिए विरोधी ताकतों को बढ़ावा दे सकती है। मुझे लगता है कि मणिपुर में सुरक्षा स्थिति और शांति की पहल को एक साथ जारी रखने के लिए अगले तीन महीने महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं। इस बीच, मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमा पर 398 किलोमीटर की एकीकृत बाड़ के निर्माण के लिए गंभीर प्रयास जारी रहने चाहिए।

भारत के पूर्वोत्तर के सबसे महत्वपूर्ण राज्य यानी असम को लेकर चिंतित हूं। कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार के साथ, अफस्पा के प्रावधान अब राज्य के केवल चार जिलों में लागू हैं, जो अपेक्षाकृत अधिक अशांत हैं। असम में शांतिपूर्ण वातावरण भारतीय सेना को आतंकवाद-रोधी भूमिका से मुक्त कर दिया है और उन्होंने चीन के साथ सीमाओं की रक्षा करने की अपनी मुख्य भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया है। असम में आतंकवाद के फिर से उभरने की किसी भी घटना को रोकने के लिए पुलिस, अर्द्धसैनिक बलों और खुफिया एजेंसियों को पूरी तरह सक्रिय होना होगा। उल्फा (आई) उग्रवादी समूह द्वारा ऊपरी असम में हिंसा फैलाने का प्रयास करने के संकेत हैं। मैंने 2004-2006 से उग्रवाद के चरम पर असम राज्य में अपनी बटालियन की कमान संभाली थी और इस राज्य के सुरक्षा परिवेश को अच्छी तरह समझता हूं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि असम पुलिस राज्य में किसी भी आतंकवादी गतिविधि से निपटने और रोकने के लिए एक सक्षम बल है।

मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा राज्यों ने हाल के वर्षों में बेहतर शांति देखी है। मिजोरम दशकों से पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा है। मुझे संदेह है कि इन राज्यों में एक बार फिर से किसी प्रकार के संघर्ष को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जाएगा। बीएसएफ और असम राइफल्स जैसी सीमा सुरक्षा एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। इन्हें देखना होगा कि बांग्लादेश में मानवीय संकट की आड़ में उग्रवादी और गैरकानूनी तत्व हमारी सीमाओं के अंदर न घुस सकें। सीमा पर एक सावधानीपूर्वक निस्पंदन प्रक्रिया और पूरी तरह से जांच आवश्यक हो सकती है।

पाकिस्तान आईएसआई की मदद से चीन का समग्र गेमप्लान जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर दोनों में काउंटर टेररिज्म (सीटी) अभियानों में भारतीय सेना को बांधना होगा। यदि वो आंशिक रूप से भी सफल हो जाते हैं तो चीन और पाकिस्तान के साथ सीमाओं पर सेना की प्रतिबद्धता कमजोर पड़ जाती है। हमारे दुश्मनों को एहसास हो गया है कि वे पारंपरिक युद्ध में भारत का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, भले ही यह दो मोर्चों पर युद्ध हो। इसलिए, उनकी भव्य रणनीति भारतीय सेना को सीमाओं से वापस बुलाने और उन्हें सीटी ग्रिड में उलझा कर रखना है। इस रणनीति की झलक जम्मू-कश्मीर राज्य में पहले से ही दिखाई दे रही है, खासकर जम्मू क्षेत्र में। भारत के अधिकांश पूर्वोत्तर अस्थिर रखने से, यह कम लागत वाला विकल्प भारत को कमजोर करने की काबलियत रखता है।

भारत के नेतृत्व को निश्चित रूप से पूर्वोत्तर में सुरक्षा के लिए आसन्न खतरों से अवगत होना चाहिए। हमारे शत्रुओं द्वारा बिछाए जा रहे जाल में फंसने से बचने के लिए रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता होगी। विगत में ऐसी स्थितियों से निपटने के हमारे पिछले अनुभव तथा हमारे निकटस्थ पड़ोस में घटित घटनाओं की निगरानी करने से इस क्षेत्र में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की दिशा में भारत राष्ट्र मजबूत होगा।

कुछ अलग

लुटती जाए द्रौपदी, जगह-जगह पर आज

2012 में 23 वर्षीय दिल्ली की छात्रा निर्भया काण्ड यानी ज्योति सिंह के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की घटना ने पूरे देश में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और भारत में महिलाओं की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा दिया था। निर्भया हत्याकांड के बाद यौन हिंसा पर सख्त कानून बनाए गए और अंततः बलात्कार के लिए मौत की सज़ा का प्रावधान किया गया। इसके बावजूद यौन अपराध खत्म नहीं हुए हैं। बलात्कार की प्रकृति अधिक आक्रामक, अधिक क्रूर हो गई है और एक हद तक सतर्कतावाद और गैंगस्टरवाद का एक रूप बन गई है। भारत में लगभग हर दिन क्रूर बलात्कार की रिपोर्ट की गई है, और हाल के वर्षों में भयानक यौन हमलों की रिपोर्ट में वृद्धि हुई है। "यह नया भारत है जहाँ कानून का शासन पूरी तरह से टूट गया है, जिसका सीधा असर महिलाओं पर पड़ रहा है, क्योंकि यह पितृसत्ता के बेधड़क अतिक्रमणों का दौर भी है। पीड़ितों के इर्द-गिर्द प्रचलित कलंक और पुलिस जाँच में विश्वास की कमी के कारण बड़ी संख्या में बलात्कार की रिपोर्ट नहीं की जाती है। भारत की पंगु पड़ी आपराधिक न्याय प्रणाली में मामले सालों तक अटके रहने के कारण दोषसिद्धि दुर्लभ बनी हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़ों के अनुसार, भारत में औसतन प्रतिदिन लगभग 90 बलात्कार की रिपोर्ट की गई। वर्ष 2022 में, पुलिस ने एक युवती के साथ कथित क्रूर सामूहिक बलात्कार और यातना के बाद 11 लोगों को गिरफ्तार किया, जिसमें उसे दिल्ली की सड़कों पर घुमाया गया था। 2022 में ही, भारत में एक पुलिस अधिकारी को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक 13 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप है, जो अपने साथ सामूहिक बलात्कार की रिपोर्ट करने के लिए उनके स्टेशन गई थी। मार्च में, अपने पति के साथ मोटरसाइकिल यात्रा पर गई एक स्पेनिश पर्यटक के सामूहिक बलात्कार के बाद कई भारतीय पुरुषों को गिरफ्तार किया गया था। 2021 में, मुंबई में एक 34 वर्षीय महिला की बलात्कार और क्रूरतापूर्वक प्रताड़ित किए जाने के बाद मृत्यु हो गई। एक भारतीय छात्रा के कुख्यात सामूहिक बलात्कार और हत्या ने 2012 में वैश्विक सुर्खियाँ बटोरीं। 23 वर्षीय फिजियोथेरेपी की छात्रा ज्योति सिंह के साथ उस वर्ष दिसंबर में नई दिल्ली में एक बस में पाँच पुरुषों और एक किशोर ने बलात्कार किया, हमला किया और उसे मरने के लिए छोड़ दिया। इस भयानक अपराध ने भारत में यौन हिंसा के उच्च स्तर पर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियाँ बटोरीं और हफ़्तों तक विरोध प्रदर्शन हुए और अंततः बलात्कार के लिए मृत्युदंड पेश करने के लिए कानून में बदलाव किया गया। इन हमलों की क्रूर और भयावह प्रकृति ने भारतीय समाज को झकझोर दिया है और एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है। भारत की सदियों पुरानी भेदभावपूर्ण जाति व्यवस्था के सबसे निचले स्तर की महिलाएँ – जिन्हें दलित के रूप में जाना जाता है – यौन हिंसा और अन्य हमलों के लिए विशेष रूप से असुरक्षित हैं। महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा और भी सामान्य हो गई है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया पर ट्रोल, जो हर मुखर महिला या उसकी बेटी को चुप कराना, गाली देना या बलात्कार करना चाहते हैं, उन्हें जवाबदेह नहीं बनाया जाता है। उल्लंघनकर्ताओं के पास बढ़ती हुई दंडमुक्ति और न्यायिक साधन भी राजनीतिक आकाओं के सामने आत्मसमर्पण करने के साथ, बलात्कार से लड़ना कठिन हो गया है। देश में महिलाओं के खिलाफ़ यौन अपराधों में वृद्धि, साथ ही देश की कठोर जाति व्यवस्था के सबसे निचले पायदान पर रहने वालों के साथ व्यवहार, ऊपर से नीचे तक दंडमुक्ति की संस्कृति के परिणामस्वरूप एक उत्साहजनक कारक के रूप में कार्य करता है।

देश दुनिया से

गांव और शहरों का नियोजित निर्माण आवश्यक

वर्ष 2023-2024 में बादल फटने की घटनाओं ने भयावह रूप धारण कर लिया है। बादल फटने की घटनाओं के लिए हिमालय क्षेत्रों में बढ़ती निर्माण गतिविधियां जिम्मेदार हैं। इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। एक और प्राकृतिक आपदा जिसका खतरा भी हमेशा मंडरा रहा होता है वह है भूकंप। भूकंप एक प्राकृतिक घटना है, जिसे रोका नहीं जा सकता, परंतु इसके खतरे की पहचान करके, सुरक्षित संरचनाओं का निर्माण और सुरक्षा पर शिक्षा प्रदान करके इसके प्रभावों को कम किया जा सकता है। भूकंप एक ऐसी अद्भुत घटना है, जो बिना किसी चेतावनी के घटित होती है। भूकंप के दौरान इमारतें गिरती हैं, क्योंकि अधिकांश इमारतें भूकंपरोधी नहीं होती हैं। राज्य में भूकंपों का लंबा इतिहास दर्ज है।

हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक आपदाओं वाला राज्य है। प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं कुछ वर्षों से लगातार घटित हो रही हैं। वर्ष 2023-2024 में बादल फटने की घटनाओं ने भयावह रूप धारण कर लिया है। बादल फटने की घटनाओं के लिए हिमालय क्षेत्रों में बढ़ती निर्माण गतिविधियां जिम्मेदार हैं। इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। एक और प्राकृतिक आपदा जिसका खतरा भी हमेशा मंडरा रहा होता है वह है भूकंप। भूकंप एक प्राकृतिक घटना है, जिसे रोका नहीं जा सकता, परंतु इसके खतरे की पहचान करके, सुरक्षित संरचनाओं का निर्माण और सुरक्षा पर शिक्षा प्रदान करके इसके प्रभावों को कम किया जा सकता है। भूकंप एक ऐसी अद्भुत घटना है, जो बिना किसी चेतावनी के घटित होती है। भूकंप के दौरान इमारतें गिरती हैं, क्योंकि अधिकांश इमारतें भूकंपरोधी नहीं होती हैं। राज्य में भूकंपों का लंबा इतिहास दर्ज है। हिमाचल प्रदेश में 7 जिले चंबा, कुल्लू, कांगड़ा, ऊना, हमीरपुर, मंडी और बिलासपुर बहुत अधिक क्षति जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र में आते हैं, जबकि 5 जिले शिमला, किन्नौर, लाहुल-स्पीति और सिरमौर उच्च क्षति वाले जोखिम क्षेत्र में आते हैं। हिमाचल प्रदेश मे वर्ष 2022 में छोटे और मध्यम किस्म के 53 भूकंप आए। साल 2023 में 10 से अधिक झटके महसूस किए गए। मंडी में 9 जुलाई 2024 को सुबह के समय 3.3 तीव्रता का भूकंप आया। जिला कांगड़ा में भी लगातार थोड़े-थोड़े अंतराल के बाद भूकंप के झटके आते रहते हैं, परंतु इनकी तीव्रता कम होती है। 4 अप्रैल 1905 की सुबह आए 7.8 की तीव्रता वाले भूकंप ने कांगड़ा में 20,000 इंसानी जानें ली और एक लाख के करीब इमारतें तहस-नहस की। अगर पिछले 100 वर्षों का रिकार्ड देखें तो हिमाचल प्रदेश में 1300 बार भूकंप के झटके आए हैं। इनमें से 7 झटके जिनकी तीव्रता 6 से 6.9 के बीच थी। शेष की तीव्रता कम ही रही है। कई बार अफगानिस्तान में आए भूकंप से धर्मशाला, शिमला और दिल्ली के भवनों के हिलने पर यही कह सकते हैं कि हमारे भवन भूकंप की दृष्टि से बहुत कमजोर हैं। वर्ष 2011 में राज्य द्वारा गिने गए 25,75,947 ढ़ांचों में से कोई भी भूकंप प्रतिरोधी नहीं था। हिमाचल प्रदेश में भवन भूकंप रोधी नहीं हैं। ये नरम मिट्टी एवं ढ़लान पर बने हैं। अगर नरम मिट्टी एवं ढ़लान पर बहुमंजिले भवन बने हों तो भूकंप ज्यादा नुकसान करता है। धर्मशाला में अवैध और बेतरतीब निर्माण को लेकर 2018 मे कार्यवाहक मुख्य नयायाधीश संजय करोल ने राज्य सरकार को फटकार लगाई थी और कहा था कि क्या सरकार सोई हुई है, जो भूकंप के लिहाज से संवेदनशील धर्मशाला में ऐसे निर्माण को होने दे रही है। हाल ही में समाचार पत्र मे छपी एक रिपोर्ट के अनुसार नूरपुर म्यूनिसिपल कमेटी में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण जोरों पर है। कोई नक्शा पास नहीं करवाया जाता है। रेवेन्यू तथा स्थानीय निकाय अवैध निर्माण के लिए कोई नोटिस जारी नहीं करते। वर्तमान में सरकार की शर्तों के अनुसार बिना एनओसी के पानी और बिजली का कनेक्शन भी मिल जाता है। इस तरह का निर्माण आपदा के समय दूसरे भवनों के लिए खतरा होता है। पालमपुर में भी अवैध निर्माण तथा टीसीपी के नियमों के विरुद्ध निर्माण को अनुमति देने के आरोप में म्यूनिसिपल कारपोरेशन के जूनियर इंजीनियर को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। अवैध निर्माण और नियमों के उल्लंघन की स्थिति सभी स्थानीय निकायों में नूरपुर और पालमपुर जैसी ही है। कैग ने 2017 में हिमाचल सरकार को चेतावनी दी थी कि शिमला में कई भवन ढ़लान पर बने हैं। भूकंप आने पर ज्यादा नुकसान होगा। अक्तूबर 2021 में शिमला कच्चीघाटी में कच्ची मिट्टी और ढ़लान पर बनी सात मंजिला भवन के गिरने से और साथ लगते भवनों को भी नुकसान हुआ। जुलाई 2019 में सोलन कुमारहट्टी मे धराशायी हुए चार मंजिल होटल में असम राईफल के कुछ सैनिक तथा होटल मालिक की मौत हो गई थी। हिमाचल सरकार को आपदा प्रबंधन नियमों के तहत भवन निर्माण करवाना चाहिए। हिमाचल में सरकारी एवं निजी भवन भूकंपरोधी बनाए जाने चाहिए और पुराने सरकारी एवं निजी भवनों का आडिट कर उनकी खामियों को दुरस्त किया जाना चाहिए। वर्तमान में शहरों एवं गांवों में अवैज्ञानिक तथा बेतरतीब निर्माण हो रहा है, जो भूकंप के समय भयावह स्थिति पैदा करता है तथा बचाव कार्यों में बहुत दिक्कत पैदा करता है। ऐसे निर्माण के लिए म्युनिसिपल कमेटियां, नगर निगम एवं ग्राम पंचायतें जिम्मेदार हैं। इसलिए नियोजित निर्माण के लिए यह अति आवश्यक है कि सरकारी एवं निजी भवनों के नक्शे पास करना, निर्माण का निरीक्षण, टीसीपी के नियमों की अनुपालना, भवन निर्माण के लिए मृदा परीक्षण, संरचना स्थिरता, भूकंप रोधी तकनीकों की अनुपालना, ढ़लान कटिंग, भवनों के सैट बैक, बिजली एवं पानी के कनेक्शन के लिए एनओसी जारी करना, भूकंप रोधी संरचनाओं को बनाने के लिए इंजीनियरों तथा मिस्त्रीयों के लिए कार्यशालाएं आयोजित करने आदि के कार्य नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के माध्यम से ही होने चाहिए। यह एक तकनीकी विभाग है तथा टीसीपी के नियमों से परिचित होता है। इसके लिए टीसीपी विभाग को सुदृढ़ करने की आवश्यकता होगी। टीसीपी विभाग के निष्पक्ष कार्य के लिए किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

आप का नजरिया

राज्यत्व के बिन जनादेश

जम्मू कश्मीर में सितंबर माह तक चुनाव कराए ही जाने थे, क्योंकि सर्वोच्च अदालत का आदेश था। जनादेश का यह समय 10 लंबे सालों के बाद आ रहा है, लेकिन कई महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हो चुके हैं। संसद 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त कर चुकी है, लिहाजा जम्मू-कश्मीर का 'विशेष दर्जा' समाप्त हो चुका है। अब यह भी देश के अन्य राज्यों और संघशासित क्षेत्रों सरीखा सामान्य क्षेत्र है। पुराना राज्य दो भागों में विभाजित कर दिया गया था, लिहाजा राज्यत्व भी एक प्रमुख मुद्दा है। अब एक तरफ जम्मू-कश्मीर संघशासित क्षेत्र है, तो दूसरी तरफ लद्दाख अलग होकर केंद्रशासित क्षेत्र है। अब सितंबर-अक्तूबर में जो विधानसभा चुनाव कराए जा रहे हैं, वे इन ऐतिहासिक बदलावों के संदर्भ में होंगे। यह भी गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में परिसीमन का काम पूरा हो चुका है। अब कश्मीर घाटी की 47 और जम्मू संभाग की 43, अर्थात कुल 90 सीटों पर, लोग जनादेश देंगे। सुखद है कि आतंक से छिले और घिरे एक इलाके में जम्हूरियत फिर लौट रही है। जनता अपने प्रतिनिधि चुनेगी और वे विधानसभा का स्वरूप तय करेंगे। ये चुनाव ऐसे परिदृश्य में हो रहे हैं, जब आतंकवाद अंतिम सांसें गिन रहा है। जो गिनती भर आतंकी सक्रिय लगते हैं, वे पाकपरस्त घुसपैठिए हैं। उनके खिलाफ सेना और सुरक्षा बलों के ऑपरेशन जारी हैं। वैसे 2024 में ही जम्मू-कश्मीर में 36 आतंकी हमले किए जा चुके हैं। उनमें 35 आतंकी मारे गए और 19 जवान 'शहीद' हुए, जबकि कुछ नागरिक भी मारे गए। ये आंकड़े 2014 के चुनावों से पहले के आतंकवादी माहौल की तुलना में बेहद कम हैं। उस दौर में 5 से 15 फीसदी तक ही मतदान हो पाता था। अब जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के दौरान 55-58 फीसदी तक मतदान किया गया और दशकों के रिकॉर्ड भी टूटे। बहरहाल आतंकी या उनके समर्थक अलगाववादी तत्त्व या तो जेल में बंद हैं अथवा बचे-खुचे चेहरे अपने घरों के भीतर चुपचाप बैठे हैं, लिहाजा यह दौर जनादेश के लिए बिलकुल सटीक है, लेकिन विधानसभा चुनाव के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के 'राज्यत्व' बहाली पर भी सरकार को स्पष्ट संकेत देने चाहिए थे। राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने अनुच्छेद 370 और राज्यत्व की बहाली तक चुनाव न लडऩे के ऐलान किए हैं। इन पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। अनुच्छेद 370 और 35-ए को संसद ने निरस्त किया है और सर्वोच्च अदालत ने भी उसे 'उचित फैसला' करार दिया था। इसके बावजूद कांग्रेस यह दावा लगातार करती रही है कि अनुच्छेद 370 अब भी बरकरार है, उसे समाप्त नहीं किया गया। अच्छा यह होगा कि कांग्रेस ही किसी संवैधानिक मंच पर यह स्पष्ट करे कि किन आधारों पर पार्टी ऐसा दुष्प्रचार कर रही है। बहरहाल यह जनादेश का समय इसलिए भी है कि वहां हालात बदल चुके हैं। जिन होटलों के कमरे खाली रहते थे, वे अब लगभग बुक रहते हैं। सभी सार्वजनिक और सामाजिक संस्थान खुल चुके हैं। अब श्रीनगर के 'लाल चौक' पर लोग, 'तिरंगा' लहराते हुए, चुनावों की घोषणा के जश्न मना रहे हैं। बंद या बहिष्कार की कोई हुंकार नहीं है।

एक्शन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण! सरकारी बैंकों के प्रदर्शन का लिया जायजा, दिए कई अहम निर्देश

नई दिल्ली,19 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार 19 अगस्त को सभी सरकारी बैंकों के प्रमुखों से मुलाकात कर उनके परफॉर्मेंस की समीक्षा की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब एक हफ्ते पहले ही वित्त मंत्री ने बैंकों को पैसे जमा करने और लोन देने के अपने मुख्य काम पर फोकस करने के लिए कहा था। इस बैठक में बैंकों की मौजूदा स्थिति, उनकी चुनौतियों, और भविष्य की रणनीतियों पर गहन चर्चा की गई। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, 'केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में विभिन्न मापदंडों पर सरकारी बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज के सेक्रेटरी विवेक जोशी, अगले कुछ दिनों में जोशी की जगह बनने वाले नए सेक्रेटरी एम नागराजू, सरकारी बैंकों के एमडी और सीईओ, और फाइनेंशियल सर्विसेज डिपार्टमेंट के कई सीनियर अधिकारी भी शामिल हुए।'

इससे पहले भारतीय रिजर्व के बोर्ड की बीते 10 अगस्त को हुई बैठक के बाद, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में निर्मला सीतारमण ने बैंकों से डिपॉजिट और लोन से जुड़ी मुख्य बैंकिंग गतिविधियों पर ध्यान देने को कहा था।

उन्होंने कहा कि डिपॉजिट और लेंडिंग एक ही गाड़ी के दो पहिये हैं और 'डिपॉजिट इस समय धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि बैंकों को अपने कोर बैंकिंग बिजनेस पर ध्यान देने की जरूरत है। कोर बैंकिंग का मतलब है कि बैंक जमा जुटाने पर फोकस करें और उन लोगों को उधार दें, जिन्हें धन की आवश्यकता है।

डिपॉजिट और लेंडिंग के बीच असंतुलन को दूर करने के लिए, सीतारमण ने बैंकों से 'नए और आकर्षक' डिपॉजिट स्कीमें बनाने के लिए कहा, जिससे लोगों में पैसे रखने के लिए प्रेरित हों।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि ब्याज दरों पर कोई नियंत्रण नहीं है और अक्सर बैंक डिपॉजिट आकर्षित करने के लिए जमा दरों में बढ़ोतरी करते हैं। दास ने कहा, 'बैंक ब्याज दरों पर फैसला करने के लिए स्वतंत्र हैं।'

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जहां मेधावी बच्चियां...

डॉ. मखीजा कहते हैं, ऐसी छात्रा का इस तरह दिल का दौरा पड़ना संदेह पैदा करता है। उनके अनुसार, मरने से पहल वह अपने रूम मेट के साथ पढ़ाई कर रही थी। अगली सुबह उन्हें बाल रोग की परीक्षा देनी थी।

डॉ. सोरथ सिंधु के अनुसार, मृत्यु से पहले स्नेहा की आंखें अचानक ऊपर की ओर टंग गईं। साथ ही उसे घुटन का एहसास हुआ और चेतना खो बैठी। पोस्टमार्टम में मृत्यु का कारण हृदयाघात बताया गया है। प्रश्न यह है कि ऐसी नौबत आई ही क्यों कि परीक्षा से ठीक कुछ घंटे पहले इस 22-23 वर्षीय मेडिकल छात्रा को दिल का दौरा पड़ा और मौत हो गई? सोशल मीडिया पर पाकिस्तान में उत्पीड़न के शिकार हिंदुओं की आवाज बुलंद करने वाले हैंडल पाकिस्तान अनटोल्ड ने खुलासा किया है कि स्नेहा ज्योति केसवानी की हृदयघात की वजह दरअसल, मेडिकल कॉलेज के होस्टल के वार्डन शाहजहां शेख और डॉ. अब्दुल अलाहे हैं। वे दोनों स्नेहा के पीछे पड़े हुए थे। उसका उत्पीड़न किया करते थे।

बात-बे-बात स्नेहा को अपमानित करते थे जिसकी वजह से वह परेशान रहने लगी थी। इस बाबत उसने कई बार अपने सह-पाठियों से बात की थी, पर किसी ने उसकी मदद नहीं की। जिस दिन उसे दिल का दौरा पड़ा, उस दिन भी वार्डन ने होस्टल की छात्राओं के सामने अपमानित किया था। स्नेहा मेडिकल कॉलेज में चौथे वर्ष की छात्रा थी। इस तरह सबके सामने अपमानित किया जाना शायद उसके दिल को चुभ गया और सदमे में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

मामले का एक चिंता तक पहलू यह है कि इन बातों का खुलासा होने के बावजूद वार्डन शाहजहां शेख और डॉ. अब्दुल अलाहे के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। शिकायत देने के बावजूद न तो मेडिकल कॉलेज प्रशासन और न ही स्थानीय पुलिस ने आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया है। यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले लरकाना की मेडिकल छात्रा निमृता अमृता माहेर चांदनी की मौत के मामले में भी ऐसा ही हुआ था। शुरुआत में मामला जोर-शोर से उठाया गया। बाद में फाइल बंद कर दी गई। निमृता अमरता माहेर चंदानी का शव भी छात्रावास में रहस्यमय परिस्थियों में पाया गया था। पाकिस्तान के अखबार डान की एक रिपोर्ट के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट हो चका है कि लरकाना की छात्रा निमृता की यौन उत्पीड़न के बाद हत्या की गई थी। यह घटना 16 सितंबर 2019 की है।

निमृता अमृता माहेर चांदनी सिंध के लरकाना के बीबी आसिफा डेंटल कॉलेज की अंतिम वर्ष की छात्रा थी। निमृता अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई थी। पुलिस सर्जन डॉ. करार अहमद अब्बासी के अनुसार, लरकाना की छात्रा की बलात्कार के बाद गला घोंटकर हत्या की गई थी। उन्होंने कहा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट है कि निमृता का गला घोंटा गया या उसे लटकाया गया। पीड़िता की गर्दन पर घाव के निशान मिले थे। यह घाव दुपट्टे के बजाय, रस्सी जैसी चीज से बने थे। इसके अलावा कपड़ों पर पड़े वीर्य के दाग और शुक्राणु के अंशों से पता चला कि मृत्यु से पहले उसके साथ यौन क्रिया की गई थी। पुरुष डीएनए से पुष्टि हुई है कि उसके साथ बलात्कार हुआ था।

हालांकि, इस मामले में भी चांदनी के परिजनों को बेटी का इंसाफ नहीं मिला है। कराची के डॉव मेडिकल कॉलेज में मेडिकल कंसल्टेंट रहे निमृता के भाई डॉ. विशाल के अनुसार, उसकी बहन की हत्या की घटना को कॉलेज प्रशासन और दूसरी एजेंसियों ने आत्महत्या की शक्ल देकर दबाने का प्रयास किया था। यहां तक कहा गया कि अमृता की गर्दन पर केबल तारों से बने निशान दरअसल उसके आत्महत्या करने की ओर इशारा करते हैं। जबकि उसके हाथों पर घाव चुगली खा रहे थे कि हत्या से पहले उसके साथ कुछ बुरा हुआ है। इस मामले में लरकाना पुलिस ने निमृता के डेंटल कॉलेज के दो छात्रों को हिरासत में लिया था। दोनों उसके बैचमेट थे। मामले में सिंध उच्च न्यायालय द्वारा दखल देने के बावजूद इस घटना को लेकर बहुत सारे रहस्य अब भी बने हुए हैं।

यह घटनाएं उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाली हिंदू छात्राओं से संबंधित हैं, जबकि पाकिस्तान की अधिकांश हिंदू बच्चियां उच्च शिक्षा की दहलीज तक पहुंच ही नहीं पातीं। इससे पहले ही हर ली जाती हैं। कट्टरपंथियों और तहरीक-ए-लब्बैक जैसे इस्लामी आतंकवादी संगठनों ने हिंदुओं के मन में ऐसा भय भरा है कि वे अपनी बच्चियों को आगे शिक्षा दिलाने के नाम पर घर से बाहर जाने नहीं देते। जबकि हिंदू बच्चियां अपने घरों में भी सुरक्षित नहीं हैं। पाकिस्तान में हिंदू बच्चियों की अपहरण, बलात्कार और धर्मांतरण की घटनाएं आम सी बात हो गई हैं। इस देश में सरकार चाहे किसी की भी हो इच्छा शक्ति के अभाव में ऐसी घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रहा है।

वॉयस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी के एक आंकड़े के अनुसार, गत महीने हिंदू समुदाय की तीन बेटियां इंदिरा मेघवार, श्रीदेवी और राधिका सिंध प्रांत के टांडो जाम, टांडो मोहम्मद खान और लरकाना में अपहरण, बलात्कार और धर्मांतरण का शिकार हुईं। अगस्त महीने में 15 वर्षीय कृतिका की दरगाह उस्मान शाह में बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। जबकि सियाल कोट में 13 साल की ईसाई बच्ची सानिया अमीन का अपहरण कर धर्मातरण कराया गया। पाकिस्तान के मानवाधिकार कार्यकर्ता उस्मान बट कहते हैं, जब देश में किसी खास कौम को लेकर यह हालात हों तो भला उनकी बच्चियां कैसे घरों के बाहर निकल सकती हैं।

इसके अलावा पाकिस्तान में हिंदू छात्रों को भेदभाव, धार्मिक असहिष्णुता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सीमित पहुंच का भी सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़े धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। जनसंख्या के लिहाज से देश में इनकी हिस्सेदारी लगभग 1.85 प्रतिशत है। बावजूद इसके उच्च शिक्षा और बड़ी नौकरी तक इनकी पहुंच बेहद सीमित है। रही बात पाकिस्तान में छात्र आबादी की तो यह एक छोटा सा हिस्सा मात्र है। विशेष कर ग्रामीण क्षेत्र में हिंदू छात्र बीच में ही स्कूल छोड़ देते हैं। मुस्लिम छात्रों की तुलना में हिंदू छात्रों का ड्रॉप आउट प्रतिशत 70 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

पाकिस्तान के हिंदू संगठनों का कहना है कि जो छात्र पढ़ने जाते हैं उन्हें स्कूलों में अक्सर सामाजिक बहिष्कार और बदमाशी का सामना करना पड़ता है। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 60 प्रतिशत हिंदू छात्रों ने अपनी धार्मिक पहचान के कारण अपने शैक्षिक वातावरण में असुरक्षित महसूस करने की सूचना दी। कई स्कूलों के पाठ्यक्रम में गैर-मुसलमानों के खिलाफ पक्षपातपूर्ण सामग्री होती है। नेशनल कमीशन फॉर जस्टिस एंड पीस के एक अध्ययनों में पाया गया कि पाकिस्तान में इस्तेमाल की जाने वाली लगभग 20-30 प्रतिशत पाठ्यपुस्तकों में ऐसी सामग्री है जिसे हिंदुओं सहित धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति भेदभाव पूर्ण माना जा सकता है। कई स्कूलों में, इस्लामिक अध्ययन अनिवार्य विषय है। यह हिंदू छात्रों को इस्लामी सामग्री का अध्ययन करने के लिए मजबूर करता है, जो उनके लिए असुविधाजनक है।

पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, 5 प्रतिशत से भी कम स्कूल हिंदू छात्रों को इस्लामिक अध्ययन का विकल्प देते हैं। उच्च शिक्षा में अल्पसंख्यकों के लिए कुछ कोटा तय है, पर उनके खिलाफ परिस्थितियां ऐसी बना दी गई हैं कि वे चाहकर भी इसका लाभ नहीं उठाते। लड़कियों के मामले में तो यह खास तौर से देखा गया गया है। कॉलेजों में पढ़ने वाले हिंदू छात्रों से भी भेदभाव किया जाता है। उनके उत्पीड़न का कोई मौका नहीं छोड़ा जाता। यहां तक कि कॉलेज-यूनिवर्सिटी में भी शिक्षा ग्रहण रहे हिंदू छात्र अपने पर्व-त्यौहार पर खुशी का जाहिर नहीं कर सकते। पिछले साल पंजाब यूनिवर्सिटी में होली मना रहे हिंदू छात्रों पर इस्लामिक मानसिकता रखने वाले मुस्लिम छात्रों ने हमला कर दिया था।

पाकिस्तान के अल्पसंख्यक छात्र शिक्षा छात्रवृत्ति का भी लाभ नहीं उठा पाते। एक रिपोर्ट में पाया गया कि इस मामले में माकूल प्रशासनिक सहयोग नहीं मिल पाने के कारण 15 प्रतिशत से भी कम पात्र हिंदू छात्र छात्रवृत्तियों का लाभ नहीं उठा पाते। सामाजिक और नीति विज्ञान संस्थान के एक अध्ययन में पाया गया कि हिंदू छात्रों की माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर स्कूल छोड़ने की दर अधिक है। 70 प्रशित हिंदू लड़कियां मैट्रिकुलेशन पूरी करने से पहले ही स्कूल छोड़ देती हैं।

सॉलिडैरिटी एंड पीस मूवमेंट के अनुसार, हिंदू छात्रों की पढ़ाई की राह में सबसे बड़ा रोड़ा धर्मांतरण है। एक आंकड़े के अनुसार, हर साल 1,000 से 1,500 हिंदू लड़कियों का जबरन धर्मांतरण और विवाह किया जाता है, जो उनकी शिक्षा के रास्ते की बहुत बड़ी बाधा है। अपहरण और जबरन धर्मांतरण का डर से सिंह सहित पाकिस्तान कुछ क्षेत्रों में, विशेष रूप से ग्रामीण सिंध में हिंदू लड़कियों को स्कूल भेजना उनके मां-बाप पसंद नहीं करते। हालांकि, सिंध मानवाधिकार आयोग और पाकिस्तान हिंदू परिषद जैसे संगठन हिंदू छात्रों के अधिकारों की वकालत करने, कानूनी सहायता, छात्रवृत्ति और भेदभाव का सामना पहुंचा रहे हैं। इसके बावजूद इस्लामिक कट्टरपंथियों के आगे ये सारे तमाम बौने साबित हो रहे हैं।

परिणाम यह है कि सिंध के थारपारकर जैसे क्षेत्रों में, जहां हिंदू आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा वास करता है, वहां की हिंदू लड़कियों की साक्षरता दर 10 प्रतिशत से भी कम है। पाकिस्तानी शिक्षा वकालत समूह अलिफ ऐलान के एक सर्वेक्षण के अनुसार, सिंध के घोटकी घटना 2019 में एक हिंदू प्रिंसिपल ने अपने इलाके की हिंदू बच्चियों में जब शिक्षा के प्रति अलख जगाने का प्रयास किया तो उन्हें ईशनिंदा के आरोप फंसा कर जेल भिजवा दिया गया। इस दौरान दंगे भी कराए गए और हिंदुओं की संपत्तियों को नुकसान भी पहुंचाया गया। ऐसी परिस्थितियों में कोई कौम भला अपने बच्चों को शिक्षित कराने का साहस कैसे कर करेगी।

188 पाकिस्तानी...

पीड़ादायक दुनिया में कोई और घटना नहीं है। अमित शाह ने कहा, शरणार्थी हिंदुओं को कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों ने अपने वोट बैंक न खोने के डर से नागरिकता नहीं दी थी। अमित शाह ने इसे सबसे बड़ा पाप बताया। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि आखिर शरणार्थी हिंदुओं का क्या दोष था? जबकि कांग्रेस ने ही करोड़ों मुस्लिम घुसपैठियों को देश में घुसने दिया। शाह ने नागरिकता पाने वाले सभी शरणार्थी हिंदुओं को उन्होंने मां भारती का परिवार बताया। उन्होंने कहा कि कभी बांग्लादेश में रहने वाले 27 प्रतिशत हिंदुओं की आबादी अब न के बराबर इसलिए हो गई क्योंकि वहां जबरन धर्म-परिवर्तन करवाया गया। अमित शाह ने कहा, पड़ोस के किसी भी देश में रहने वाले अल्पसंख्यक को भारत सरकार अब प्रताड़ित नहीं होने देगी और साथ ही भारत में आने के बाद उनके सम्मान की रक्षा भी करेगी।

जब पीएम...

इनमें एलसीए तेजस एमके1ए को इंजन सप्लाई में हो रही देरी का मामला भी उठाया जाएगा। तेजस लड़ाकू विमानों के निर्माण के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) की तरफ से जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की सप्लाई में देरी का सामना करना पड़ रहा है। एचएएल को 83 तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट के निर्माण के लिए एफ404 सीरीज के इंजनों की डिलीवरी का बेसब्री से इंतजार है। उम्मीद जताई जा रही है कि जीई के तरफ ये इंजन सितंबर में सप्लाई किए जा सकते हैं। हालांकि इंजन सप्लाई में देरी की वजह से तेजस की डिलीवरी 10 माह लेट है। रक्षा मंत्रालय ने 48,000 करोड़ रुपए के अनुबंध के तहत एचएलएच को 83 तेजस मार्क-1ए की डिलीवरी का ऑर्डर दिया था। इस सौदे पर फरवरी 2021 में हस्ताक्षर किए गए थे। एचएएल को पहले तेजस मार्क-1ए की डिलीवरी 31 मार्च 2024 तक करनी थी, इसके बाद लगातार डेडलाइन बढ़ाई जाती रही। वहीं अब इसकी नई डेडलाइन नवंबर 2024 तय की गई है।

भारत तेजस मार्क-2 वर्जन लाने की भी तैयारी कर रहा है। इसमें भी जीई एफ414 जेट इंजन लगाया जाना है। भारत की कोशिश रहेगी कि भारत-अमेरिका मिल कर इस इंजन का संयुक्त उत्पादन करें। साथ ही, भारत जीई के साथ कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने से पहले ही तेजस मार्क-2 के प्रोटोटाइप की फ्लाइट टेस्टिंग के लिए एडवांस में कुछ जीई एफ-414 इंजन देने की बात कही है। एलसीए एमके1ए का प्रोटोटाइप 2025 की शुरुआत तक आना था, लेकिन उसमें एक साल की देरी हो रही है। राजनाथ सिंह अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ इस मामले पर चर्चा करेंगे, ताकि इंजन की सप्लाई में तेजी लाई जा सके। इसके अलावा राजनाथ सिंह अमेरिका में डिफेंस कंपनियों के गढ़ टेनेसी भी जाएंगे। जहां नॉर्थरोप ग्रुम्मन, एल3 हैरिस, कोलिन्स एयरोस्पेस, बोइंग, रेथियॉन और प्रैट एंड व्हिटनी जैसी कंपनियों की फैक्ट्रियां हैं।

तेजस इंजन मुद्दे के अलावा, इस दौरे में उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा होगी। दोनों देश जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को लेकर भी बात होगी। स्ट्राइकर के को-प्रोडक्शन में भारत की गहरी दिलचस्पी है, देश की सेनाओं की जमीनी लड़ाकू क्षमताओं में अहम बढ़ोतरी करेगी। सूत्रों ने बताया कि एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन सौदे को लेकर भी इस दौरे में चर्चा होगी। हाल ही में 31 जुलाई को भारतीय डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) ने कुछ संशोधनों के साथ एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन डील को मंजूरी दी है। सूत्रों के मुताबिक प्रीडेटर पर डीआरडीओ के बनाए एंटी-शिपिंग मिसाइल को लगाने की बात भी कही गई थी। लेकिन प्रीडेटर पर डीआरडीओ मिसाइल लगाने को लेकर जनरल एटॉमिक्स ने अड़ंगा लगाते हुए इसे लगाने के बदले मोटी रकम की मांग की। प्रिडेटर डील के अलावा, 3.9 बिलियन डॉलर की कीमत वाले मिसाइलों और गाइडेड बमों के साथ 31 यूएवी की खरीद को लेकर भी बातचीत हो सकती है।

मोदी सरकार ने भारतीय नौसेना को इंडो-पैसिफिक पार्टनरशिप ऑफ मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (आईपीएमडीए) में शामिल होने की मंजूरी दे दी है, जिसका एलान मई 2022 में क्वाड देशों ने किया था। इसके तहत हॉकआई 360 के साथ गठजोड़ किया जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि भारतीय नौसेना सैटेलाइट के जरिए क्वाड देशों के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में हॉकआई 360 कमर्शियल ऑपरेटर के साथ मिल कर काम करेगी। हॉकआई के पास 36 सैटेलाइट हैं और यह क्वाड देशों को डार्क शिपिंग, आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, हथियारों की तस्करी और उन विरोधियों के बारे में पूरी जानकारी प्रदान करेगा, जिनके जहाज इंडो-पैसिफिक में गुप्त निगरानी करते समय अपने ट्रांसपोंडर बंद कर देते हैं। हॉकआई 360 सैटेलाइट किसी भी ऐसे जहाज से निकलने वाली रेडियो फ्रिक्वेंसी को पकड़ लेते हैं, जिसने जानबूझकर अपने ट्रांसपोंडर बंद कर दिए हों। अदन की खाड़ी के आसपास जहाजों पर हमला करने वाले समुद्री डाकुओं और अरब सागर में पश्चिमी युद्धपोतों को निशाना बनाने के लिए नावों का प्रयोग करने वाले ज्यादातर आतंकी गुट अपने जहाजों को किसी की नजर से छिपाने के लिए इन्हीं तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं।

अमेरिकी यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह चीन जैसी बढ़ती एशियाई शक्तियों के साथ-साथ गाजा पर इज़राइल के हमले के बाद शिपिंग को टारगेट करने के लिए ड्रोन का उपयोग करने पर भी नोट्स का आदान-प्रदान करेंगे। गौर करने वाली बात है कि जब राजनाथ सिंह अमेरिका में होंगे, उसी समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड और युद्धग्रस्त यूक्रेन की यात्रा पर होंगे।

महिलाओं के ...

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवण ने कहा, कांग्रेस की संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी कोलकाता की इस घिनौनी घटना पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? सोनिया गांधी ने तृणमूल सरकार की निंदा क्यों नहीं की, जो न्याय की मांग करने वालों की आवाजों को दबा रही है? यह समय है कि सोनिया गांधी अपनी चुप्पी तोड़ें और भारत के लोकतंत्र के सबसे अंधकारमय अध्यायों में से एक पर बोलें, जो इंदिरा गांधी की आपातकाल के बाद का है।उधर, कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। सीबीआई को अब तक की जांच और डॉक्टर के सहपाठियों के बयानों से पता चला है कि मानव अंगों के अवैध कारोबार से पर्दा उठाने की कोशिशें रोकने के लिए ट्रेनी डॉक्टर को रास्ते से हटाया गया। सीबीआई ने शनिवार को 13 लोगों से पूछताछ की। दो दिन में वह 19 लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इसमें आधे से ज्यादा लोगों ने अस्पताल से मानव अंगों की तस्करी के रैकेट को लेकर जानकारी दी है। टीम का दावा है कि जल्द ही कई सफेदपोश चेहरे सामने आएंगे। मामले की जड़ें काफी गहरी हैं। रेप इसलिए किया गया, ताकि यह आम घटना लगे। मेडिकल कॉलेज में लंबे समय से सेक्स और ड्रग रैकेट चलाने का भी आरोप है। 23 साल पहले 2001 में कॉलेज के हॉस्टल में एक छात्र की मौत की कड़ियां भी इससे जुड़ने लगी हैं।एक राजनीतिक पार्टी के वरिष्ठ नेता ने दावा किया है कि उनके पास डॉक्टरों के एक वॉट्सएप ग्रुप के स्क्रीनशॉट हैं, जिससे अस्पताल में सेक्स और ड्रग रैकेट का पता चलता है। इसमें एक अन्य पार्टी के नेता और उनके भतीजे का जिक्र है। सीबीआई के मुताबिक, इस सुराग के बाद पूछताछ में मेडिकल कॉलेज के चार लोगों के नाम सामने आए हैं। इनमें तीन डॉक्टर और एक हाउस स्टाफ है। दावा है कि ये चारों एक सियासी दल से जुड़े हैं और अस्पताल में सेक्स व ड्रग रैकेट चलाते थे। सीबीआई अधिकारी बताते हैं कि पुख्ता सबूत जुटाए जा रहे हैं।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मेडिकल कचरे के निपटान, कुछ दवा और सामान की सप्लाई का काम प्रबंधन के करीबी को मिला था, पर शर्त अनुसार सप्लाई नहीं की जा रही थी। पीड़ित को इसकी भनक थी। अंदेशा है कि ये भी हत्या की एक वजह रही हो। अस्पताल के एक डॉक्टर का दावा है कि पीड़ित ने इसकी पहले स्वास्थ्य भवन में शिकायत की थी। हालांकि आरोपियों के रसूखदार होने से कार्रवाई नहीं हुई। ट्रेनी डॉक्टर सबूतों के साथ सोशल मीडिया पर पूरे मामले के खुलासे की योजना बना रही थी। 9 अगस्त को मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर की बॉडी मिली थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके प्राइवेट पार्ट्स पर गहरा घाव था। गला घोंटने से थायरॉइड कार्टिलेज टूट गया। पेट, होंठ, उंगलियों और बाएं पैर पर चोट के निशान हैं। उनके चेहरे पर इतनी ताकत से मारा गया कि चश्मे का कांच टूटकर आंखों में घुस गया। इस केस में संजय रॉय नाम का एक आरोपी गिरफ्तार हुआ है। वह कोलकाता पुलिस में सिविक वॉलंटियर था।

ट्रेनी डॉक्टर के पिता ने शनिवार (17 अगस्त) की रात मीडिया से कहा कि घटना में पूरा डिपार्टमेंट शामिल है। अब तो यह भी संदेह है कि कहीं और हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए शव सेमिनार रूम में लाकर रख दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सबूतों को मिटाने के लिए सेमिनार हॉल के पास रेनोवेशन के नाम पर तोड़फोड़ की गई। शुक्रवार (16 अगस्त) को कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी क्राइम सीन के पास रेनोवेशन की जल्दबाजी के बारे में बंगाल सरकार से सवाल किया। सरकार ने कहा कि डॉक्टरों का रेस्ट रूम बनाने के लिए तोड़फोड़ की गई थी।

कॉलेज के छात्रों ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष पर आरोप लगाए हैं कि यहां जो हो रहा था, उसकी जानकारी घोष को थी। आरोप है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए आने वाले लावारिस शवों को प्रैक्टिकल के लिए रखा जाता था। उनके शरीर से अंग भी निकाल लिए जाते थे। फिलहाल सीबीआई ने इसकी पुष्टि नहीं की है। संदीप घोष ने घटना के चौथे दिन 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया था। सीबीआई ने शुक्रवार (16 अगस्त) को उन्हें हिरासत में लिया। शुक्रवार देर रात तक उनसे पूछताछ हुई। फिर शनिवार (17 अगस्त) को साढ़े 13 घंटे पूछताछ हुई।

सीबीआई ने बताया कि उन्होंने पूर्व प्रिंसिपल से कई सवाल पूछे। जैसे वह 8-9 अगस्त की रात कहां थे, जब डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ। उन्हें घटना की जानकारी किसने दी और खबर मिलने के बाद उनकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी। संदीप घोष से पूछा गया कि उन्होंने पीड़ित के परिवार को घटना की जानकारी देने का निर्देश किसे दिया और पुलिस से कैसे और किसने संपर्क किया। सीबीआई ने बताया कि घोष कुछ सवालों के जवाब देते हुए उलझ गए थे।

कोलकाता पुलिस के एक अधिकारी बताते हैं कि ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस की शुरुआती जांच में एक सियासी दल के वरिष्ठ नेता और एक नेता के पुत्र का नाम आया है। हालांकि, कोई सबूत नहीं मिलने से उन्हें संदेह के दायरे से हटा दिया गया। कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने पत्रकारों से कहा था कि महज किसी बयान के आधार पर बिना ठोस सबूत के किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पांच बड़े खुलासे हुए हैं। 1) एबनॉर्मल सेक्सुअलिटी और जेनाइल टॉर्चर के कारण ट्रेनी डॉक्टर के प्राइवेट पार्टस पर गहरा घाव पाया गया। 2) चिल्लाने से रोकने के लिए नाक-मुंह और गले को लगातार दबाया गया। गला घोंटने से थायराइड कार्टिलेज टूट गया। 3) सिर को दीवार से सटा दिया गया, जिससे चिल्ला न सके। पेट, होंठ, उंगलियों और बाएं पैर पर चोटें पाई गईं। 4) इतनी जोर से हमला किया कि चश्मा के शीशे के टुकड़े उनकी आंखों में घुस गए। दोनों आंखों, मुंह और प्राइवेट पार्ट्स से खून बह रहा था। 5) चेहरे पर आरोपी के नाखूनों से बने खरोंच के निशान मिले। इससे पता चलता है कि पीड़िता ने खुद को बचाने के लिए काफी संघर्ष किया था।

स्पष्ट है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप करके मारी गई पीड़िता को हत्या से पहले काफी यातनाएं दी गई थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके शरीर पर कुल 14 चोट मिलने की बात कही गई है। यह चोटें पीड़िता के सर, मुंह, गले, नाक, कंधे और जननांग पर थी। यह चोटें उसे मारने से पहले गई थीं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पीड़िता को गला घोंट कर मारा गया है। पोस्टमॉर्टम से रेप की तो पुष्टि हुई ही है, साथ ही उसके जननांगों पर भी घातक चोट पहुंचाए जाने की पुष्टि हुई। रिपोर्ट में सामने आया है कि पीड़िता के फेफड़ों में भी खून बहा था और उसके शरीर में खून के थक्के जमे थे। पोस्टमार्टम करने वाली टीम ने पीड़िता के खून और विसरा के नमूने को एकत्र कर लिया है, उन्हें आगे जांच के लिए भेज दिया गया है। इन सब बातों से साफ हुआ है कि पीड़िता के साथ क्रूरता की गई थी।

इस मामले की शुरूआती फॉरेंसिक जांच में आरोपित की खाल के नमूने का मिलान पीड़िता के नाखूनों में मिले अवशेषों से हुई है। बताया गया कि आरोपित के भी चेहरे और बाकी जगहों पर नाखून के निशान हैं। इसका अर्थ है कि पीड़िता ने वापस लड़ने का प्रयास किया था। यह भी सामने आया कि पीड़िता से जब रेप का प्रयास हुआ तब वह गहरी नींद में थी इसीलिए आरोपित अपने मंसूबों में आसानी से सफल हो पाया। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान में लिया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट मंगलवार 20 अगस्त को सुनवाई करेगी।

बांग्लादेशी...

पुलिस इस मामले में अन्य व्यक्तियों और संगठनों की संलिप्तता की भी आगे जांच कर सकती है।

आरोपी राजू मंडल पश्चिम बंगाल का रहने वाला है और वह भुवनेश्वर में किराए के मकान से सिम बॉक्स का संचालन कर रहा था। उसका काम यह सुनिश्चित करना था कि यूपीएस, इंटरनेट, बिजली और अन्य सेवाएं ठीक से काम करें। सिम में कोई समस्या होने पर मंडल घर पर आता था और आवश्यक मरम्मत और रखरखाव का काम करता था। मंडल ने बताया कि सिम बॉक्स का इस्तेमाल पाकिस्तान, चीन और खाडी के देशों में अंतर्राष्ट्रीय कॉल को बायपास करने के लिए किया जाता था।

उन्होंने बताया कि आरोपी राजू मंडल का असली हैंडलर बांग्लादेशी नागरिक असदुर जमान है। जमान अक्टूबर में अगरतला और भुवनेश्वर होते हुए भारत आया था। वह दिसंबर में बांग्लादेश लौट आया था। उन्होंने बताया कि जांच से पता चला है कि सिम बॉक्स बांग्लादेश से गुप्त तरीके से भारत में तस्करी करके लाए गए थे। इसके अलावा, यह भी पता चला कि जमान मंडल को इस एवज में भुगतान करता रहा है ।

पुलिस कमिश्नर संजीव पंडा ने कहा कि सिम बॉक्स का इस्तेमाल मुख्य रूप से साइबर अपराध, नफरत भरे संदेश, आतंकवादी गतिविधियों, जबरन वसूली और अन्य अपराधों के लिए किया जाता है । इसमें मूल नंबर छिप जाते हैं और यही कारण है कि यह कानून लागू करने वाली एजेंसियों के लिए समस्याएं पैदा करता है। इन सिम बॉक्स के माध्यम से किए गए अपराधों की वास्तविक प्रकृति की जांच की जाएगी। चूंकि इसमें बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं, इसलिए हम आगे की जांच के लिए राष्ट्रीय एजेंसियों से मदद मांगेंगे।

फर्जी एनसीसी...

इस दिन स्कूल में एनसीसी का कैंप लगाया गया था। इसमें 41 बच्चों ने हिस्सा लिया था। इसी कैंप में 17 छात्राएं भी थीं। इसी कैंप में वह 13 वर्षीया छात्रा भी थी जो बलात्कार का शिकार बनी। पीड़िता समेत सभी लड़कियों को स्कूल के एक ऑडिटोरियम में ठहराया गया था। इसी ऑडिटोरियम में लड़कों को भी ठहराया गया था। बताया गया कि पीड़िता बच्ची को इस कैंप के एक संयोजक ने अकेले में बुलाकर उसके साथ बलात्कार किया। कैंप में अन्य बच्चियों का भी यौन उत्पीड़न हुआ। बच्ची ने इस संबंध में अपनी साथियों से बात की और इस संबंध में स्कूल के प्रधानाध्यापक से शिकायत की। स्कूल के प्रधानाध्यापक ने उनकी शिकायत को गंभीरता से लिए बिना इस सबंध में चुप रहने को कहा। इसके बाद बच्चियों ने अपने परिजनों को इस संबंध में बताया।

बच्ची के परिजनों ने मामले को पुलिस के पास दर्ज करवाया जिसके बाद कार्रवाई चालू हुई। पुलिस की जांच में पता चला कि इस पूरे मामले का मुख्य आरोपी सिवारमन इस कैंप का संयोजक था। वह एनटीके पार्टी का नेता है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि एनसीसी कैंप ही फर्जी था। जिस स्कूल में एनसीसी कैंप आयोजित किया गया, वह एनसीसी से सम्बद्ध ही नहीं है।

इस मामले में पुलिस ने सिवारामन समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने स्कूल के प्रधानाध्यापक को भी मामला दबाने के लिए पकड़ा है। गिरफ्तार होने वालों में सतीश कुमार, शिवरामन, जेनिफर, सैमसन वेस्ले, शक्तिवेल, सिंधु, सत्या, सुब्रमणि और अन्य लोग शामिल हैं। इस घटना से कृष्णागिरी में तनाव व्याप्त है। स्थानीय बाल संरक्षण अधिकारी भी पीड़िताओं के बयान दर्ज करने की तैयारी में है। बाक़ी स्कूलों में भी यौन उत्पीड़न के प्रति जागरूकता के लिए भी अभियान चलाए जा रहे हैं। पुलिस अन्य स्कूलों में ऐसे ही कैंप लगाने के बारे में जांच कर रही है।

सीआरपीएफ के ...

मुठभेड़ में केरिपुब के शहीद इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह हरियाणा के रहने वाले थे। उधमपुर के रामनगर के चील इलाके में मुठभेड़ हुई। वह इलाका डुडु से करीब साढ़े सात किलोमीटर दूर पड़ता है।इससे पहले डोडा में 14 अगस्त को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में आर्मी के 48 राष्ट्रीय राइफल के कैप्टन दीपक सिंह शहीद हो गए थे। वह डोडा में असार फॉरेस्ट एरिया में चल रहे एनकाउंटर में टीम को लीड कर रहे थे। 16 जुलाई को भी डोडा में मुठभेड़ के दौरान एक कैप्टन समेत 5 जवान शहीद हुए थे। सात अगस्त को भी उधमपुर के बसंतगढ़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी।

सत्ताधारी बेच ...

उन्होंने कहा, हम वायनाड में प्रभावित लोगों के लिए धन जुटाने के वास्ते कई चुनौतियों और उत्सवों का आयोजन कर रहे हैं। यहां सुअर का मांस बेचने के नाम पर किसी ने कोई समस्या नहीं खड़ी की। यहां सुअर के मांस का बहुत बड़ा बाजार है और हमने इन सभी कारकों पर विचार करने के बाद यह चुनौती देने का फैसला किया है।

डीवाईएफआई का पैसे इकट्ठा करने के लिए सुअर मांस बेचने का फैसला केरल के इस्लामी कट्टरपंथियों को रास नहीं आया है। मुस्लिम मौलानाओं का कहना है कि सुअर का मांस बेचना मुस्लिमों की मजहबी भावनाओं को आहत करना है। एक सुन्नी संगठन के मौलाना ने कहा कि वायनाड त्रासदी में बचने वाले कुछ लोग सुअर का मांस नहीं खाते, ऐसे में यह उनका अपमान है। सुन्नी मौलाना नासर फैजी कूदाथई ने कहा कि वायनाड में बचने वाले अधिकांश परिवार मुस्लिम हैं और उनको मुस्लिम होने के नाते सुअर का मांस खाना मना है। मौलाना नासर ने कहा कि यह जानते हुए भी डीवाईएफआई उनके लिए सुअर का मांस बेच कर पैसा इकट्ठा कर रही है।

एक और मौलाना जियाउद्दीन फैजी ने कहा, मुसलमानों को किसी ऐसे व्यक्ति से मदद स्वीकार करने से मना नहीं किया जाता है जो हराम और हलाल से कमाया गया हो। यह नियम शराब की दुकान के मालिक, बैंक मैनेजर या पोर्क व्यापारी सहित सभी पर लागू होता है। लेकिन यहां सवाल यह है कि क्या गरीबों की मदद के लिए हराम चैलेंज आयोजित करने की जरूरत है? क्या कल को सूदखोरी चैलेंज, वेश्यावृत्ति चैलेंज, शराब चैलेंज और चोरी चैलेंज भी आयोजित किए जाएंगे?

मुस्लिमों के डीवाईएफआई का विरोध करने पर केरल सरकार के मंत्री केटी जलील ने उन्हें आड़े हाथों लिया है। केटी जलील ने कहा, मुसलमानों के लिए ब्याज भी हराम है। लेकिन सुअर के मांस के ये विरोधी यह क्यों नहीं कहते कि बैंकों द्वारा दिया गया दान हराम है? क्या ब्याज से कमाए पैसे का उपयोग सुअर के मांस खाने से भी बड़ा पाप नहीं है? मुसलमानों के लिए शराब वर्जित है। लेकिन ईसाईयों और हिंदुओं के लिए आस्था से जुड़ी शराब चढ़ाना वर्जित नहीं है। ये लोग नहीं कहते कि शराबी स्वर्ग में नहीं जाएंगे।

गौरतलब है कि वायनाड में हाल ही में बड़ी भूस्खलन आपदा आई थी। इसके कारण 4 गांव पूरी तरह से बह गए थे। इस भूस्खलन के कारण लगभग 400 लोगों की मौत हो गई थी। इस आपदा में कई घरों को बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचा था। वायनाड में दोबारा से जीवन पटरी पर लाने के लिए राज्य और केंद्र सरकार प्रयास कर रही है।

केरल की एक प्रभावशाली मुस्लिम संस्था से जुड़े एक इस्लामी विद्वान ने डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) द्वारा आयोजित पोर्क चैलेंज (सुअर के मांस के सेवन की चुनौती) कार्यक्रम की आलोचना की। जबकि डीवाईएफआई के राज्य सचिव वीके सनोज ने रविवार को मौलाना कुदाथई के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की एक और आवाज बन रहे हैं। सनोज ने कहा, केरल को यह बात समझनी चाहिए। क्या हमने किसी को पोर्क या गोमांस खरीदने के लिए मजबूर किया? वे सिर्फ पोर्क चैलेंज को लेकर ही क्यों चिंतित हैं? यह उनके सांप्रदायिक राजनीतिक एजेंडे के कारण है। केरल का समाज ऐसे सांप्रदायिक तत्वों को अच्छी तरह समझ लेगा। केरल के वायनाड में भूस्खलन ने तबाही मचाकर रख दी थी, जिसकी घाव अभी तक भरे नहीं हैं। लोग राहत शिविरों में अपने रात-दिन गुजार रहे हैं और न जाने कितनी जिंदगियां तबाह हो गईं। कई का तो अभी भी पता नहीं लग सका है। इसी बीच वायनाड में सुअर बेचने के मामले को लेकर बवाल मचा हुआ है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 20 अगस्त, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

हैदराबाद के एओसी में सैनिकों के लिए राखी कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाई-बहन के असीम प्रेम, अटूट विश्वास एवं समर्पण के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व के शुभ अवसर पर भारतीय सेना और भारत माता की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने को तत्पर रहने वाले वीर सपूतों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से एओसी कैंपस में एक भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मेजर जनरल राकेश मनोचा, लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र राव, एओसी सेंटर कमांडेंट ब्रिगेडियर शैलेंद्र सिंह को विशेष अतिथि एवं उद्यमी भागवती महेश बल्दवा ने रक्षा सूत्र बांधा। संस्कृति फाउंडेशन की ओर से डॉ.विवेक मोदी ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। जिसके बाद राष्ट्रगान एवं मंचस्थ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का आगाज हुआ। कार्यक्रम में सबसे पहले डॉ. प्रसन्न कुमार ने स्वागत भाषण दिया। जिसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र राव, पीवीएएस, एमएवीएसएम, वीएसएम ने वरिष्ठ सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी के रूप में अपने विचार साझा किए। इसके बाद मेजर जनरल राकेश मनोचा, एसएम, वीएसएम (जीओसी टासा) ने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सशस्त्र बलों के अटूट समर्पण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशेष अतिथि एवं प्रसिद्ध उद्यमी भगवती महेश बल्दवा ने रक्षाबंधन के महत्व से सबको रूबरू करवाने के साथ ही पश्चिमी प्रभाव में अपनी संस्कृति को जीवंत रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। बल्दवा ने कहा कि सफलता मिलने के बाद परिवार और समाज को छोड़ने की जरूरत नहीं है, बल्कि संस्कारों के सृजन एवं पोषण पर ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर शैलेंद्र सिंह, कमांडेंट एओसी सेंटर और संस्कृति फाउंडेशन के चेयरमैन आईएएस (सेवानिवृत्त) डॉ. सी उमामहेश्वर राव ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का समापन राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के भावपूर्ण संबोधन के साथ हुआ। राज्यपाल ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति के साथ जीना है। दुनिया की हर संस्कृति पर आक्रमणकारियों का प्रभाव पड़ा, लेकिन भारतीय संस्कृति की अनंत गहराई ही है, कि यह आज भी जीवंत है। रक्षाबंधन जैसा पर्व जाति, धर्म और देश की सीमाओं से परे है। राज्यपाल ने सैनिकों की निस्वार्थ सेवा और ऐसे सार्थक कार्यक्रम के आयोजन में संस्कृति फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की।कार्यक्रम के दौरान भगवती बल्दवा ने राज्यपाल सहित अन्य मंचस्थ सैन्य अधिकारियों की कलाई पर राखी बांधी। इसके बाद संस्कृति फाउंडेशन की सदस्य महिलाओं और हैदराबाद के विभिन्न इलाकों से पहुंची छात्राओं ने सैनिकों को राखी बांधकर सशस्त्र बलों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का जबरदस्त प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में सैकड़ों की तादाद में सैनिकों ने हिस्सा लिया।

दादावाड़ी में सोमवार पूर्णिमा के अवसर पर भव्य दादासाहब की बड़ी पूजा का आयोजन घीसूलाल मुकेश कुमार नरेश कुमार कटारिया परिवार ने किया। इस अवसर पर साध्वी सुलोचना जी महाराज साहब की साध्वीयों की उपस्थिति मे भव्य संगीत की रमझट मचाई। कार्यक्रम में जैन युवा संगठन, आदि जिन मंडल, पार्श्व कुशल महिला मंडल ने भाग लिया।

मुस्लिमजंग पुल, बेगमबाज़ार स्थित जय संतोषी माता का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह अभिषेक, ध्वजारोहण, महाआरती एवं प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नंदलाल यादव, अनीता यादव, किरोड़ीमल अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, अनिल कुमार पाण्डेय, सुनील कुमार पाण्डेय, अभिषेक यादव, त्रिशाला यादव, आशीष यादव, उदय भास्कर, ईशा यादव, राम अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, गोपाल महराज, राजू महराज आदि उपस्थित थे।

दमरे महाप्रबंधक अरुण जैन ने ट्रेन संचालन सुरक्षा पर की विस्तृत समीक्षा बैठक

जीएम ने ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को लेकर अफसरों को दिए कड़े दिशा-निर्देश

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार 19 अगस्त को रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। आर. धनंजयुलु, अपर महाप्रबंधक, दमरे ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

महाप्रबंधक ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी वस्तुओं जैसे सिग्नलिंग, इंजीनियरिंग वस्तुओं और सुरक्षा से संबंधित स्टेशन संपत्तियों आदि की उपलब्धता और कार्यप्रणाली पर ध्यान केंद्रित करते हुए फील्ड निरीक्षण तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने फील्ड स्टाफ को प्रावधानों के अनुसार सभी सुरक्षा संबंधी रजिस्टरों और रिकॉर्डों को बनाए रखने और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित कार्य पद्धतियों का पालन करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने अग्निशामक यंत्र और स्मोक डिटेक्टर आदि सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता पर चर्चा की।महाप्रबंधक ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों पर दिए जाने वाले पुनश्चर्या पाठ्यक्रम मॉड्यूल पर भी चर्चा की और समय-समय पर प्रशिक्षण मॉड्यूल को अद्यतन करने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से लोको पायलटों, सहायक लोको पायलटों और स्टेशन मास्टरों आदि को अच्छी तरह से प्रशिक्षित करने के लिए रिफ्रेशर्स पर ध्यान केंद्रित करने की भी सलाह दी, इससे ट्रेन संचालन में अधिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

अरुण कुमार जैन ने ट्रेनों की समयपालनता पर भी चर्चा की। उन्होंने सभी डीआरएम को सभी यात्री/एक्सप्रेस ट्रेनों की समयपालनता में सुधार के लिए जोन के सभी अधिकारियों के सुझाव/विचार आमंत्रित करते हुए समयपालन पर एक कार्य योजना बनाने और ट्रेनों को समय पर चलाने के प्रयास करने का निर्देश दिया। अरुण कुमार जैन ने चालक दल के काम के घंटों पर चर्चा की और सभी मंडल रेल प्रबंधकों को चालक दल के सदस्यों को दिए जाने वाले उचित आराम पर सावधानीपूर्वक योजना बनाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने ज़ोन में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निष्पादन के दौरान आने वाली समस्याओं का वहीं पर समाधान करने का निर्देश दिया।

श्री कच्छी मित्र मंडल के तत्ववाधान में कच्छ कॉरपोरेट फोरम की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रामकोट इडनवाग स्थित कच्छी भवन मे जीएचएमसी के सहयोग से श्री कच्छी मित्र मंडल के तत्ववाधान मे सोमवार को सायं 6 बजे कच्छ कॉरपोरेट फोरम के पदाधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्री कच्छी मित्र मंडल के मंत्री पंकज सावला ने बताया की कच्छ कॉरपोरेट फोरम के अध्यक्ष मुकेश देढिया, पूर्व अध्यक्ष अशोक शाह के साथ श्री कच्छी मित्र मंडल के कार्यकारीणी समिति के साथ एक विशेष बैठक का आयोजन अध्यक्ष सुशील कापडिया व मेनेजींग ट्रस्टी नितीन धरोड की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई।

अध्यक्ष सुशील कापडिया ने पधारे अतिथियो का स्वागत किया तथा कच्छी मित्र मंडल द्वारा की जा रही गतिविधियो के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। उन्होने कहा कि मंडल ने भवन के निर्माण के साथ-साथ कई सामाजिक, शिक्षा, चिकित्सा जैसे क्षेत्र में भी समाजबंधुओं को सुविधा उपलब्ध करवायी है। समाज ने एलोपैथी, आयुर्वेदिक और होमियोपैथी के क्लिनिक के माध्यम से सेवा उपलब्ध करवायी है, क्लिनिक में साल में 12000 से अधिक लोग मात्र 5 या 10 रुपये की फीस पर परामर्श और दवाईयाँ प्राप्त करते हैं। वहीं पर शिक्षण सहायता के लिए छात्रवृत्ति के तौर पर बडी राशी उपलब्ध करायी जाती हैं। उच्च शिक्षा के लिए विदेश में पढ़ाई के लिए भी सहायता की जाती है।अवसर पर मुकेश देढिया ने कहा कि केसीएफ एक गैर लाभकारी संगठन है जो उद्यमीयो (राजस्व/मूल्यांकन या व्यक्तिगत पूर्ति मे 10 गुना वृद्धि के इच्छुक) को ऐसे ही उद्यमीयो और मार्गदर्शको, सलाहकारो या निवेशको से जोडने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जो उनकी मदद कर सकते है। मुकेश देढिया ने आगे कहा कि हम अत्याधिक उर्जावान, पेशेवर और उद्यमियो की एक टीम के साथ सम्मेलनो, सेमिनारो, कार्यशालाओ की मेजबानी करके विभिन्न ज्ञानध-ाराओ, कॉर्पोरेट और आर्थिक रूझानो मे सर्वोत्तम प्रथाओ के साथ 21 वीं सदी मे व्यवसाय करने के विभिन्न पहलुओ को सामने लाते है।

अशोक शाह ने कहा कि समाज के हर व्यापारी, लघु उद्योगपति, कोर्पोरेट्स को कच्छ कोर्पोरेट फोरम से जुडने का आह्वान किया जिससे उनके व्यापार को 1 से 3 और 3 से 10 गुना करने के लिए कैसे आगे वढना चाहिए उसकी जानकारी दी। उन्होने आगे कहा कि के.सी.एफ. कच्छी सामुदायिक व्यवसायो के भीतर एक कॉर्पोरेट संस्कृति विकसित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहा है। एक कॉर्पोरेट ईकाई का मूल आर्थिक परिदृश्य मे परिवर्तन की भविष्यवाणी करने और उन्हे अनुकूलित करने की क्षमता है। के.सी.एफ ने पिछले 30 वर्षों से अपने कार्यक्रमो के माध्यम से अपने सदस्यों को ज्ञान का खजाना प्रदान किया है।बैठक मे मंडल के अध्यक्ष सुशील कापडिया, उपाध्यक्ष हेमांग मोमाया, मंत्री पंकज सावला, सहमंत्री लहेरचंद लोडाया, कोषाध्यक्ष मनोज नागडा, कार्यकारीणी सदस्य दिनेश गोसर, रिद्धीश जागीरदार, पराग मारू, विपुल निशर, राजीव मामणिया, दिपेन सावला, पूनम देढिया आदि विशेष रूप से भाग लिया।

विप्र फाउंडेशन का प्रतिभा सम्मान समारोह 15 सितम्बर को

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विप्र फाउंडेशन तेलंगाना प्रदेश जोन 16 कार्यकारिणी कि द्वितीय बैठक सोमवार को श्रृंगऋषि भवन फीलखाना में अध्यक्ष हरिकिशन ओझा कि अध्यक्षता में आयोजित कि गई। संस्था के मंत्री रामदेव नगला ने बताया कि आज कि बैठक का शुभारंभ माँ गायत्री एवं भगवान परशुराम की आराधना से किया गया। अध्यक्ष के सम्बोधन के पश्चात मंत्री द्वारा विगत बैठक का बयोरा पेश किया गया जिसे सर्व सहमती से पारित किया गया। तत्पश्चात बैठक कि कारवाई को आगे बढ़ाते हुए प्रतिभा सम्मान समोराह के आयोजन का प्रस्ताव पारित किया गया एवं कार्यक्रम के संयोजक आनंद शर्मा सहसंयोजक रमेश पारीक को मनोनीत किया गया एवं कार्यक्रम के आयोजन सम्बन्धित अन्य विषयों पर चर्चा कि गई एवं हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत व्यास ने सभा को बताया कि जल्द हैदराबाद चैप्टर कि कार्यकारिणी का गठन एवं हैदराबाद चैप्टर महिला पदाधिकारियों मनोनयन एवं कार्यकारिणी गठन कर इसकी घोषणा करेंगे। साथ ही आस्थमा शिविर कार्यक्रम का हिसाब सभा के समक्ष रखा गया। आज कि बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिनारायण व्यास ने सामूहिक यज्ञोपवित कार्यक्रम हेतु प्रस्ताव रखा, राष्ट्रीय मंत्री भगवान जी व्यास ने विप्र कुम्भ के आयोजन का प्रस्ताव रखा एवं अध्यक्ष हरिकिशन ओझा ने आगामी कार्यक्रमों के लिए अपने विचार प्रस्तुत किये जिसमे कवी समेलन, पंच कुण्डीय महायज्ञ रहा। समय पर सुरेश शर्मा, श्याम शर्मा, गोविन्द मडी ने अपने विचार रखे एवं सभी ने अरुणाचल में भगवान परशुराम कि 54 फिट ऊंची प्रतिमा के लिए धन संग्रह करने पर जोर दिया बैठक का समापन श्याम शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन से किया गया। बैठक में हरिकिशन ओझा, रामदेव नागला, हरिनारायण व्यास, भगवान व्यास, मदनगोपाल व्यास, लक्ष्मीकांत व्यास सुरेश शर्मा, आनंद शर्मा, राम निवास पाराशर, गोविन्द मडी, हरिश्चंद्र शर्मा, विजय शर्मा, श्याम शर्मा, रमेश कुमार शर्मा, बीरबल पंडित, आदि गणमान्य उपस्तिथ रहे।

राजपूत प्रीमियर लीग सीजन-1 सम्पन्न

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजपूत प्रीमियर लीग सीजन-1 आज यहां सम्पन्न हुआ। लीग मैच में राजपूत लायंस, राजपूत टाइगर्स, राजपूत वॉरियर्स, डायनामिक बॉयज और किंग्स-11 बॉयज ने हिस्सा लिया।

लीग का आयोजन प्रमुख रूप से राकेश, राजपाल, नरसिंह और ब्रिजपाल ने किया। ठाकुर सतीश सिंह, ठाकुर नरेश सिंह, ठाकुर आनंद सिंह कुणाल, ठाकुर राजकुमार सिंह और ठाकुर कुंदन सिंह का योगदान उल्लेखनीय रहा।

सिखवाल ब्राह्मण समाज पाली के सामाजिक कार्यकर्ता नंदकिशोर नागला के नगरागमन पर श्रृंगऋषि भवन में शाल एवं माला पहनाकर उनकी सामाजिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सिखवाल ब्राह्मण समाज नागौर पट्टी क्षेत्रीय अध्यक्ष अनिल जायलवाल, राजस्थानी ब्राह्मण समाज महामंत्री सिखवाल प्रगति समाज उपाध्यक्ष रामदेव नागला, खारियाँ नींव निवासी भगवान ओझा, सुरेश कुमार व्यास जानम उपस्थित थे।

रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सोमवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारिस ईश्वरीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद की हिमायतनगर शाखा पर रक्षा बंधन पर्व मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सुरपल्ली नन्दा, माननीय न्यायाधीश, तेलंगाना हाईकोर्ट, डॉ.पी.के.जैन, सह-निदेशक, एआरसीआई, गड्डम श्रीनिवास यादव, अध्यक्ष हैंडवि ग्रुप ऑफ कॉलेज, ब्रह्माकुमारी बी.के. अंजली बहन ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ पवित्र पर्व का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बी.के. अंजली बहन ने रक्षा बंधन के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी रक्षा बंधन क्यों मनाते है, इसे हम सही मायने में समझ नहीं पाये हैं, केवल एक धागा बांधना, खर्ची देना यह सब नहीं है परंतु रक्षा बंधन का वास्तविक अर्थ हमें अपनी स्वयं की रक्षा करना अर्थात हमें अपने अंदर के विकारों से, नकारात्मकता से स्वयं की रक्षा करना, यही वास्तव में रक्षा बंधन है।

उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारिस संस्था में सर्वप्रथम स्वयं पर ध्यान दिया जाता है अर्थात मैं एक शुद्ध एवं पवित्र आत्मा हूँ, स्वयं में अच्छे संस्कारों की आदत डालने से ही परिवर्तन हो सकता है अर्थात स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन, इसी मुख्य आधार के साथ ब्रहमकुमारिस में मेडिटेशन किया जाता है। स्व-परिवर्तन से गलत आदतें समाप्त हो जाती है, दूसरों को शुभ-भावना, शुभ-कामना देने से हम देवता बन जाते हैं। स्वर्ग कोई ऊपर नहीं बल्कि यह हमारे ही हाथ में हैं। यदि हम संयम एवं नियम के साथ जीवन जिये तो जीवन स्वर्ग बन जाएगा।

इस अवसर पर गड्डम श्रीनिवास रेड्डी ने सभी को रक्षा बंधन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन एक पवित्र पर्व है। आगे उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं देखा है कि ब्रहमकुमारिस में प्रत्येक कार्य बहुत ही सुंदर ढंग से अनुशासन के साथ किया जाता है, इसे हम सभी को अपने जीवन में सीखना एवं आचरण में लाना चाहिए। यदि हम रोज परमात्मा का ध्यान करेंगे तो अवश्य ही एक न एक दिन हम अपने लक्ष्य तक पहुँच पाएंगे।

एआरसीआई प्रयोगशाला के सह-निदेशक डॉ. पी.के. जैन ने सभी को रक्षा बंधन की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रहमकुमारिस में आने के बाद ही पता चला कि रक्षा बंधन पर्व कैसे मनाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अभिभावकों को बच्चों में नैतिक मूल्यों के संस्कार डालने होंगे तभी वे देश के एक सभ्य नागरिक बन सकते हैं और अच्छे चरित्र का निर्माण कर सकते हैं। बच्चे बड़ों को देखकर ही सीखते हैं। तेलंगाना हाइकोर्ट की न्यायाधीश श्रीमती सुरपल्ली नंदा ने सभी को रक्षा बंधन के पावन पर्व की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन एक पवित्र प्रेम का प्रतीक है। यह पर्व आपस में सभी को जोड़ता है। रक्षा बंधन पापनाशक एवं विषय विकारों से मुक्ति दिलाने वाला पर्व है। यह पर्व खुशी एवं उल्लास का प्रतीक है। राखी शुद्ध आत्मा, पवित्रता एवं शुभ भावना का प्रतीक है। हमें जीवन से नकारात्मकता को समाप्त करना होगा। अपने विचारों को परमात्मा के साथ जोड़कर उसे एक उचित दिशा देनी होगी।

राखी बांधते समय तिलक लगाया जाता है जोकि आत्मा का सूचक है अर्थात यही सदा स्मृति में रहें कि मैं एक शांत एवं शुद्ध स्वरूप आत्मा हूँ। परमात्मा ज्योतिस्वरूप हैं। इसी स्मृति में राखी बांधेंगे तो जीवन में पवित्रता आ जाएगी। सभी को रक्षा बँधान की बहुत-बहुत हार्दिक बधाई हो। अंत में बी.के. अंजलि बहनजी ने सभी गणमान्य व्यक्तियों को राखी बांधी एवं पवित्रता की प्रतिज्ञा ली।

रक्षाबंधन पर्व भाई-बहन के रिश्ते का साक्षी : राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा ने कहा कि राखी का त्यौहार बहन-भाईचारे का प्रतीक है। रक्षाबंधन आत्मीयता और स्नेह का प्रमाण है। राज्यपाल ने कहा कि यह भाईचारे का एहसास है। सोमवार सुबह विश्व हिंदू परिषद की महिला कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को राखी बांधी। राजभवन में विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं के साथ रक्षाबंधन कार्यक्रम साझा किया गया। मंगल आरती उतारी गई, राखी बांधी गई और मिठाइयां बांटी गईं। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि राज्य में उनके आगमन के पहले दिनों में ऐसी ईमानदारी देखना अद्भुत है। उन्होंने दुर्गा वाहिनी और मातृशक्ति के कार्यकर्ताओं को विशेष शुभकामनाएं दीं। ऐसा माना जाता है कि रक्षाबंधन दुनिया का एकमात्र ऐसा त्योहार है जो आध्यात्मिकता और भाईचारे को बढ़ावा देता है। राज्यपाल ने कहा कि वे महिलाओं के कल्याण को पहली प्राथमिकता देंगे।

इससे पहले उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के राज्य सचिव प्रोफेसर लक्ष्मीनारायण, उपाध्यक्ष डॉ. रामसिंह, डॉ. सुनीथा राममोहन रेड्डी, प्रचार प्रमुख पागुडाकुला बालास्वामी, मातृ शक्ति राष्ट्रप्रमाथी सुश्री पद्मश्री, दुर्गा वाहिनी राष्ट्रप्रमाथी सुश्री वाणी सक्कुबाई, सह-प्रमुख सुश्री सिंधुजा, महानगर प्रमुख श्रीमती सिरिशा और धर्म प्रसार क्षेत्र सह-प्रमुख सुभाष चंदर ने भाग लिया।

तेलंगाना वाल्मीकि समाज ने कोलकाता यौन उत्पीड़न पीड़िता के लिए न्याय की मांग की

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कोलकाता यौन उत्पीड़न मामले के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन में तेजी जारी है। इस संदर्भ में पुराने शहर के सुल्तानशाही क्षेत्र में सैकड़ों युवा रविवार को एकत्र हुए और सुल्तानशाही से शहलीबंडा चौराह तक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला।वाल्मीकि युवा शक्ति यूथ द्वारा आयोजित उक्त शोक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी शामिल हुए और पीड़िता के लिए न्याय की मांग की।विरोध प्रदर्शन के पांचवें दिन पुराने शहर में सैकड़ों युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के इकट्ठा होने के साथ, विभिन्न बिरादरियों से व्यापक एकजुटता देखी गई।

जहां सम्प है, अपनापन है, प्रेम है वहां कुसम्प कभी आ ही नहीं सकता : साध्वीरत्ना देवेंद्रप्रभा

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूज्य जेष्ठमलजी म.सा की अनुकम्पा से राजस्थान केसरी उपाध्याय पूज्य पुष्करमुनिजी म.सा,श्रमण संघीय आचार्य पूज्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा , महाश्रमण पूज्य जितेंद्रमुनिजी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी जिनशासन चंद्रिका पूज्य गुरुणीमैया शीलकुंवरजी म.सा, जिनशाशन गौरव तत्व चिन्तामणि गुरुणीमैया चन्दनबालाजी म.सा की सुशिष्या धवल यशस्वी चरित्र चिन्तामणि साध्वीरत्ना देवेंद्रप्रभाजी म.सा, साध्वी धर्मज्योतिजी म.सा , नवदीक्षित साध्वी प्रियांशश्रीजी म.सा आदि ठाणा 3 का शासनोत्कर्ष वर्षावास 2024 के अंतर्गत जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में सुख साता पूर्वक विराज रहे हैं ।

यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में महिला समिति की सदस्य स्वेता सिंघी ने बताया कि पुष्कर शील चन्दन दरबार में साध्वी धर्मज्योतिजी म.सा ने बताया कि आगमों में दो प्रकार की हिंसा बताई गई है। एक है द्रव्य हिंसा और दूसरी है भाव हिंसा। मानव की आत्मा के ऊपर ऐसे क्रोध, माया, लोभ जैसे कसायो ने चोट लगाते हुए घायल करते रहते हैं। इन कसायों के सिपाही हमारे ज्ञान के खजाने पर प्रहार करते हैं तब हमारी क्या हालत हो जाती है, भाव बिगाड़ जाते हैं, श्रद्धा डावाडोल होती है और ज्ञान का भंडार कम होने लगता है। स्वयं की आत्मा को देखा है कि जो कसाय करते हुए सबसे पहले वो खुद को हानिकारक या घात पहुंचाता है। साध्वीरत्ना देवेंद्रप्रभाजी म.सा ने अपने उद्धबोधन में कहा कि हमें दो शब्दों पर चिंतन करना है और वो है सम्प और कुसम्प। सम्प में सम्यक प्रकार से खुशी के वातावरण से कर्मों की रक्षा की जाती है और वहीं कुसम्प में खराब वातावरण, खराब भाव से कर्मों की रक्षा की जाती है। जहाँ सम्प है वहाँ कीमत होती है और जहाँ कुसम्प होता है वहाँ कीमत घटने लगती है। रक्षा बंधन के पावन प्रसंग पर श्री जैन युथ मंडल द्वारा सामूहिक रक्षा बंधन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें करीब 10-12 परिवार वालों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बन्दते हुए स्वागत व आरती की। इस कार्यक्रम में विशेष भाई-बहन की जोड़ी, विशेष वेश भूषा , विशेष आरती थाली सजावट व विशेष आरती की प्रतियोगिता भी रखी गई। प्रतियोगिता के विजेता एवं भाग लेने वाले सभी सदस्यों को स्नेप ग्रुप (नंदा मरलेचा, प्रीति नाबरिया व सोनल राखेचा) ने पुरस्कसर प्रदान किये। प्रतियोगिता में स्वेता सिंघी व योगिता पितलिया को जज के रूप में मनोनित किया गया। रखी के कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा में प्रथम स्थान पितलिया परिवार व द्वितीय स्थान छाजेड़ परिवार, सर्वश्रेष्ठ आरती में प्रथम स्थान डागा परिवार, द्वितीय स्थान गांधी परिवार एवं सर्वश्रेष्ठ आरती थाल सजावट में प्रथम स्थान राखेचा परिवार व द्वितीय स्थान नाबरिया परिवार को प्राप्त हुआ। धर्म सभा का संचालन करते हुए चातुर्मास प्रधान संयोजक पारस डोसी ने धर्म सभा में पधारे सभी श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत करते हुए साध्वीरत्न देवेंद्रप्रभा म.सा एवं नवदीक्षित साध्वी प्रियांशश्री म.सा के केश लोच की सुख साथा पूछते हुए उनके चरणों में वंदन-नमन प्रेषित किया। आगे बताया कि गौतमलब्धि तप आज पूर्ण हो गया और सभी तपस्वी के तप एवं पारणे की सुख साथा पूछी।आगे बताया कि पूज्य महासती शीलकंवर म.सा की 113वीं जन्म जयंती के पावन प्रसंग पर संघ के तत्वावधान में 24 से 26 अगस्त तक भव्य तेला तप महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। तेला तप के कूपन महिला मंडल, महिला समिति के सदसयों से प्राप्त कर सकते हैं। संघ के अध्यक्ष व मंत्री ने सभी धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएं से इस सामुहिक तेले तप कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर महान आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धा व भाव प्रस्तुत कर संघ की भी शोभा बढ़ाने की विनती की है।

पण्डित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा विजयवीर विद्यालंकार सम्मानित

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आर्य समाज मंदिर महर्षि दयानंद मार्ग, सुल्तान बाजार में रविवार सायं श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह का समापन समारोह व 132वीं स्थापना दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी पण्डित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा डॉ. विजयवीर विद्यालंकार को अभिनन्दन पत्र से सम्मानित किया गया। श्रावणी वेद सप्ताह 12 अगस्त से ब्रह्मा आचार्या धर्मावती वेदरत्न ने यजुर्वेद परायण महायज्ञ प्रातः और सायं करवाया।

बहन तन्नू आर्य सोनीपत (हरियाणा) द्वारा सुबह और सायं मधुर भजन सुनाए। आचार्य स्वामी विजयदेव नैष्ठिक (गुरुकुल बदायूं, उत्तर प्रदेश) से इस वेद प्रचार सप्ताह की प्रमुख वक्ता रहे।

आर्य समाज स्थापना दिवस पर पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा वेदों के प्रचंड विद्वान, वेदों को काव्य रूप देने में अपने जीवन को समर्पित करने वाले डॉ. विजयवीर विद्यालंकार को अभिनन्दन पत्र से आचार्य स्वामी विजयदेव नैष्ठिक के कर कमलों द्वारा सम्मान किया। अवसर पर श्रुतिकांत भारती ने शाल, प्रदीप जाजू ने मोती मालार्पण, प्रेमचंद मुनोत ने श्रीफल (नारियल), स्वामी दयानंद सरस्वती का चित्र मीरा, ऋषि राम ने कवर भेंट किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच ने मंच के विषय में अपनी संक्षिप्त में मंच के कार्यकलापों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर रामचन्द्र राजू, शिवाजी, कामेश आर्य, नरेंद्र आर्य, प्रताप आर्य, संगीता, जी राजेश्वर आर्य, प्रदीप जाजू, डॉ प्रताप रूद्र, विट्ठल राव, रणधीर सिंह, प्रेमचन्द मुनोत, श्रुतिकांत भारती, डॉ धर्म तेजा, भरत मुनि, मीरा, गार्गी, सुचित्रा, के.राजन्ना,ऋषि राम, यज्ञ कुमार, विजयवीर, विनोद चंद्र, डैनी कुमार आजाद, भगत सिंह, पं. अशोक कुमार शास्त्री, पं. विष्णु पद शास्त्री, सुशील चंद्र, आत्माराम, आनंदिता, सतीश जाजू , मनोहर सिंह, अशोक कुमार श्रीवास्तव, हरिकिशन वेदालंकर, सत्यनारायण आदि समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया । कार्यक्रम का समापन शांति पाठ द्वारा किया गया।

तलसानी साईं किरण ने महिला पावरलिफ्टर वैष्णवी महेश की आर्थिक सहायता की

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

युवा नेता तलसानी साईं किरण यादव ने खिलाड़ियों को सहयोग देकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। सोमवार को वेस्ट मराड पल्ली स्थित उनके आवास पर महिला पावरलिफ्टर वैष्णवी महेश को तलसानी ट्रस्ट से 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई। वैष्णवी महेश का चयन 04 से 13 अक्टूबर तक दक्षिण अफ्रीका में होने वाली कॉमनवेल्थ पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। यह जानने के बाद कि वैष्णवी को इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, उन्होंने तलसानी ट्रस्ट के माध्यम से 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित होने पर उन्हें बधाई दी। तलसानी साई किरण यादव ने अफसोस जताया कि देश में कई कुशल खिलाड़ी हैं, लेकिन उचित प्रोत्साहन के अभाव में उन्हें अच्छा प्रोत्साहन नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने साफ किया कि उन्हें पूरा भरोसा है कि वैष्णवी को अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि उसने कड़ी मेहनत कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी कड़ी मेहनत का नतीजा है कि उनका चयन अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है। उन्होंने विश्वास जताया कि वैष्णवी राष्ट्रमंडल खेलों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में वैष्णवी ने साईं किरण यादव को राखी बांधी।

प्रोत्साहन को नहीं भूल सकती : वैष्णवी

पावरलिफ्टर वैष्णवी महेश ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पावरलिफ्टिंग में उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करने के लिए तलसानी ट्रस्ट और तलसानी साई किरण यादव द्वारा दी गई मदद और प्रोत्साहन को कभी नहीं भूलेंगे। चूंकि उन्होंने पावर लिफ्टर के रूप में अपना करियर शुरू किया है, इसलिए उन्होंने कई तरह से उनकी मदद करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि वह राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतेंगी।

रक्षाबंधन पर राष्ट्रीय महासभा के अध्यक्ष अशोक गुप्ता व बहन मालती गुप्ता का स्वागत करती हुए सपना गुप्ता, राकेश गोलस, सुनीता गोलस, विमल गुप्ता, रेखा, बीना व अन्य।

सांसद डॉ. कादियाम काव्य और विधायक कादियाम श्रीहरि ने सोमवार को रेल निलयम में अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर से मुलाकात की और अपने क्षेत्र में विभिन्न रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

छात्रों और युवाओं को राष्ट्रीय विकास और देशभक्ति जैसे मुद्दों पर जागरूक करना अति आवश्यक

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने कहा ऐसा नहीं किया गया तो देश के विघटन का खतरा पैदा हो जाएगा

मंचेरियाल, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने चेतावनी दी है कि अगर छात्रों और युवाओं को राष्ट्रीय विकास और देशभक्ति जैसे मुद्दों के बारे में जागरूक नहीं किया गया तो देश के विघटन का खतरा पैदा हो जाएगा।

बांग्लादेश की स्थिति का जिक्र करते हुए, मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे युवाओं और छात्रों ने आरक्षण जैसे मुद्दों से प्रेरित होकर अराजकता पैदा की, जिसने पूरे देश को खतरे में डाल दिया। हालांकि उनकी मांगें वैध हो सकती हैं, मंत्री ने आंदोलन का नेतृत्व करने वालों के हितों और देश को हुए नुकसान पर सवाल उठाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश का मौजूदा संकट इन मुद्दों के बारे में अपने युवाओं और छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने में विफलता के कारण हुआ।

इन घटनाक्रमों के आलोक में, बंडी संजय ने भारतीय युवाओं और छात्रों से सतर्क रहने, राष्ट्रीय मुद्दों के बारे में लगातार जागरूकता विकसित करने और देश को विभाजित करने वाली ताकतों से सावधान

रहने का आग्रह किया। सोमवार को मंचेरियल जिले के चोक्कारामनगर, रामपुर में श्री विद्यारण्य आवास विद्यालय के नए भवन की आधारशिला रखने के बाद बोलते हुए बंडी संजय ने राज्य में पहले शिशु मंदिर भवन के निर्माण के लिए आगे आने के लिए पूर्व छात्रों की प्रशंसा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह स्कूल भविष्य में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश का अग्रणी संस्थान बन सकता है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थान के लिए 33 एकड़ जमीन देने वाले दानदाताओं को भी सलाम किया और सभी से नए भवन के निर्माण में भाग लेने का आह्वान किया।मंत्री ने तेलंगाना में शिशु मंदिर और अन्य निजी और कॉर्पोरेट शैक्षणिक संस्थानों के बीच अंतर को समझने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने केवल शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने, संस्कृति और देशभक्ति की उपेक्षा करने के लिए कॉर्पोरेट स्कूलों की आलोचना की। उन्होंने अफसोस जताया कि कई माता-पिता संस्कृति, सभ्यता, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों के महत्व पर विचार किए यह मानते हैं कि उच्च फीस बेहतर शिक्षा की गारंटी देती है। बंडी संजय ने अपनी सफलता का श्रेय शिशु मंदिर में मिले प्रोत्साहन को दिया, जिसने उनकी नेतृत्व क्षमता को पहचाना और पोषित किया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी की शुरुआत के बावजूद, शिशु मंदिर ने देशभक्ति, संस्कृति, अनुशासन और मातृभाषा के प्रति सम्मान से कोई समझौता नहीं किया है। उनका मानना है कि समाज में उनका सम्मान शिशु मंदिर में उनकी शिक्षा से है, जिससे उनमें राष्ट्रीय मुद्दों और धर्म की गहरी समझ पैदा हुई। मंत्री ने शिक्षाविदों पर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्रीय विकास पर चर्चा करने में विफल रहने के लिए अन्य कॉर्पोरेट स्कूलों की आलोचना की। इसके विपरीत, उन्होंने देश में चल रहे परिवर्तनों के बारे में चर्चा में छात्रों को शामिल करने के लिए शिशु मंदिर की प्रशंसा की। उदाहरण के तौर पर बांग्लादेश का उपयोग करते हुए बंडी संजय ने छात्रों और युवाओं को राष्ट्रीय मुद्दों पर शिक्षित न करने के खतरों के बारे में चेतावनी दी। उन्होंने बताया कि अज्ञात ताकतों द्वारा आरक्षण को लेकर बांग्लादेश में अराजकता देश के पतन का कारण बनी। उन्होंने भारत के युवाओं से इससे सीखने और सतर्क रहने का आग्रह किया। मंत्री ने तेलंगाना में नक्सली विचारधारा के प्रभाव पर भी चिंता व्यक्त की, जिसके बारे में उनका मानना है कि इससे देश की शिक्षा प्रणाली, इतिहास और संस्कृति को खतरा है। उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए पाठ्यक्रम में नक्सली विचारधारा, मार्क्सवाद, माओवाद और अन्य स्वार्थी हितों को शामिल करने की इच्छा रखने वालों के खिलाफ चेतावनी देते हुए देश और समाज के लाभ के लिए शिक्षा प्रणाली में बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिशु मंदिर के पूर्व छात्रों से इन खतरों से सावधान रहने और शासकों को उचित सबक सिखाने का आग्रह किया।

विश्व फोटोग्राफी दिवस समारोह : सूचना विभाग के फोटोग्राफर किए गए सम्मानित

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के तत्वावधान में सोमवार को ग्रीन पार्क होटल में विश्व फोटोग्राफी दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सूचना विभाग में लंबे समय से फोटोग्राफर के रूप में काम कर रहे प्रचार सहायकों, विभिन्न पदों पर कार्यरत अतिरिक्त पीआरओ चिंताला श्रीनिवास, राज्यपाल कार्यालय में कार्यरत एवीएस अधिकारी नागराज शर्मा, प्रसाद, लक्ष्मीनारायण और प्रचार सहायक किशोर को भी विशेष पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर राज्य सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के विशेष आयुक्त हनुमंत राव ने कहा कि यह बेहद सराहनीय है कि सूचना विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कड़ी मेहनत कर रहे हैं और सरकार का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि सभी अधिकारी प्रत्येक कार्यक्रम में एक दिन पहले से ही कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रतिबद्ध हैं। कमिश्नर ने पुरस्कार पाने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया।

तेलंगाना में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाई-बहनों के बीच पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षा बंधन सोमवार को पूरे तेलंगाना में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया।दिल को छू लेने वाले दृश्यों में, बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर विभिन्न आकृतियों के पवित्र लाल धागे, राखी बांधी और बदले में आशीर्वाद प्राप्त किया। बदले में भाइयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लिया और उन्हें उपहार दिए। मीठे व्यंजनों का आदान-प्रदान भी इस विशेष दिन को चिह्नित करता है।जुड़वां शहर हैदराबाद-सिकंदराबाद और राज्य के अन्य हिस्सों में राखी बेचने वाली दुकानों में जोरदार कारोबार देखा गया। तेलंगाना के राज्यपाल विष्णु देव वर्मा और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रक्षा बंधन के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

रमेश कुमार ने एएससीआई के नए महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश कैडर के 1982 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. निम्मगड्डा रमेश कुमार ने सोमवार को यहां एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई) के नए महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया।डॉ. रमेश कुमार का एक सिविल सेवक के रूप में 34 साल का विशिष्ट करियर है, जिसमें उन्होंने कई वरिष्ठ पदों पर गौरव हासिल किया है। उनकी उल्लेखनीय भूमिकाओं में संयुक्त कार्यकारी अधिकारी और बाद में प्रसिद्ध(टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य करना शामिल है।उन्होंने 2006 से 2009 तक वाणिज्यिक कर आयुक्त, कृषि एवं सहयोग, विपणन और आवास विभागों के प्रमुख सचिव और वित्त सचिव के रूप में भी कार्य किया। 2009 से 2016 तक डॉ. रमेश कुमार ने आंध्र प्रदेश के विभाजन की महत्वपूर्ण अवधि के दौरान आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के राज्यपाल के प्रधान सचिव और बाद में विशेष मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया।

बीआरएस ने सचिवालय के सामने राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित करने का किया कड़ा विरोध

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस ने सचिवालय के सामने मूल रूप से तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के लिए निर्दिष्ट स्थान पर पूर्व प्रधान मंत्री, दिवंगत राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित करने के राज्य सरकार के फैसले का कड़ा विरोध किया। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि एक बार बीआरएस सत्ता में लौट आएगी, तो वे राजीव गांधी की प्रतिमा को हटा देंगे और उसी स्थान पर तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा स्थापित करेंगे। उन्होंने मुंबई के छत्रपति शिवाजी हवाई अड्डे और बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे जैसे अन्य राज्यों द्वारा स्थापित मिसाल के बाद, एक प्रमुख तेलंगाना आइकन के बाद राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बदलने की योजना का भी उल्लेख किया। सोमवार को यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केटीआर ने कहा कि प्रमुख स्थान पर राजीव गांधी की प्रतिमा लगाने का निर्णय तेलंगाना तल्ली को सम्मानित करने के मूल इरादे के विपरीत है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने पुराने सचिवालय भवन में अपर्याप्त अग्नि सुरक्षा प्रावधानों और अन्य सुविधाओं के कारण नए सचिवालय भवन का निर्माण कराया था। संविधान के अनुच्छेद 3 में उनके योगदान को मान्यता देते हुए सचिवालय परिसर का नाम भी उचित रूप से डॉ. बीआर अंबेडकर के नाम पर रखा गया, जिसने तेलंगाना के गठन को सुविधाजनक बनाया। तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा को सचिवालय और अमारा ज्योति स्मारक के बीच स्थापित किया जाना था, जिसे तेलंगाना के शहीदों के सम्मान में बनाया गया था।

केटीआर ने कहा कि कांग्रेस सरकार घटिया राजनीति कर रही है, जिससे बीआरएस के पास जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने बताया कि बीआरएस के 10 साल के शासन के दौरान, उन्होंने राजीव आरोग्यश्री, राजीव राहदारी राज्य राजमार्ग, राजीव गांधी ज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उप्पल में राजीव गांधी स्टेडियम और राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसी पहल और संगठनों का नाम बदलने से परहेज किया। हालांकि, कांग्रेस की हालिया कार्रवाइयों ने अब बीआरएस को अपने रुख पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने तेलंगाना तल्ली का अपमान करके तेलंगाना के लोगों की भावनाओं की अवहेलना करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बीआरएस इस तरह की कार्रवाइयों को बर्दाश्त नहीं करेगा और अगर वे सत्ता में लौटते हैं तो तेलंगाना में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं के नाम पर सभी संस्थानों का नाम बदलने पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर रेवंत रेड्डी अपने बॉस राहुल गांधी को प्रभावित करना चाहते हैं, तो वह गांधी भवन या अपने आवास पर राजीव गांधी की प्रतिमा लगा सकते हैं। तेलंगाना तल्ली के लिए सार्वजनिक रूप से घोषित स्थान पर राज्य सचिवालय के सामने इसे स्थापित करना बेहद आपत्तिजनक है।

बीआरएस शासन के दौरान महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर मंत्री डी अनसूया उर्फ सीताक्का की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए केटीआर ने गहन जांच और उचित कार्रवाई का स्वागत किया। उन्होंने बढ़ती अपराध दर को संबोधित करने में अपनी अक्षमता को छिपाने के प्रयास के लिए कांग्रेस की आलोचना की, खासकर एक समर्पित गृह मंत्री की अनुपस्थिति में। कोल्हापुर में एक आदिवासी महिला और शादनगर में एक दलित महिला सहित महिलाओं पर हमलों से जुड़ी हालिया घटनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस के हस्तक्षेप करने तक न तो राज्य सरकार और न ही राज्य महिला आयोग ने कोई प्रतिक्रिया दी।

सीएम रेवंत ने अनाथ बच्ची को भरपूर सहायता का दिया आश्वासन

निर्मल कलेक्टर को दुर्गा की हर तरह से मदद करने का दिया निर्देश

तानूर, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपनी मां की आत्महत्या के बाद अनाथ हो गई 11 वर्षीय लड़की दुर्गा को समर्थन देने का वादा किया है।

निर्मल जिले के तनूर मंडल के बेलतरोडा गांव की 36 वर्षीय एकल मां मेरा गंगामणि ने शनिवार रात आत्महत्या कर ली। कई वर्ष पहले दुर्गा के पिता की भी मृत्यु हो गई थी इससे उनकी इकलौती बेटी, दुर्गा, बिना किसी परिवार या संसाधन के रह गई। अपनी मां के अंतिम संस्कार के लिए धन की व्यवस्था करने के लिए संघर्ष करते हुए दुर्गा को भीख मांगने के लिए मजबूर होना पड़ा। उसकी दुर्दशा के बारे में जानने पर, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तुरंत हस्तक्षेप किया।

मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर अभिलाष अभिनव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि दुर्गा की शैक्षणिक, चिकित्सा और अन्य जरूरतें पूरी हों। इन आदेशों के बाद, दुर्गा को गुरुकुल पाठशाला में प्रवेश दिया जाएगा, जहां वह मुफ्त शिक्षा प्राप्त करेगी। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार,

कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि किसी भी चिकित्सा या अन्य मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाएगा।

इस समाचार की जानकारी मिलते ही तेलंगाना के रोड और भवन शाखा मंत्री कोमटी रेड्डी वेंकेट रेड्डी ने पीड़ित दुर्गा को प्रतीक रेड्डी फाउंडेशन द्वारा एक लाख का चेक फाउंडेशन ने सदस्यों द्वारा भेज कर सोमवार को तानूर तहसीलदार लिंगममूर्ति और मंडल विकास अधिकारी अब्दुल समद और प्रतीक रेड्डी फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा दुर्गा को दिया गया और मंत्री द्वारा दुर्गा के आगे की पढ़ाई और उसके जीवन का सारा बोझ प्रतीक रेड्डी फाउंडेशन द्वारा किए जाने की जिम्मेदारी ली। इतना ही नहीं पीड़ित दुर्गा से फोन पर बातचीत कर उसका हौंसला बढ़ाया। इस दौरान मंत्री ने दुर्गा को आश्वासन कि चिंता नहीं करते हुए हिम्मत के साथ अपनी पढ़ाई कर अपने भविष्य को संवारे। उन्होंने दुर्गा से कहा मै तुम्हारे साथ हूं और उसे हिम्मत न हारने की सलाह दी। मुधोल विधायक पवार रामाराव पटेल ने भी शनिवार को अनाथ लड़की दुर्गा से भेट कर आर्थिक सहायता व खाद्ध सामग्री देकर हमेशा दुर्गा के सुख दुःख में हर समय सहयोग करने का भरोसा दिया। वहीँ मुधोल माजी विधायक कांग्रेस पार्टी इंचार्ज भोसले नारायण राव पटेल ने अपने सहयोगियों के साथ अनाथ लकड़ी से मुलाकात कर आर्थिक मदद की और। इस अवसर पर तानूर मंडल क्षेत्र के तथा मुधोल निर्वाचन क्षेत्र के सभी दल के नेताओं ने भारी संख्या मे उपस्थित रहकर पीड़ित दुर्गा को अपनी-अपनी तरफ से आर्थिक सहायता की है। दुर्गा को मुख्य मंत्री रेवंत रेड्डी और रोड एवं भवन शाखा मंत्री कोमटी रेड्डी वेंकेट रेड्डी, विधायक पवार रामाराव पटेल तथा माजी भोसले विधायक नारायण राव पटेल द्वारा आर्थिक मदद और दुर्गा के भविष्य को उज्वल बनाने का साहस दिए जाने पर गांव के माजी सरपंच गोप्पा साईनाथ, कांग्रेस नेता मधु पटेल और गांव के सभी दलों के कार्यकर्ताओं ने तथा गांव के लोगो ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मंत्री कोमटी रेड्डी, विधायक पवार रामाराव पटेल, माजी विधायक भोसले नारायण राव पटेल की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया है।

राज्यसभा उपचुनाव: अभिषेक सिंघवी ने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में पर्चा दाखिल किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने सोमवार को तेलंगाना से आगामी राज्यसभा उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया।मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी, तेलंगाना में पार्टी मामलों की एआईसीसी प्रभारी दीपा दास मुंसी सिंघवी के साथ उन्होंने राज्य विधानसभा में अधिकारियों के समक्ष अपना नामांकन जमा किया। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) ने रविवार रात राज्यसभा उपचुनाव के लिए सिंघवी की उम्मीदवारी का समर्थन किया। रविवार को यहां सीएलपी की बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि बैठक में सिंघवी को कांग्रेस विधायकों, सांसदों और एमएलसी से परिचित कराया गया। 2014 में विभाजन के बाद पड़ोसी आंध्र प्रदेश के साथ विवादों का जिक्र करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि सिंघवी के चुनाव से न केवल संसद में बल्कि अदालतों में भी तेलंगाना की चिंताओं और समस्याओं को उजागर करने में मदद मिलेगी।

इंतेक़ाल

जनाब मो. उमर साहब

(सुपुत्र : जनाब गुलाम मो. मुस्तफा साहब मरहूम)

का सोमवार, दि. 19 अगस्त, 2024 की सुबह इंतेक़ाल हो गया। नमाज-ए-जनाज़ा बाद नमाज असर मस्जिद-ए-कुतुबशाही, आगापुरा, चारकंदील में अदा की गई और तदफ़ीन डबीरपुरा कब्रिस्तान में अमल में आई।

ये मेरे रब! मेरे वालिद मरहूम जनाब मो. उमर साहब पर रहम फ़रमा जिस तरह इन्होंने रहमत व शफ़क़्क़त के साथ हमारी बचपन में परवरिश की है। आमीन....

मो. ताहिर

सर्कुलेशन प्रभारी, शुभ लाभ हिंदी समाचार पत्र

फ़ोन नं. 7989146875

फोन टैपिंग मामले में निलंबित एएसपी भुजंगा राव को मिली अंतरिम जमानत

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर की एक अदालत ने सोमवार को फोन टैपिंग मामले में निलंबित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) एन. भुजंगा राव को अंतरिम जमानत दे दी।दिल के इलाज के लिए जमानत की मांग को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाने के बाद राव को स्वास्थ्य आधार पर 15 दिनों की अंतरिम जमानत दी गई थी। कोर्ट ने उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए उन्हें अंतरिम जमानत दी। वह मार्च में सामने आए फोन टैपिंग मामले में गिरफ्तार किए गए चार पुलिस अधिकारियों में से एक हैं। मामले में दूसरे आरोपी बनाए गए भुजंगा राव ने कथित तौर पर कुछ कंप्यूटर सिस्टम और आधिकारिक डेटा को नष्ट कर दिया था। यह मामला भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पिछली सरकार के दौरान राजनेताओं, व्यापारियों, मशहूर हस्तियों और यहां तक कि कुछ न्यायाधीशों के फोन की कथित टैपिंग से संबंधित है।

तत्कालीन कांग्रेस सांसद और वर्तमान तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सहित कई विपक्षी नेता, तत्कालीन सत्तारूढ़ दल के असंतुष्ट, व्यवसायी, पत्रकार और यहां तक कि न्यायाधीश भी उन लोगों में से थे, जिनके फोन कथित तौर पर विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के भीतर एक टीम द्वारा टैप किए गए थे।

फोन टैपिंग और जासूसी विवाद तब सामने आया जब बीआरएस ने कांग्रेस के हाथों सत्ता खो दी और एसआईबी का एक अधिकारी, जो ऑपरेशन का

हिस्सा था, एकत्रित डेटा को नष्ट करते हुए पाया गया। मार्च में अतिरिक्त एसपी, एसआईबी डी. रमेश द्वारा याचिका दायर करने के बाद पंजागुट्टा पुलिस में मामला दर्ज किया गया था।

पिछले साल दिसंबर में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद हार्ड डिस्क और अन्य डेटा को नष्ट करने के आरोप में पूर्व डीएसपी प्रणीत राव को गिरफ्तार किया गया था। बाद में पुलिस ने भुजंगा राव, तिरुपथन्ना और पूर्व पुलिस उपायुक्त पी. राधा किशन राव को गिरफ्तार कर लिया। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने पिछले महीने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को निर्देश दिया था कि वे मामले से जुड़ी अपनी रिपोर्टों में न्यायाधीशों के नाम और मोबाइल फोन नंबर का उल्लेख न करें। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति अनिल कुमार जुकांति की पीठ ने फोन टैपिंग मामले में स्वत: संज्ञान ली गई रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम निर्देश पारित किया था। पीठ ने कहा कि मीडियाकर्मियों को मामले से संबंधित घटनाक्रम की रिपोर्टिंग करते समय संयम बरतना चाहिए।पिछले महीने मामले में एक अन्य घटनाक्रम में मुख्य आरोपी विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख टी. प्रभाकर राव ने अपने खिलाफ आरोपों से इनकार किया था। सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक, जो अमेरिका में हैं, ने जांच अधिकारी को बताया कि कई स्वास्थ्य समस्याओं ने उन्हें अपनी वापसी स्थगित करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने पुलिस को आश्वासन दिया कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे और उनके स्वास्थ्य में सुधार होते ही और भारत लौटने पर व्यक्तिगत रूप से सभी प्रश्नों का उत्तर देंगे।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

ज्योतिष
ASTROLOGY
नाकोड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद. संपर्क : 9032460847.

CHANGE OF NAME & DOB
I, N Tanuja W/o Naga Raju Narisipuram, R/o V&P-Dimilada (T)-Nandigam, (D)-Srikakulam, A.P-532212, have Changed my name from **N TANUJA** to **NARSIPURAM TANUJA** and DOB from **01-06-1988** to **29-04-1991**, vide affidavit dt.19-8-2024 before Sec-bad court

CHANGE OF NAME
I, Rajlaxmi Praharaj spouse of Service No.JC 732487Y Sub Rabindra Kumar Praharaj, R/o.Vill:Nabakrushna Nagar, Post:Sonaparbat, Teh:Rourkela, Dist:Sundergarh, Odisha-769016 have changed my name from **RAJLAXMI PRAHARAJ** to **RAJALAXMI PRAHARAJ** vide affidavit sworn before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, JAYALAKSHMI Spouse of Service No.14684274F Rank Nk TATA RAO PILLI presently resident of 1-56B, Boyapalem, Anandapuram Mandalam, Gambheeram, Visakhapatnam, Andhra Pradesh, 531163 have changed my Name from **JAYALAKSHMI** to **JAYALAKSHMI PILLI** vide Affidavit dated 19/08/2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad

TG RERA — APPROVED

Telangana Real Estate Regulatory Authority (TG RERA) is granted certificate under section 5 to the following project.

Pushpa Residency-1 (Regn. No. P02200008353) | Pushpa Residency-2 (Regn. No. P02200008349)

PUSHPA RESIDENCY-1

Quality Living Starts Here

Ready to occupy @ Thumkunta << SHAMIRPET

TYPICAL FLOOR PLAN

- 2 Bhk
- Parking 2 wheeler & 4 Wheeler
- 100% Vaastu

SCAN FOR SITE LOCATION

Everyone love to live in a beautiful & luxurious home where elders are happy & children grow up in a healthy environment. To experience the comfort of a spacious flat in a good neighbourhood, where fresh air & abundant water & the blissful silence of environment invites your family to live in comfort. Pushpa Residency is a prestigious project by Basai Group who have executed several successful projects. Their strength in the construction field can be gauged by the quality and dedication they bring to every project. we work hard to ensure customer satisfaction ... So why to wait now we provide you the luxurious flat in Thumkunta, Shamirpet .

FOR DETAILS

+91 77991 23471
98853 00700

Email : pushparesidency1@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.